THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 331 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.9 2080 रविवार, 18 फरवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'हाथ' छोड़ने को आतुर 'कमल'

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव नजदीक है और उससे पहले लगातार कांग्रेस पार्टी को झटके पर झटके लगते जा रहे है। मिलिंद देवड़ा से लेकर बाबा सिद्दकी और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने हाल ही में कांग्रेस छोड़ी है। चव्हाण के जाने से महाराष्ट्र में कांग्रेस पर विधायकों को बचाने का भी संकट मंडरा रहा है और राज्य में नेतृत्व संकट भी है। अभी महाराष्ट्र का झटका लगा था और कांग्रेस के लिए मध्य प्रदेश के बुरी खबरें आने लगी हैं। राज्यसभा के लिए अशोक सिंह का नाम सामने आने के बाद से पार्टी से ही पूर्व सीएम कमलनाथ पार्टी से नाराज चल रहे हैं। कयास ये हैं कि वे बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। आज ही छिंदवाड़ा से सांसद और कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ ने अपने एक्स अकाउंट के बायो से कांग्रेस पार्टी का नाम हटाया था और उसके बाद ही पिता पुत्र दोनों ही दिल्ली आ गए हैं। दिल्ली आने पर जब कमलनाथ से पूछा गया कि क्या वे बीजेपी में जाने वाले हैं, तो इस पर उन्होंने कहा कि कुछ ऐसा होगा तो बताया जाएगा। आम तौर पर नेता सीधे ऐसी खबरों को खारिज कर सकते हैं लेकिन कमलनाथ ने ऐसा नहीं किया। इसके चलते ही यह कयास और पुख्ता होते जा रहे हैं कि संभवतः कमलनाथ की बीजेपी के साथ बातचीत चल रही है।

कमलनाथ की पॉलिटिक्स की बात करें तो वे आज के वक्त में कांग्रेस के सबसे कद्दावर नेता हैं। राज्य के पूर्व सीएम कमलनाथ पार्टी के लिए रिसोर्स जुटाने तक में अहम रहे है। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने उन्हें एक वक्त अपना तीसरा बेटा तक कहा था। छिंदवाड़ा सीट कमलनाथ का गढ़ रही है। इसी के चलते 2014 और 2019 की मोदी लहर में भी कांग्रेस छिंदवाड़ा जीत चुकी है। कमलनाथ के इस राजनीतिक रसूख के बावजूद उनके करीबी सज्जन कुमार ने कहा है कि वे आत्मसम्मान से समझौता नहीं करेंगे और अपना फैसला भी बदल लेंगे। कांग्रेस के पास एक वक्त ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसा युवा चेहरा था जो कि कद्दावर नेता माने जाते थे लेकिन 2018 विधानसभा चुनाव के बाद उनके साथ हुई अनदेखी से वे नाराज हुए और बीजेपी में चले गए।

दो नामों पर निर्भर कांग्रेस

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की पूरी पॉलिटिक्स ही दो नेताओं पर निर्भर करती रही है। इसमें एक नाम पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का है तो दूसरा कमलनाथ का। दिग्गी और कमलनाथ की जोड़ी के बावजूद पिछले लगभग 20 साल से पार्टी मध्य प्रदेश में विपक्ष की राजनीति ही कर रही है। पार्टी के पास नई पीढ़ी के मामले में भी दोनों नेताओं के बेटे और उनसे जुड़े करीबी ही रहे। ऐसे में सवाल यह उठने लगे हैं कि अगर कांग्रेस छोड़कर कमलनाथ बीजेपी में चले जाते हैं तो फिर कांग्रेस के लिए लीडरशिप के लिहाज से क्या विकल्प होंगे।

इसरो का इन्सैट-3डी सैटेलाइट लॉन्च

19.13 मिनट में पृथ्वी से 37000 कि.मी. की ऊंचाई पर पहुंचा

श्रीहरिकोटा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार (17 फरवरी) को 10 साल तक मौसम की सटीक जानकारी देने वाले सैटेलाइट इन्सैट-3डीएस को लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से शाम 5:35 बजे लॉन्च किया गया। सैटेलाइट की लॉन्चिंग जीएसएलवी एमके II रॉकेट से हुई। ये 19 मिनट 13 सेकेंड में 37000 किलोमीटर ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) यानी पृथ्वी की ऊपरी कक्षा में पहुंचा।

1 जनवरी 2024 को पीएसएलवी-सी58/एक्सपोसैट मिशन की लॉन्चिंग के बाद 2024 में इसरो का यह दूसरा मिशन है। यह इन्सैट-3डी सीरीज की 7वीं उड़ान है। इस सीरीज का आखिरी सैटेलाइट इन्सैट-3डीआर 8 सितंबर 2016 को लॉन्च किया गया था। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के मुताबिक 10 नवंबर 2023 से इन्सैट-3डीएस के वाइब्रेशन टेस्ट शुरू हो गए थे। यह 6-चैनल इमेजर और 19-चैनल साउंडर के जरिए मौसम से जुड़ी जानकारी देगा। साथ ही सर्च और रेस्क्यू के लिए जमीनी डेटा और मैसेज रिले करेगा।

2274 किलोग्राम वजनी सैटेलाइट एक बार चालू होने के बाद अर्थ साइंस, मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी), मौसम पूर्वानुमान केंद्र और भारतीय राष्ट्रीय केंद्र के तहत विभिन्न विभागों को सेवा प्रदान करेगा। 51.7 मीटर लंबा रॉकेट इमेजर पेलोड, साउंडर पेलोड, डेटा रिले ट्रांसपोंडर और सैटेलाइट एडेड सर्च एंड रेस्क्यू ट्रांसपोंडर ले जाएगा। जिनका उपयोग बादल, कोहरे, वर्षा, बर्फ और उसकी गहराई, आग, धुआं, भूमि और समंदरों पर स्टडी के लिए किया जाएगा।

10 साल मौसम की सटीक जानकारी देगा

विदेशी एजेंसियों पर निर्भरता कम की

इन्सैट-3डीआर से मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने में मदद मिल रही है। यह सैटेलाइट 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई से हर 26 मिनट में पृथ्वी की तस्वीरें खींच रहा है। साथ ही रेडिएशन, समुद्री सतह के तापमान, बर्फ की सतह, कोहरे की भी जानकारी देता है। यह जमीन से 70 किमी तक ऊंचाई तक टेम्परेचर नाप रहा है। इसने विदेशी एजेंसियों पर भारत के मौसम विभाग की निर्भरता कम की है।

अगले सप्ताह भारत दौरे पर आएंगे ग्रीक पीएम रायसीना डायलॉग में होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर ग्रीक प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस 21-22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। उनसे साथ वरिष्ठ अधिकारी और एक उच्चाधिकार प्राप्त व्यापार प्रतिनिधिमंडल भा शामिल होंगे। पीएम मित्सोटाकिस दिल्ली में नौवें रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता होंगे। एथेंस वापस से पहले वह मुंबई का दौरा भी करेंगे।

15 साल के अंतराल के बाद ग्रीक के किसी प्रधानमंत्री की यह पहली भारत यात्रा होगी। पिछले साल अगस्त में पीएम मोदी ने ग्रीस का दौरा किया था, जहां दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। विदेश मंत्रालय से जारी बयान में कहा गया।

गुजरात में 2 आईपीएस, 3 डीएसपी समेत 19 पर एफआईआर

> किडनैपिंग का 9 साल पुराना मामला, सुप्रीम कोर्ट के स्टे-ऑर्डर हटाने के बाद हुई कार्रवाई

अहमदाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात में 9 साल पुराने किडनैपिंग और जबरन वसूली के एक मामले में 6 पुलिस अफसरों समेत 19 लोगों के खिलाफ सीआईडी ने एफआईआर दर्ज की है। इनमें दो रिटायर्ड आईपीएस, 3 डीएसपी, एक सब-इंस्पेक्टर और कच्छ के इलेक्ट्रोथर्म कंपनी के डायरेक्टर्स और कर्मचारियों के नाम शामिल हैं।

सीआईडी के मुताबिक, कच्छ जिले के गांधीधाम के रहने वाले परमानंद सीरवानी ने दिसंबर 2015 में इलेक्ट्रोथर्म कंपनी के अधिकारियों और 11 लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी। पुलिस ने इस पर कार्रवाई नहीं कि तो सीरवानी ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने 10 अक्टूबर 2019 को इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था, लेकिन आरोपी तब सुप्रीम कोर्ट से स्टे ऑर्डर ले आए थे। 16 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश से रोक हटा ली। इसके बाद 19 लोगों के खिलाफ कच्छ सीआईडी ने एफआईआर दर्ज की। शिकायतकर्ता परमानंद शिरवानी ने अपनी याचिका में लिखा है कि वे 2011 में कच्छ की इलेक्ट्रोथर्म कंपनी में काम करते थे। कुछ समय बाद उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन, कंपनी नहीं चाहती थी कि वे नौकरी छोड़ें। कंपनी के मालिकों शैलेश भंडारी और अनुराग भंडारी इस्तीफा लेने से इनकार करते रहे। इसके बाद कंपनी मालिकों ने उन्हें भरोसे में लेकर कंपनी का डायरेक्टर बनाने की बात कही। उन्हें अपने नाम पर एक फर्म खोलने के लिए अहमदाबाद बुलाया गया। जब वे अहमदाबाद पहुंचे तो कंपनी के डायरेक्टर्स ने अपने कर्मचारियों की मदद से उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद उन्हें कंपनी के बंगले, ऑफिस, फार्म हाउस समेत अलग-अलग जगहों पर रखा गया।

इस दौरान एक महिला के जरिए उनसे जबर्दस्ती सादे कागजों पर उनकी संपत्ति साइन करवा ली थी।इतना ही नहीं, जान से मारने की धमकी देकर उनके घर से कैश 20 लाख रुपए और 10 लाख रुपए कीमत की ज्वेलरी भी ले ली गई थी। >14

'शीर्ष अधिकारियों को सीधे ज्ञापन भेजने पर कर्मचारी को बर्खास्त नहीं किया जा सकता'

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने शनिवार को जिला अदालत के एक कर्मचारी की बर्खास्तगी को रद्द किया। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा कि चतुर्थ श्रेणी के सरकारी कर्मचारी को सिर्फ इसलिए बर्खास्त नहीं किया जा सकता कि उनसने उचित माध्यम को दरकिनार करते हुए सीधे उच्च अधिकारियों को ज्ञापन भेजे। मामले पर न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति पीके मिश्रा की पीठ सुनवाई कर रही थी।

सरकारी कर्मचारी छत्रपाल को इसलिए बर्खास्त कर दिया गया था, क्योंकि उन्होंने सीधे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल और मुख्यमंत्री सहित उत्तर प्रदेश सरकार के अन्य अधिकारियों को प्रतिवेदन भेजे थे। पीठ ने कहा, चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी आर्थिक संकट के दौरान सीधे वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन दे सकता है। लेकिन, यह अपने आप में इतना बड़ा कदाचार नहीं है, जिसके लिए कर्मचारी को सेवा से बर्खास्तगी की सजा दी जाए। अदालत ने कहा, याचिकाकर्ता ने बरेली की जिला अदालत के अन्य कर्मचारियों का भी उदाहरण दिया है। जिन्होंने सीधे उच्च अधिकारियों को ज्ञापन भेजे, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आधेश को रद्द करते हुए छत्रपाल की सेवा की बहाली का आदेश दिया। >14

शराब घोटाले में सिसोदिया और संजय सिंह को फिर राहत नहीं, बढ़ाई गई कस्टडी

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। शराब घोटाले में सिसोदिया और संजय सिंह को फिर राहत नहीं दी गई है। दोनों की ही हिरासत को आगे बढ़ा दिया गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट की तरफ से आप नेताओं को ये झटका दिया गया है। इससे पहले भी कई बार जमानत के लिए याचिका दायर की गई है, लेकिन हर बार कोर्ट से मायूसी ही हाथ लगी है। अब एक बार फिर कस्टडी बढ़ने से दोनों संजय सिंह और मनीष सिसोदिया की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

पीएम मोदी बोले-हर बूथ पर बढ़ाएं 370 वोट

100 दिनों का जनसंपर्क अभियान चलाएं, 10 साल के कामों का करें प्रचार

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली के भारत मंडपम में बीजेपी के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने पहुंचे। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शॉल पहनाकर मोदी का स्वागत किया। पीएम ने कार्यकर्ताओं से कहा- हर बूथ पर पार्टी को 370 वोट बढ़ाने होंगे।

100 दिनों का जनसंपर्क अभियान चलाना है। भाजपा के पिछले 10 साल के कामों का भी प्रचार करना होगा।

राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी के देशभर से 11 हजार 500 से ज्यादा पदाधिकारी जुटेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की इस बैठक में लोकसभा चुनाव में जीत के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा। साथ ही बीते 10 साल की सत्ता के दौरान लिए गए पार्टी के बड़े और निर्णायक फैसलों पर प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया जाएगा।

पीएम ने कहा कि भाजपा को 370 और एनडीए को 400 पार पहुंचाने का लक्ष्य मात्र एक आकड़ा नहीं है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर को भारत का अटूट एवं अविभाज्य अंग बनाने के लिए बलिदान दिया था। ये उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हर बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता अगले 100 दिन तक पिछली बार मिलें वोटों में कम से कम 370 वोटों बढाएं। उन्होंने कहा कि जो फर्स्ट टाइम वोटर हैं, उन्हें पूरी ताकत से भाजपा के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें। महिलाओं को मात्र वोटर नहीं समझें बल्कि माताओं बहनों का आशीर्वाद प्राप्त करें। पीएम ने कहा कि विपक्ष तू तू मैं मैं की राजनीति करेगा और अनावश्यक आरोपों का कीचड़ उछालेगा। लेकिन हमें गरीब कल्याण के कामों से लेकर विकास की उपलब्धियों के आधार पर जनता का समर्थन हासिल करना है।

नड्डा बोले-हमें पीछे भी जीत दिखी, आगे भी जीत मिलेगी

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा, 7 दशक के भारतीय जनसंघ और भाजपा के इतिहास में हमने हर कालखंड को देखा है,हमने आपातकाल और संघर्ष भी देखा, चुनाव में हारने और जीतने की प्रक्रिया भी देखी लेकिन हम सभी को बहुत खुशी है कि पिछला दशक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उपलब्धियों से भरा हुआ है।

नड्डा ने कहा देश के प्रधान सेवक, जो देश के प्रशासन के कामों में पूर्णतया व्यस्त रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद पार्टी उनकी प्राथमिकता है और वो पार्टी के लिए हमेशा खड़े रहे हैं। पार्टी कैसे आगे बढ़ेगी, हम किस प्रकार से पार्टी को आगे बढ़ा सकते हैं, प्रधानमंत्री जी पल-पल इस बात की चिंता करते हैं। नड्डा ने कहा हमने वो भी समय देखा, जब 1989 में पालमपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था और वहां पास हुआ था कि हम राम मंदिर निर्माण के लिए सभी संभावनाओं की तलाश करेंगे।

कुछ लोगों ने हमारा उपहास किया कि मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन तिथि नहीं बताएंगे। राम मंदिर का निर्माण हुआ, 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री जी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की... आप आए नहीं ये आपके कर्म थे। आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। 2014 से पहले हमारी सिर्फ 5 प्रदेशों में सरकारें थी और लंबे समय तक हम 5-6 पर रूके हुए थे। 2014 के बाद, आज 17 प्रदेशों में एनडीए की सरकारें हैं और 12 प्रदेशों में विशुद्ध भाजपा की सरकार है।

आप सरकार ने बहुमत साबित किया

> देश को बीजेपी से आजादी दिलाएगी आप

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी ने विश्वास मत हासिल कर लिया है। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में देश बीजेपी से आजादी आम आदमी पार्टी ही दिला सकती है। उन्होंने कहा, हर कोई सवाल पूछने लगा है कि आप के खिलाफ इतने लगातार हमले क्यों किए जा रहे हैं।' ऐसा इसलिए क्योंकि अगर पूरे देश में बीजेपी को कोई चुनौती दे रहा है तो वह आम आदमी पार्टी है। शुक्रवार को अरविंद केजरीवाल ने अपनी सरकार को अस्थिर करने की साजिश का आरोप लगाते हुए विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पेश किया था।

'आप है बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती'

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जिस तरह से भाजपा ने आप पर हमला किया और हमारे मंत्रियों को गिरफ्तार किया, देशभर के लोग इस बात से वाकिफ हैं। सीएम ने कहा, उन्हें (बीजेपी) लगता है कि लोग मूर्ख हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। अब पार्कों में चर्चाएं हो रही हैं और लोग पूछ रहे हैं कि क्या पीएम मोदी अरविंद केजरीवाल को कुचलना चाहते हैं? यहां तक कि बच्चे भी यह सवाल पूछ रहे हैं क्योंकि उन्होंने हमारे कई मंत्रियों को गिरफ्तार कर लिया है. हमारे नंबर 2, नंबर 3, नंबर 4 के मंत्री जेल में हैं और बातचीत हो रही है कि जल्द ही नंबर 1 को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि आप पूरे देश में बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

'हमारे विधायकों से संपर्क करने की कोशिश'

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, हमारे विधायकों से संपर्क करने पर हमें पता चला कि उन्होंने हमारे सात विधायकों को तोड़ने की कोशिश की है। इन विधायकों ने आज सदन में कहा कि भाजपा ने उनसे संपर्क किया। हम सबूत कैसे दिखा सकते हैं? कोई व्यक्ति हर समय टेप रिकॉर्डर नहीं रखता है। सीएम केजरीवाल ने आगे कहा, उन्हें लगता है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पार्टी (आप) टूट जाएगी।

ज्ञानपीठ पुरस्कार का ऐलान

गीतकार गुलजार और जगद्गुरु रामभद्राचार्य को मिलेगा सम्मान

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। प्रसिद्ध गीतकार गुलजार और संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य का नाम ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए नामित किया गया है. ज्ञानपीठ चयन समिति ने शनिवार को घोषणा की कि उक्त दोनों को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. दरअसल, गुलजार हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए तो जाने जाते ही ही हैं. साथ ही इस युग के बेहतरीन उर्दू कवियों में से एक भी माने जाते हैं. इससे पहले उन्हें 2002 में उर्दू के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2013 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार, 2004 में पद्म भूषण और कम से कम पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं। वहीं चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक और प्रमुख रामभद्राचार्य एक प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान, शिक्षक और 100 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं।

1950 में यूपी के जौनपुर के खांदीखुर्द गांव में जन्मे रामभद्राचार्य रामानन्द सम्प्रदाय के वर्तमान चार जगद्गुरु रामानन्दाचार्यों में से एक हैं. वह 1988 से इस पद पर बने हुए हैं. वे 22 भाषाएं बोलते हैं और संस्कृत, हिन्दी, अवधी, मैथिली समेत कई भाषाओं के रचनाकार हैं. 2015 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया था। >14

पोन्नाकल में रौंगटे खड़े करने वाली घटना

अज्ञात बदमाशों ने 20 कुत्तों को गोली मार उतारा मौत के घाट

महबूबनगर, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। महबूबनगर जिले के पोन्नाकल में रात को कुछ अज्ञात बदमाशों ने 20 आवारा कुत्तों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं पांच कुत्ते बुरी तरह जख्मी भी हैं। पुलिस को घटना के बारे में शुक्रवार को पता चला। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग से महज दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस गांव में गोलीबारी के बाद लोग काफी डरे हुए हैं।

स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता अदुलापुरम गौतम ने कहा, 'स्थानीय लोगों ने बताया कि आधी रात के बाद कार में कुछ नकाबपोश आए और कुत्तों पर बंदूक से गोलियां चला दीं। इस घटना में लगभग 20-25 कुत्ते मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। हमने इस घटना को लेकर पुलिस अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई है।' पुलिस अधिकारी ने कहा कि अज्ञात बदमाशों की पहचान की जा रही है। शुरुआती जांच में एक प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया है कि कार में आए एक व्यक्ति ने ही अपराध को अंजाम दिया है। पंचायत अधिकारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शस्त्र अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत इस मामले में एफआईआर दर्ज की है।

किसान विरोधी है मोदी सरकारः खड़गे

नई दिल्ली, .17 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार किसान विरोधी है। यह सरकार किसान हितों की लगातार अनदेखी कर रही है। खड़गे ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि कल आंदोलन कर रहे एक किसान की मौत हो गई और तीन किसान रबर बुलेट लगने से आंखों की रोशनी खो बैठे हैं। मोदी सरकार किसानों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दिलाने के लिए वचनबद्ध है। हम किसानों को उनका हक दिलाएंगे।

' गतिशीलता संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार का प्रयास जारी'

सीएम सिद्धारमैया ने कही ये बात

बंगलूरू, .17 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि उनकी सरकार बंगलूरू शहर में गतिशीलता संबंधी चुनौतियों से अवगत है। इसके साथ ही आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे से निपटने के लिए परिणामोन्मुखी और बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ अथक प्रयास कर रही है। कुशल और टिकाऊ परिवहन सिर्फ लक्ष्य नहीं मुख्यमंत्री यहां 'डेक्कन हेराल्ड बंगलूरू विजन 2040 समिट' के तीसरे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुशल और टिकाऊ परिवहन सिर्फ लक्ष्य नहीं है, बल्कि बंगलूरू के लोगों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता भी है। उन्होंने कहा कि बंगलूरू, जो विश्व स्तर पर शीर्ष प्रौद्योगिकी केंद्रों में से एक है, विकास के मामले में हमारे अत्यधिक ध्यान और प्राथमिकता का हकदार है। यह केवल एक शहर नहीं है बल्कि यह नवाचार, विविधता और प्रगति का प्रतीक है।

बंगलूरू वैश्विक ऊंचाइयों को छूता रहे

सिद्धारमैया ने आगे कहा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में वह यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि बंगलूरू बुनियादी ढांचे, जीवन की गुणवत्ता और नागरिक सुविधाओं जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके वैश्विक ऊंचाइयों को छूता रहे। उन्होंने कहा, 'हमारे राज्य की अर्थव्यवस्था का दिल बंगलूरू शहर में है और हमारा दृष्टिकोण विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करके इसे वैश्विक आर्थिक महाशक्ति में बदलना है।'

गतिशीलता चुनौतियों से पूरी तरह अवगत

सीएम ने आगे कहा, 'हम अपने शहर को परेशान करने वाली गतिशीलता चुनौतियों से पूरी तरह अवगत हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम इस मुद्दे को हल करने के लिए परिणाम-उन्मुख और बहु-आयामी दृष्टिकोण के साथ अथक प्रयास कर रहे हैं। कुशल और टिकाऊ परिवहन केवल एक लक्ष्य नहीं है बल्कि यह एक प्रतिबद्धता है जो हम बंगलूरू के लोगों से करते हैं।' उन्होंने कहा कि सरकार की प्रतिबद्धता केवल विकास से परे है, इसमें एक स्वच्छ और हरित शहर का निर्माण शामिल है जो अपने नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करता है।हम सामाजिक-आर्थिक विभाजन को कम करने और समावेशी बुनियादी ढांचा प्रदान करने के अपने संकल्प में दृढ़ हैं जो हर निवासी के जीवन को बेहतर बनाता है।

संविधान के 75 साल हो गए

कर्नाटक में संविधान और राष्ट्रीय एकता सम्मेलन की मेजबानी करने पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा, 'अब हमारे संविधान के 75 साल हो गए हैं। हम इस आंदोलन का जश्न मना रहे हैं। 24 और 25 फरवरी को हम बंगलूरू में 'भारत में संविधान और एकता' संवाद आयोजित करेंगे। इसको लेकर हम बड़ी रैली निकालेंगे। सभी स्कूलों और कॉलेजों में, सभी छात्रों को हमारे संविधान की प्रस्तावना पढ़नी चाहिए। 'सबका साथ सबका विकास' नहीं हो रहा है, क्योंकि संविधान 'सबका साथ सबका विकास' में मदद करेगा।'

बंगालः राशन घोटाला मामले में ममता सरकार का एक्शन

जेल में बंद ज्योतिप्रिय मलिक को मंत्री पद से हटाया

कोलकाता, 17 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाला मामले में संलिप्तता के आरोप में जेल में बंद ज्योतिप्रिय मलिक को वन मंत्री के पद से हटाकर यह विभाग बीरबाहा हांसदा को सौंप दिया है। हांसदा वन एवं स्वयं सहायता-स्वरोजगार समूह (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि मलिक का एक अन्य विभाग सार्वजनिक उद्यम एवं औद्योगिक पुनर्निर्माण ,पार्थ भौमिक को सौंपा गया है। भौमिक सिंचाई एवं जलमार्ग विभाग के प्रभारी मंत्री हैं। अधिकारी ने बताया कि यह फैसला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सलाह के मुताबिक लिया गया है।

राजभवन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने संविधान के अनुच्छेद 166(3) के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए मलिक को तत्काल प्रभाव से मंत्री के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया। पिछले साल अक्टूबर में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित घोटाला मामले में धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत मलिक को गिरफ्तार किया था।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से 9 लोगों की मौत, कई घायल

विरुधुनगर, .17 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में शनिवार को हुए विस्फोट में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, विस्फोट की तीव्रता इतनी जबरदस्त थी कि चार इमारतें और पटाखा फैक्ट्री इस विस्फोट में नष्ट हो गईं। फैक्ट्री का मालिक विजय नाम का एक व्यक्ति था और यह शहर के वेम्बकोट्टई इलाके में स्थित थी। घटना के बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची और घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि मृतकों में महिलाएं भी शामिल हैं और विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। यह घटना वेम्बकोट्टई पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले एक स्थान में हुई। पुलिस के अनुसार, सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। आगे की जांच जारी है। इससे पहले पिछले साल राज्य के कृष्णागिरि में एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद तीन महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

19 साल की उम्र में हुआ इस एक्ट्रेस का निधन

'दंगल' में बनी थीं आमिर खान की बेटी

मुंबई, .17 फरवरी (एजेंसियां)। 'दंगल' फिल्म में आमिर खान की छोटी बेटी बबीता का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस सुहानी भटनागर का निधन हो गया है। एक्ट्रेस मात्र 19 साल थीं और इतनी सी उम्र में ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया है। बताया जा रहा है कि सुहानी भटनागर के पूरे शरीर में फ्लूइड जमा हो गया था। कुछ समय पहले सुहानी का एक्सीडेंट हो गया था, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था।

इलाज के दौरान उन्होंने जो दवाएं लीं, उसके रिएक्शन की वजह से धीरे-धीरे उनके शरीर में फ्लूइड जमा होने लगा, जिसकी वजह से वह लंबे समय से बीमार थीं और उनका इलाज एम्स अस्पताल में चल रहा था। लेकिन अफसोस डॉक्टर उन्हें बचा न सके और 17 फरवरी 2024 को सुहानी भटनागर का निधन हो गया। सुहानी भटनागर के निधन से उनका परिवार सदमे में हैं। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

बीजेपी की पंकजा मुंडे के मालिकाना हक वाली शुगर मिल को

पीएफ ऑफिस का नोटिस, क्या है पूरा मामला

मुंबई, .17 फरवरी (एजेंसियां)। प्रोविडेंट फंड (पीएफ) कार्यालय की ओर से बीजेपी नेता पंकजा मुंडे के स्वामित्व वाली वैद्यनाथ शुगर मिल को नोटिस भेजा गया है। यह नोटिस मिल में काम करने वाले कर्मचारियों के पीएफ के बकाया 61 लाख 47 हजार रुपये का भुगतान न करने पर भेजा गया है। बीते दिनों इसी वैद्यनाथ सहकारी शुगर मिल को 19 करोड़ रुपये की चीनी पर जीएसटी न चुकाने के मामले में नोटिस जारी किया गया था। उसके बाद सेंट्रल जीएसटी कमिश्नरेट ने फैक्ट्री पर बड़ी कार्रवाई की और उसकी संपत्ति जब्त कर ली थी।

पानी की कमी के कारण बंद है फैक्ट्री

चीनी फैक्ट्री पानी की कमी और सूखे के कारण पिछले कई महीनों से बंद है। महाराष्ट्र के बीड स्थित इस शुगर मिल की शुरुआत बीजेपी के दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे ने की थी। इसका उद्देश्य मराठवाड़ा के गन्ना किसानों को इसका फायदा पहुंचाना था। गोपीनाथ मुंडे के देहांत के बाद पंकजा मुंडे इस चीनी मील की अध्यक्ष बनी। पिछले कुछ सालों में फैक्ट्री पर कई बैंकों से लोन लिए गए थे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का भी लोन शामिल

इसमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का भी 203 करोड़ 69 लाख रुपये का लोन भी शामिल है। इस मामले में बैंक ने नोटिस जारी कर फैक्ट्री की नीलामी के लिए विज्ञापन भी दिया है। इसे पंकजा मुंडे के लिए राजनीतिक तौर पर बड़ा झटका माना जा रहा है।

धनंजय मुंडे ने की थी मदद की पेशकश

पिछले साल पंकजा मुंडे को जीएसटी नोटिस मिलने पर धनंजय मुंडे ने कहा था, "मैं पंकजा ताई से बात करूंगा। अगर वह अपनी सहमति दे देती हैं, तो मैं उनकी हर संभव तरीके से मदद करने को तैयार हूं।" वहीं, पंकजा मुंडे ने चीनी मिल के खिलाफ कार्रवाई पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा था कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर सरकार ने वित्तीय सहायता दी होती, तो ऐसी स्थिति नहीं आती।उन्होंने कहा कि कोविड महामारी और सूखे के कारण वित्तीय संकट पैदा हो गया, लेकिन उन्होंने गन्ना किसानों का बकाया चुकाने को प्राथमिकता दी।

पंजाब में गलती से बॉर्डर क्रॉस कर भारत में आ गया पाकिस्तानी शख्स, बीएसएफ जवानों ने पकड़ा

नई दिल्ली, .17 फरवरी (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुरदासपुर जिले के ठाकुरपुर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर को क्रॉस करने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी नागरिक अनजाने में भारतीय क्षेत्र में घुस आया था और उसके पास से कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। बीएसएफ ने आगे की जांच के लिए पकड़े गए व्यक्ति को पंजाब पुलिस को सौंप दिया है। फिलहाल पंजाब पुलिस जांच में जुटी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शख्स की पहचान मुहम्मद अब्दुल्ला के तौर पर हुई है। वह डढ़वाल डाकघर, कोट नैना, शकरगढ़, जिला नरोवाल, पाकिस्तान का रहने वाला है।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सीएम विजयन पर साधा निशाना

बोले- हर किसी का करना चाहते हैं शोषण

एर्नाकुलम, .17 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पी। विजयन के कहने पर स्टूडेंट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआइ) उनके खिलाफ काले झंडे के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहा है। एसएफआइ ने गुरुवार को आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। एसएफआइ का आरोप है कि राज्यपाल राज्य में विश्वविद्यालयों के चांसलर के रूप में अपने अधिकार का उपयोग करके, केरल के विभिन्न विश्वविद्यालयों में 'भाजपा-आरएसएस के उम्मीदवारों' को आगे बढ़ा रहे हैं। केरल के राज्यपाल ने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री एसएफआइ को विरोध प्रदर्शन के लिए कह रहे हैं,

वहीं दूसरी तरफ, वह यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को तैनात करते हैं कि प्रदर्शनकारी मेरे पास न आएं। क्योंकि वह जानते हैं कि अगर उन्होंने मुझे छुआ, तो परिणाम क्या होंगे? वह हर किसी का शोषण करना चाहते हैं। विजयन को अहसास होना चाहिए कि मैं डरूंगा नहीं, लेकिन जिस तरह से वह पुलिसकर्मियों को परेशान कर रहे हैं और युवाओं का शोषण कर रहे हैं, उससे मुझे दुख होता है।

शिवमोगा में शोरूम में लगी भीषण आग, धू-धू कर जलीं छह कारें; कई मीटर तक दिखीं लपटें

शिवमोगा, .17 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के शिवमोगा में देर रात एक कार शोरूम में भीषण आग लग गई। आग इतनी ज्यादा थी कि छह कारें जलकर खाक हो गईं। आग के दृश्य इतना भयानक था कि आउटलेट के अंदर खड़ी कारें देखते देखते नष्ट हो गईं, क्योंकि पूरे शोरूम को आग की बड़ी लपटों ने घेर लिया था। जिला अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक घटना रात करीब 10 बजे की है। सूचना मिलने पर चार दमकल गाड़ियों की टीम और अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का काम शुरू किया। जिला अग्निशमन अधिकारी महालिंगप्पा ने कहा कि हमें रात करीब 10 बजे आग लगने की सूचना मिली। चार दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है।

पुलवामा के शहीद को भूली एमपी सरकार

हाईकोर्ट ने चीफ सेक्रेटरी से मांगा जवाब

भोपाल, .17 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य शासन से पूछा है कि पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवान अश्विनी काछी के परिवार से किया वादा क्यों पूरा नहीं किया गया? चीफ जस्टिस रवि मलिमठ और जस्टिस विशाल मिश्रा की खंडपीठ ने प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह निर्धारित की गई है। दरअसल, स्थानीय अखबारों में एक खबर प्रकाशित हुई थी, जिसमें बताया गया कि पुलवामा के शहीद अश्विनी काछी के परिवार ने उनकी प्रतिमा स्वयं के व्यय पर स्थापित की है।

शहीद में भाई सुमंत काछी और भतीजी प्रियंका काछी ने बताया कि प्रतिमा के निर्माण में साढ़े छह लाख रुपये व्यय हुए थे। अंतिम संस्कार और प्रतिमा अनावरण के समय प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने शहीद के नाम पर स्कूल और प्रतिमा स्थल पर पार्क बनाने की घोषणा की थी। यह घोषणा अभी तक पूरी नहीं हुई है।

बुधवार को थी पुलवामा हमले की पांचवीं बरसी

इस संबंध में प्रकाशित खबर को संज्ञान में लेते हुए हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई जनहित याचिका के रूप में करने के निर्देश दिए थे। खबर में यह भी बताया गया कि शहादत दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कोई प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि शिरकत करने नहीं आता है। पुलवामा हमले की पांचवीं बरसी पर बुधवार (14 फरवरी) को शहीद की प्रतिमा में माल्यार्पण करने परिजनों के साथ सेना के अधिकारी और गांव के लोग पहुंचे थे। परिजनों ने शहीद की याद में कन्या भोज का आयोजन भी किया था।

सरकार और प्रशासन की ओर से जो वादा किया गया था, उसे पूरा नहीं किया गया। इतना ही नहीं, सरकार द्वारा परिजनों को जो आवास दिया गया है, उसकी दशा भी दयनीय है। सरकार ने पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवान अश्विनी काछी के परिवार को किया वादा नहीं निभाया तो हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि विजय कुमार मलिमठ और जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

'आप उम्मीद नहीं कर सकते'

कमलनाथ के कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के बीच दिग्विजय सिंह का बड़ा बयान

भोपाल, .17 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लग रही हैं। इस बीच कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर दिग्विजय सिंह का जवाब आया है। उन्होंने कहा कि कल रात मेरी कमलनाथ से बातचीत हुई है। वह छिंदवाड़ा में हैं और वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने अपना राजनीतिक करियर नेहरू-गांधी परिवार के साथ शुरू किया था। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि आप उस व्यक्ति से सोनिया गांधी और इंदिरा गांधी के परिवारों को छोड़ने की उम्मीद नहीं कर सकते, जो दोनों परिवारों के साथ शुरू से रहा हो।

भाजपा नेता ने दिए संकेत

हाल ही में मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कमलनाथ को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का जो नेता पार्टी में परेशान है, वो भाजपा में आ सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर कमलनाथ के भी दिल में दर्द हो तो उनका भी स्वागत है। वीडी शर्मा ने कहा कि कई कांग्रेस नेता उनके आलाकमान के राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में न जाने से नाराज हैं और पार्टी में परेशान हैं। इससे पहले कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए, पूर्व विधायक दिनेश अहिरवार और विदिशा से कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश कटारे 12 फरवरी को भाजपा में शामिल हो गए थे।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर के स्पष्टीकरण पर 19 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

चंडीगढ़, .17 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को रिटर्निंग ऑफिसर अनिल मसीह द्वारा चंडीगढ़ मेयर चुनाव में मतपत्रों को विकृत किए जाने को लेकर दिए गए स्पष्टीकरण पर सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की वेबसाइट में प्रकाशित वाद सूची के मुताबिक चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में शीर्ष न्यायालय इंडिया गठबंधन से मेयर पद के उम्मीदवार कुलदीप कुमार की याचिका पर सुनवाई करेगा। कुमार ने पीठासीन अधिकारी पर मतगणना के दौरान धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप लगाए। इससे पहले शीर्ष न्यायालय ने अधिकारियों को 19 फरवरी को अदालत में अपने व्यवहार की व्यख्या करने के लिए प्रस्तुत होने को कहा था। इससे पहले पांच फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था,

"सुनवाई के दौरान अदालत में वीडियो चलाया गया था। रिटर्निंग ऑफिसर को अपने आचरण को स्पष्ट करने के लिए लिस्टिंग की अगली तारीख पर इस अदालत के समक्ष उपस्थित रहना होगा जैसा कि वीडियो में दिखाई देता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने आम पार्षद की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा उपलब्ध कराए गए सीसीटीवी फुटेज को देखने के बाद कहा, "यह लोकतंत्र का मजाक है। यह लोकतंत्र की हत्या है। क्या यह एक रिटर्निंग ऑफिसर का व्यवहार है, जो कैमरे की ओर देखकर बैलेट को विकृत कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह शख्स बैलेट को विकृत कर रहा है।

इस शख्स को दंडित किया जाना चाहिए।" वहीं, निगम की बैठक को 7 फरवरी के लिए टालते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि चुनाव संबंधित पूरा वीडियो, बैलेट पेपर, वीडियोग्राफी फुटेज पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल की हिरासत में जब्त कर लिया जाएगा। कोर्ट ने कहा, प्रथमदृष्टया, इस स्तर पर, हमारा मानना है कि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता और पवित्रता की रक्षा के लिए एक उचित अंतरिम आदेश की आवश्यकता थी, जिसे पारित करने में उच्च न्यायालय विफल रहा है। वहीं, आप और कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार कुलदीप कुमार ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा 30 जनवरी को मेयर पद के लिए हुए चुनावी नतीजों पर रोक लगाए जाने के बाद शीर्ष न्यायालय में याचिका दाखिल की है।

उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी याचिका में कुलदीप कुमार ने अभ्यास और नियमों को पूरी तरह से छोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि पीठासीन अधिकारी ने पार्टियों के उम्मीदवारों को वोटों की गिनती की निगरानी करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। उन्होंने उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख में स्वतंत्र

अब लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं रामदास अठावले

इन दो सीटों का लिया नाम

बेंगलुरु , 17 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के अध्यक्ष राम दास अठावले ने लोकसभा चुनाव में मैदान में उतरने की अपनी दावेदारी पेश कर दी है। उन्होंने 17 फरवरी (शनिवार) को बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी का लोकसभा में एक भी सदस्य नहीं है। मैं शिरडी या सोलापुर से लोकसभा चुनाव लड़ने की सोच रहा हूं। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस मामले में जेपी नड्डा, अमित शाह और पीएम मोदी से चर्चा करूंगा। आरपीआई नेता और केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कहा, 'मेरी पार्टी का लोकसभा में एक भी सदस्य नहीं है। मैं शिरडी या सोलापुर से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की सोच रहा हूं। मैं लोकसभा में आना चाहता हूं। मैं इस बारे में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और पीएम मोदी से चर्चा करूंगा, इसके बाद फैसला लूंगा।'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

दया मनुष्य का स्वभाविक गुण है।

रेल यात्रियों को लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

छह आरोपी गिरफ्तार, 67 मोबाइल फोन बरामद

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन जीआरपी स्टाफ ने रेलवे यात्रियों के सेल फोन, लैपटॉप की चोरी करने वाले महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों के एक अंतरराज्यीय गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास एक लैपटॉप, 67 मोबाइल एवं 10 हजार रुपए बरामद किए गए हैं। बरामद संपत्ति 10 लाख रुपये की बताई जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, रेलवे एवं सड़क सुरक्षा, तेलंगाना महेश एम भागवत ने बताया कि विश्वसनीय सूचना पर बी साईश्वर गौड, आईआरपी, एम ए मजीद एसआईआरपी, डी रमेश एसआईआरपी ने आरपीएस सिकंदराबाद की अपराध टीम और आरपीएफ स्टाफ के साथ छह आरोपियों को पकड़ा है। वे प्लेटफार्म नंबर 1, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के काजीपेट छोर की ओर जो संदिग्ध तरीके से घूम रहे थे। पूछताछ पर उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ महीनों से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन की सीमा में भोले-भाले यात्रियों की जेब काटकर मोबाइल चोरी, लैपटॉप चोरी आदि की वारदातों को अंजाम दिया है। इसके बाद, वे चोरी की गई लूट को बाद में निपटाने के लिए अपने कुछ सहयोगियों के साथ छिपा देते थे। वे ट्रेनों में यात्रा करते समय और ट्रेनों में चढ़ते समय निर्दोष और अकेले लोगों को निशाना बना रहा है। बीते 30 दिसंबर को आरोपी व्यक्ति धीमी गति से चलने वाली ट्रेनों में यात्रियों से कीमती सामान लूटने के लिए लाठियों के साथ लालागुडा रेलवे स्टेशन के बाहरी हिस्से में गए। उन्होंने देखा कि एक पुरुष यात्री स्टेशन पर खड़ा था। गुंटूर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच के कोच के दरवाजे पर हाथ में मोबाइल फोन पकड़कर दरवाजा खोला, जो सिकंदराबाद से लालागुड़ा की ओर धीरे-धीरे बढ़ रही थी। इसी बीच आरोपियों ने यात्री के हाथ पर डंडे से प्रहार किया, जिससे वह फिसल गया और मोबाइल फोन समेत ट्रेन से नीचे गिर गया, इसके बाद आरोपियों ने यात्री से मोबाइल फोन लूट लिया और वहां से भाग निकले। इसी क्रम में 10 फरवरी को सुबह, आरोपी व्यक्ति अपराध करने के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर आए। वहां से लैपटॉप बैग चुरा लिया और रेलवे स्टेशन से बाहर चले गए। तीसरी वारदात में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर आए और देखा कि एक पुरुष व्यक्ति प्लेटफार्म नंबर एक पर अपने सिर के नीचे बैग रखकर सोया हुआ था। इसी बीच आरोपियों ने उस यात्री की जानकारी के बिना बैग चोरी कर ली और तुरंत रेलवे स्टेशन से बाहर चले गये। इस मामले में एसएचओ ने क्राइम स्टाफ के साथ सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और उसके आसपास संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी और आखिरकार अपराधियों को सिकंदराबाद स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियो में बी. चैतन्यनिवासी तुक्कुगुडा, हैदराबाद, मोहम्मद रिजवान हुसैन निवासी निवासी येलारेड्डी गुडा, अमीरपेट, हैदराबाद, माणिक प्रकाश तेलंग्या उर्फ बालू निवासी ईस्ट गांधी नगर, रामपल्ली एक्स रोड, नागाराम, मेडचल, योगी शंकर यादव निवासी , सुखदेव नगर, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, नादिकुडी माणिक्यम निवासी गणेश नगर कॉलोनी, कांटेदान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद, सुरेंद्र सिंह राजपूत निवासी बोल्लिगुडा, अफजलगंज, हैदराबाद शामिल हैं। जबकि रिसीवर गणेश दिलीप पाटिल निवासी एरंडोल गांव और मंडल, जलगांव जिला, महाराष्ट्र फरार हैं। श्री भागवत व शेख सलीमा, रेलवे पुलिस अधीक्षक सिकंदराबाद ने आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम की सराहना करते हुए पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

जुपल्ली ने विधायक पद से हरीश राव के इस्तीफे की मांग की

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उत्पाद शुल्क और पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने मांग की है कि पूर्व मंत्री हरीश राव यह जिम्मेदारी लेते हुए अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दें कि कालेश्वरम परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। बीआरएस नेता कह रहे हैं कि बीआरएस शासन के दौरान कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ था। पूर्व मंत्री हरीश राव को बताना चाहिए कि सिंचाई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान कोई भ्रष्टाचार हुआ था या नहीं।

उन्हें अपनी आत्म-चेतना के अनुसार तुरंत विधायक पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सिंचाई परियोजनाओं पर श्वेत पत्र पर बहस में हिस्सा लेते हुए मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना पर लोग बीआरएस नेताओं की बातों पर विश्वास करने की स्थिति में नहीं हैं और केवल जोर से बोलने से झूठ सच नहीं बन सकता।

निविदा के स्तर पर बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं और कुछ ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कम लागत वाली निविदाएं दी गईं। यह बहुत अजीब था कि सभी ठेकेदारों ने 1,80,000 करोड़ रुपये के टेंडर के लिए बुलाए गए 300 टेंडरों में से एक प्रतिशत से भी कम कोट किया था।

शासकीय जमीनों के हस्तांतरण में लेनदेन पर जांच जारी

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में बड़े पैमाने पर सरकारी जमीनों के हस्तांतरण की जानकारी मिलने के बाद राजस्व विभाग संदिग्ध लेनदेन की जांच कर रही है। करोडो रुपये की जमीनों के अधिकार जारी करने के संबंध में पूछताछ की जा रही है। आरोप है कि कुछ लोगों ने धरणी पोर्टल में खामियों का फायदा उठाकर हैदराबाद के आसपास के जिलों में कीमती जमीनें हड़प ली हैं। राजस्व विभाग नियमों का उल्लंघन कर की गई रजिस्ट्री और मालिकाना हक हस्तांतरण का पता लगाने के लिए लेनदेन की जांच कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों और कानून के जानकार लोगों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। धरणी पोर्टलों में लेनदेन के साथ-साथ वे स्टाम्प-पंजीकरण विभाग द्वारा किए गए पंजीकरणों के लॉग को भी खींच रहे हैं। रंगारेड्डी और मेडचल मल्काजीगिरी जिलों में कई जगहों पर एक एकड़ जमीन की कीमत 25 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ लोगों ने सरकारी जमीनों को पट्टा भूमि में बदल दिया है।

राजस्व अधिकारियों ने संदिग्ध सर्वेक्षण नंबरों को जोड़ने वाले दस्तावेजों पर ध्यान केंद्रित किया। यह संदेह है कि धरणी के माध्यम से कुछ लेनदेन में स्वामित्व अधिकारों का गुप्त आदान-प्रदान हुआ है। राजस्व टीमें इस दृष्टिकोण से भी जांच कर रही हैं कि कहीं कुछ लोगों ने पट्टे की जमीन के साथ सरकारी जमीन पर भी कब्जा तो नहीं कर लिया है। हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल मल्काजगिरी जिलों में सरकारी भूमि रिकॉर्ड का गहराई से अध्ययन किया जा रहा है। धरणी से पहले और बाद में लेनदेन किए जाते हैं। बताया गया है कि रात भर के लेनदेन से पोर्टल बैकअप में मौजूद जानकारी निकाली जा रही है। राजस्व अधिकारियों के संज्ञान में आया है कि कुछ स्थानों पर शासकीय भूमि के सर्वे नंबरों में रकबा का अधिकार जारी कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, यह ज्ञात हुआ कि संबंधित सर्वेक्षण संख्या भूमि प्रशासन के मुख्य आयुक्त विभाग द्वारा फ्रीज (अवरुद्ध) कर दी गई है। बताया गया है कि भविष्य में पंजीकरण और म्यूटेशन को रोकने के लिए संदिग्ध सर्वेक्षण नंबरों को फ्रीज किया जा रहा है। मालूम हो कि रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद मंडल में भी कुछ जमीनों के सर्वे नंबर 'अवरुद्ध' कर दिए गए हैं। बताया गया है कि राजस्व विभाग द्वारा नियुक्त विशेष अधिकारियों ने 150 से अधिक प्रमुख दस्तावेजों की जांच पूरी कर ली है। ऐसा लगता है कि अधिकारियों ने नियमों के विरुद्ध भूमि हस्तांतरण, जहां सरकारी भूमि है, वहां अनापत्ति दस्तावेज (एनओसी) जारी करने जैसी प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया है।

राजस्व विभाग ने पहले से ही मेडचल-मलकाजगिरी जिला कलेक्टरेट में हुए कई लेनदेन पर ध्यान केंद्रित किया है। वे पता लगा रहे हैं कि इसमें जिले के उच्चाधिकारी किस हद तक शामिल हैं। यह पता चला है कि विशेष अधिकारियों ने यह जानकारी एकत्र की है कि धरणी संचालकों द्वारा किए गए लेनदेन किसके हैं और उनके पीछे कौन है। यह देखा गया है कि पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहले, रंगारेड्डी और हैदराबाद जिलों के कई मंडलों में भूमि स्वामित्व अधिकारों पर स्पष्टता प्राप्त करने और पासबुक जारी करने जैसी घटनाएं हुईं, जो पुराने समय से विवाद में हैं। संदेह है कि रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद, राजेंद्रनगर और मेडचल जिले के समीरपेट इलाकों में कुछ राजस्व गांवों को रातों-रात मालिकाना हक जारी कर दिया गया है। मालूम हो कि इन लेनदेन में राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है।

अवैध वसूली करने वाले के खिलाफ शिकायत दर्ज

मदनूर, 17फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल के बडा तडगुर गांव की निवासी एक महिला ने शनिवार को उसी गांव के निवासी एक नेता के खिलाफ अवैध वसूली करने की शिकायत मदनूर पुलिस थाने में दर्ज की है। महिला ने बताया कि नेता ने उसको कुछ माह पहिले आपको डबल बेडरूम की मंजूरी मिली है । लेकिन इस के लिए दस हजार रुपये देना पडेगा ऐसा कह कर पैसे वसूल किए। लेकिन महिला को न तो रसीद दी और न ही घर। इस कारण महिला ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज की है। आगे की जांच पुलिस कर रही है।

सीताक्का ने मेडारम मंदिर में आरटीसी बेस कैंप का उद्घाटन किया

मेडारम, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राजमंत्री सीताक्का ने शनिवार को श्री सम्मक्का सरलम्मा जतारा के अवसर पर भक्तों की सुविधा के लिए मुलुगु जिले के मेदाराम मंदिर में स्थापित टीएसआरटीसी बेस कैंप का उद्घाटन किया। चूंकि द्विवार्षिक सम्मक्का सरलम्मा जतारा 21 से 24 फरवरी तक आयोजित होने वाला है, इसलिए राज्य सरकार सभी प्रकार के उपाय शुरू कर रही है ताकि भक्तों को मेले के दौरान किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बताया कि इसकी व्यवस्था के तहत 55 एकड़ क्षेत्र में अस्थायी बस स्टैंड के साथ एक बेस कैंप स्थापित किया गया है और बेस कैंप में 7 किमी की लंबाई के साथ 50 कतार लाइनें बनाई गई हैं। मंत्री ने कहा कि निगम श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 6,000 विशेष बसें चला रहा है और कहा कि लगभग 15,000 आरटीसी कर्मचारी जतारा के लिए काम कर रहे हैं। सीताक्का ने कहा, कर्मचारियों के लिए पर्याप्त विश्राम कक्षों की व्यवस्था की गई है और सभी व्यवस्थाएं ठीक हैं।

यह कहते हुए कि कांग्रेस सरकार महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा प्रदान कर रही है, उन्होंने कहा कि महिलाएं बिना एक पैसा खर्च किए मेडारम की यात्रा कर सकती हैं। कार्यक्रम में मुलुगु कलेक्टर इला त्रिपाठी, एसपी सबरीश, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीजा, आरटीसी करीमनगर जोन के ईडी रघुनाथ राव, इटुरुनगरम एएसपी संकीर्थ और अन्य उपस्थित थे।

अंडमान निकोबार पोर्ट ब्लेयर नगर निगम की टीम ने जीएचएमसी का दौरा किया

आयुक्त ने टीम को विभिन्न प्रकार की जानकारी दी

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि हैदराबाद शहर के नियोजित विकास को लागू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। स्वच्छता सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए अंडमान निकोबार पोर्ट ब्लेयर नगर निगम की टीम शनिवार को हैदराबाद पहुंची। इस मौके पर उन्होंने जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने जीएचएमसी में क्रियान्वित किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी ली और विवरण जाना। आयुक्त ने अध्ययन दल के साथ बैठक की।क्षइस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि हैदराबाद शहर का विकास स्वच्छता प्रबंधन, हरियाली बढ़ाने, नगर नियोजन और इसे एक स्वच्छ और हरित शहर बनाने पर केंद्रित रहा है। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों ने पोर्ट ब्लेयर नगर परिषद टीम को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से शहर के विकास के लिए किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया।ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना प्रबंधन के अंतर्गत डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण, पृथक्करण, सी एंड डी अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, अपशिष्ट पुनर्चक्रण सामग्री, गीले कूड़े से खाद बनाना आदि के बारे में उन्हें पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया गया। उन्होंने बताया कि स्वच्छ ऑटो द्वारा प्रतिदिन शहर में घर-घर से कूड़ा संग्रहण किया जाता है तथा प्रतिदिन 7500 मीट्रिक टन कूड़ा एकत्रित कर जवाहर नगर डंप यार्ड में ले जाया जाता है तथा उससे वर्मीकम्पोस्ट बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वे प्यारा नगर में एक और डंप यार्ड तैयार कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि दो निर्माण अपशिष्ट (सी एंड डी) संयंत्र स्थापित किए गए हैं और दो और संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्हें समझाया गया कि शहर भर से निकलने वाले सीएंडडी वेस्ट को समय-समय पर रिसाइकल करने के लिए शहर के चारों तरफ व्यवस्थित किया गया है। शहर के विकास के लिए राज्य सरकार के सहयोग से फ्लाईओवर, सड़कें, अन्य बुनियादी ढांचे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में ऊपर बताया गया है। अन्नपूर्णा योजना, आधुनिक वैकुंठधाम, बहुउद्देशीय समारोह हॉल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के बारे में बताया गया। उन्होंने जीएचएमसी सेनेटरी जवानों को मिलने वाले वेतन और सुविधाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में अन्नपूर्णा भोजन योजना के माध्यम से पांच रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और शहर में 139 केंद्रों के माध्यम से प्रतिदिन 30,000 लोगों को अन्नपूर्णा भोजन परोसा जा रहा है। गरीबों के स्वास्थ्य के संबंध में जीएचएमसी के अंतर्गत 284 बस्ती डिस्पेंसरियां कार्यरत हैं, आय के स्रोत कैसे उत्पन्न होते हैं तथा आय-व्यय का ब्यौरा उन्हें समझाया गया। टाउन प्लानिंग, नई टीडीआर नीति, सड़क घुमावदार कार्यक्रम, हरियाली के लिए किए गए उपाय, शहरी जैव-विविधता, पार्कों का विकास, वृक्ष पार्क, वर्टिकल गार्डन, वैकुंठधामों का निर्माण, कॉलोनी पार्कों की स्थापना, तेलंगाना के लिए हरिताहरम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बाद में पोर्ट ब्लेयर काउंसिल की टीम जवाहर नगर स्थित डंपिंग यार्ड का निरीक्षण करने गयी। पोर्ट ब्लेयर काउंसिल की टीम ने कहा कि हैदराबाद शहर में स्वच्छता प्रबंधन और हरित शहर में किए गए विभिन्न विकास कार्यक्रम अच्छे हैं। ईएनसी जिया उद्दीन, सीई देवानंद, अतिरिक्त आयुक्त सरोजा, डॉ. सुनंदा, पोर्ट ब्लेयर काउंसिल टीम को-ऑर्डिनेटर के. गणेशन, वाइस चेयरपर्सन बी. पद्मनाभम, पार्षद सोमेश्वर राव, वसंता, वाई. जोगाराव, लक्ष्मी गणेशन, करुणानिधि, राजेश राम, राजेश पाल गोविंद, सुदीप रॉय शर्मा, अब्दुल इस्लाम, डी राधिका, वेत्रिवेलु, एलओ सुजीत बालन, धीरज राम और अन्य ने भाग लिया

पूर्व मंत्री निरंजन रेड्डी ने उत्तम कुमार रेड्डी को गलत ठहराया

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व कृषि मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने एक बयान में विधानसभा में वनपर्ती जिले में सरलसागर परियोजना के संबंध में सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी की टिप्पणियों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सरलासागर परियोजना का निर्माण वनपर्थी राजाओं ने किया था, न कि निज़ामी शासकों ने। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि राज्य के सिंचाई मंत्री को यह नहीं पता कि तेलंगाना में कौन सी परियोजना किसने बनाई। यह कांग्रेस के मंत्रियों और पार्टी की समझ का प्रमाण है कि झूठ को विधायिका के साक्षी के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। इसका निर्माण वनपर्ती राज्य पर शासन करने वाले राजाओं में से एक, रामेश्वर राव द्वितीय के समय में सरलादेवी के नाम पर एक तालाब के रूप में किया गया था। इसके निर्माण के लिए रामेश्वर राव द्वितीय ने इंजीनियरों को अमेरिका के कैलिफोर्निया भेजा और अध्ययन के बाद 35 लाख की लागत से शंकरम्मापेटा में इसका निर्माण कराया गया। 15 सितंबर, 1949 को सरला सागर परियोजना की आधारशिला हैदराबाद सेना के तत्कालीन गवर्नर जनरल, जयंतो नाथ चौधरी ने रखी थी। इसकी क्षमता 0.42 टीएमसी थी और इस परियोजना के तहत नौ गांवों को सिंचाई का पानी मिला। 26 जुलाई, 1959 को इसका आधुनिकीकरण किया गया और इसे सरला सागर परियोजना में बदल दिया गया। तत्कालीन पी.डब्ल्यू.डी. स्वास्थ्य राज्य मंत्री जे. वी. नरसिंहराव ने इस परियोजना की शुरुआत की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस परियोजना के निर्माण से निज़ाम राजाओं का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि कांग्रेस के मंत्री विधानसभा में बिना यह जाने बात कर रहे हैं कि किसने कौन सा प्रोजेक्ट बनाया।

केसीआर का जन्मदिन भव्य पैमाने पर मनाया गया

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव का 70वां जन्मदिन शनिवार को राज्य और विदेशों में बड़े पैमाने पर मनाया गया। पार्टी मुख्यालय, तेलंगाना भवन में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के साथ काफी गतिविधि देखी गई।

जश्न की शुरुआत पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा बीआरएस कार्यालय में तेलंगाना थल्ली की प्रतिमा पर माला चढ़ाने से हुई। तेलंगाना विचारक प्रोफेसर जयशंकर को भी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बाद में रामा राव ने पार्टी अध्यक्ष के जन्मदिन समारोह को चिह्नित करते हुए 1000 ऑटो चालकों को 1 लाख रुपये तक

का बीमा कवरेज और 10 विकलांग व्यक्तियों को व्हीलचेयर प्रदान करने वाले बांड की प्रतियां वितरित कीं।

इस अवसर के लिए विशेष रूप से पकाया गया 70 किलो का केक रामा राव ने राज्यसभा सदस्य के केशव राव, मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी, पूर्व मंत्री मोहम्मद महमूद अली, तलसानी श्रीनिवास यादव और वी श्रीनिवास गौड़ की उपस्थिति में काटा।

इस अवसर पर चन्द्रशेखर राव के जीवन पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई, जिसमें उनकी राजनीतिक पारी और तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डाला गया। रामाराव ने वृत्तचित्र बनाने के लिए सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के प्रभारी तलसानी साई किरण यादव को धन्यवाद दिया।

तेलंगाना भवन में आयोजित तेलंगाना आंदोलन के प्रमुख चरणों को दर्शाने वाली एक फोटो प्रदर्शनी इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण बन गई। तलसानी श्रीनिवास यादव और महमूद अली ने इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि बीआरएस उनके साथ खड़ा रहेगा और उनके परिवारों को हमेशा समर्थन देगा।

दुर्घटनाओं में मारे गए 70 बीआरएस श्रमिकों के परिवारों को दुर्घटना बीमा योजना के तहत 2-2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के चेक सौंपे गए। इस कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मधुसूदनचारी, बीआरएस महासचिव सोमा भरत कुमार, वरिष्ठ नेता रावुला चंद्रशेखर रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय, ए.एफ. एस
बेगमपेट न्यू बोइनपल्ली, हैदराबाद 500011

केंद्रीय विद्यालय, ए.एफ.एस बेगमपेट में अंशकालिक संविदात्मक आधार पर पी.जी.टी./टी.जी.टी. / कम्प्युटर इंस्ट्रक्टर्स, कोचेस फॉर स्पोर्ट्स /योगा /डॉक्टर /नर्स /काउंसलर पदों हेतु वाक-इन-इंटरव्यू दिनांक 24 फरवरी 2024, शनिवार को सुबह 9.00 बजे आयोजित है।
अधिक जानकारी हेतु-
बेबसाइट्स - www.begumpetafs.kvs.ac.in
संपर्क सं. 040-27751560

केन्द्रीय विद्यालय पिकेट सिकंदराबाद

वाक-इन-इंटरव्यू

केंद्रीय विद्यालय पिकेट में पीजीटी, टीजीटी (सभी विषय), पीआरटी के संविदा आधारित (अंश कालिक) पदों हेतु शैक्षिक वर्ष 2024-25 के लिए स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी)- अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन, भौतिक, जीवविज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, वाणिज्य, इतिहास, गणित, कंप्यूटर विज्ञान, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी)- हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी), कम्प्यूटर प्रशिक्षक, संगीत एवं नृत्य, खेल प्रशिक्षक, कला और शिल्प प्रशिक्षक, योग प्रशिक्षकों, डॉक्टर, नर्स, काउन्सल, विशेष शिक्षा शिक्षक, पाइप बैंड प्रशिक्षक हेतु साक्षात्कार 24 फरवरी 2024 को आयोजित किये जाएंगे। साक्षात्कार के लिए प्रातः 8.30 बजे से 9.30 बजे तक पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। साक्षात्कार से पहले स्क्रीनिंग होगी।
अधिक जानकारी के लिए https://picket.kvs.ac.in पर देखें।

यूपी में अभी फिर यू-टर्न लेगा मौसम

आईएमडी ने बारिश को लेकर जारी किया अलर्ट

लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश का मौसम फिलहाल सुहावना बना हुआ है। मगर अब सूबे का मौसम जल्द ही करवट ले सकता है। बता दें कि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के लखनऊ केंद्र ने आगामी 19 फरवरी से लेकर 22 फरवरी तक प्रदेश में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई है।

यूपी मौसम विभाग के वरिष्ठ साइंटिस्ट और प्रभारी मोहम्मद दानिश ने बताया कि 19 से 22 फरवरी तक उत्तर प्रदेश में बारिश होने के आसार दिखाई पड़ रहे हैं।

बारिश से तापमान पर पड़ेगा असर?

मौसम विभाग के सीनियर साइंटिस्ट ने आगे बताया कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी 20 से 22 फरवरी तक गरज और चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। उन्होंने बताया हालांकि, बारिश होने से तापमान में कोई खास असर नहीं पड़ेगा। मोहम्मद दानिश बताते हैं कि जिस दिन बारिश होगी उसे दिन का तापमान रोज के तापमान से थोड़ा ठंडा रह सकता है, लेकिन इससे कुछ खास असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि लंबी और ज्यादा तेज बारिश की संभावना नहीं है। मोहम्मद दानिश बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में बारिश होने का कारण पश्चिमी विक्षोभ में डिस्टरबेंस होगा। जिसके कारण बिजली चमकेगी और बादल गरजेंगे। साथ ही वर्षा भी हो सकती है।

किस तारीख को होगी ज्यादा बारिश?

ज्यादा जानकारी देते हुए वैज्ञानिक ने बताया कि 19, 20 और 21 फरवरी की अपेक्षा 22 तारीख को इन दिनों के मुकाबले थोड़ा ज्यादा बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के प्रभारी ने भी बताया कि 19 से लेकर 22 तारीख तक हवा की न्यूनतम गति 4 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी वहीं अधिकतम गति 7 किलो मीटर प्रति घंटा हो सकती है और बीच-बीच में धूप भी निकालती रहेगी। इधर, 22 फरवरी के बाद 24 फरवरी को धूप के साथ-साथ बदल भी आते-जाते रहेंगे।

भाजपा की रैली पर पथराव से मची भगदड़

सहारनपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। गांव पीरमाजरा में भाजपा की रैली पर दूसरे पक्ष ने पथराव कर दिया। जिसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कराया। एसपी देहात सागर जैन का कहना है कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपितों को पकड़ने के लिए टीमें लगा दी गई हैं। गांव के प्रधान खालिद चौधरी के आयोजन में पूर्व मंत्री एवं एमएलसी वीरेंद्र सिंह के बेटे भाजपा नेता मनीष चौहान का एक कार्यक्रम था। कार्यक्रम के तहत गांव में रैली के माध्यम से लोगों से संपर्क करना था। शुक्रवार दोपहर रैली गांव के बाहर से होते हुए खालिद के घर जा रही थी। मनीष चौहान आगे निकल चुके थे। पुलिस के मुताबिक, रास्ते में अचानक एक ट्रैक्टर की साइड एक युवक को लग गई। इसे लेकर रैली में मौजूद और अन्य युवकों में झगड़ा हो गया, जिसमें पथराव भी हुआ। रैली में मौजूद कौसर, तंजीम, जुबैर, मोहसिन, इंतकाम, इसराना, आबिद हसन आदि लोग घायल हो गए। सभी घायलों को गंगोह सीएचसी में भर्ती कराया गया।प्रधान खालिद का आरोप है कि पूर्व प्रधान कार्यक्रम से नाखुश थे। इसलिए उन्होंने अपने समर्थकों से रैली पर पथराव कराया। एसपी देहात सागर जैन फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पूर्व प्रधान इमरान का कहना है कि उन्हें तो रैली के बारे में पता तक नहीं था। आरोप निराधार है। एसपी देहात ने बताया कि वर्तमान प्रधान की तरफ से मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

'हम तो नाम भी दूसरा दे रहे थे,

अब तो देख ही रहे हैं' इंडिया गठबंधन पर नीतीश कुमार का छलका दर्द

पटना, 17 फरवरी (एजेंसियां)। एनसी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और आरएलडी प्रमुख जयंत सिंह की 'इंडिया' से दूरी पर सीएम नीतीश कुमार ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हम तो बड़ी कोशिश किए थे। हम नाम भी दूसरा दे रहे थे। पहले लोग नाराज हो रहे थे। गठबंधन के लिए इस नाम के पक्ष में भी हम नहीं थे क्योंकि मेरे मन में कुछ और था। अब कुछ नहीं चल रहा है। गठबंधन से अलग होने के बाद सब कुछ बात ही दिए थे। अब हम बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं। कितना काम हो रहा है। सीएम ने कहा कि हमने पहले भी कहा कि गठबंधन में ठीक नहीं चल रहा था इसलिए हम लोगों ने छोड़ दिया। आजकल बहुत लोग मेरे खिलाफ हैं वह खिलाफ ही रहे। आगे उन्होंने कहा कि इस बार एनडीए को पिछली बार से ज्यादा संख्या में सीटें मिलेंगी, हमें पूरा भरोसा है। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजधानी पटना में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की पुण्य तिथि कार्यक्रम में शामिल हुए।

लालू यादव के बयान पर सीएम नीतीश की प्रतिक्रिया

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार को लेकर एक बयान दिया था। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि नीतीश कुमार दोबारा 'इंडिया' गठबंधन में आते हैं, तो देखेंगे। इस बयान पर सीएम नीतीश कुमार प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लालू यादव के बयान का कोई मतलब नहीं है। हम लोग इधर आ गए हैं और आराम से काम कर रहे हैं। वहीं, विभाग में गड़बड़ी के आरोप पर उन्होंने कहा कि जो गड़बड़ी हुई है उसकी जांच होगी। चीजें ठीक नहीं चल रही थीं, इसलिए हमने उन्हें (आरजेडी) छोड़ दिया।

स्वामी प्रसाद मौर्य सपा के हैं

और सपा के ही रहेंगे: संदीप पटेल

प्रयागराज, 17 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के विधायक संदीप पटेल ने स्वामी प्रसाद मौर्य के पार्टी से इस्तीफा देने के मामले में बचाव किया है। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य सपा के थे, सपा के हैं और सपा के ही रहेंगे। जो कुछ कमी है, उसे बैठकर समझ लिया जाएगा। विधायक ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से स्वामी प्रसाद मौर्य के गहरे रिश्ते हैं। वह सदैव पीडीए की बात करते हैं। ऐसे में उनका दूसरे दल में जाने का कोई सवाल नहीं है। सपा के मेजा विधायक संदीप पटेल ने स्वामी प्रसाद मौर्य को बताया पीडीए का नेता।

दूसरे दलों ने पिछड़ों और दलितों का हक मारा

उत्तर प्रदेश की टीम से बातचीत के दौरान सपा के विधायक संदीप पटेल ने कहा कि भाजपा समेत कई दलों ने पिछड़ा और दलितों का हक मारा है। आने वाले समय में यही समूह एनडीए को पटखनी देगा। जनता को पता है कि देश में पीडीए की सरकार बनने जा रही है।

'तेजस्वी तो हमारे चार गुलाब जामुन भी नहीं पचा पाए'

ओवैसी ने आरजेडी पर कसा तंज, बोले- बेवकूफ मत बनाइए

किशनगंज, 17 फरवरी (एजेंसियां)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने दो दिवसीय सीमांचल दौरा पर पहुंचने पर पौआखाली मेला मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने तेजस्वी पर उनके चार विधायकों को तोड़ने के लिए तंज भी कसा। तेजस्वी तो हमारे चार गुलाब जामुन भी नहीं पचा पाए:

ओवैसी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सबसे पहले राजद के तेजस्वी यादव पर चुटकी लेते हुए कहा कि उन्होंने सीमांचल इलाके से उनके चार गुलाब जामुन खा लिए लेकिन पचा नहीं पाए। उन्होंने खुले मंच से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ सत्ता का ही लोभ है। इन चार सालों में नीतीश कुमार ने तीन बार पलटी मारा है। वे सीमांचल के साथ-साथ बिहार की जनता को भी गुमराह कर रहे हैं। वोटरों को उन्होंने बेवकूफ बनाने का काम किया है। उन्होंने वर्तमान में जदयू और भाजपा की सरकार बनने का जिम्मेदार तेजस्वी यादव को बताया। उन्होंने कहा कि इल्जाम हम पर लगाया जाता है और धोखा कौन दे रहा है ये जनता देख रही है।

ओवैसी ने पीएम मोदी को भी घेरा

असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अकलियत के साथ हर समय धोखा किया गया है। उन्होंने बिहार के लिए कहा कि यादव, कुर्मी का बड़ा नेता बने तो कोई गुनाह नहीं। यदि अकलियत का नेता उभरता है तो तकलीफ होती है।

उन्होंने अंत में लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक ओवैसी है अकलियतों को न्याय दिलाने का कार्य चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि वे और भी लोकसभा सीट से एआईएमआईएम के प्रत्याशी मैदान में उतारेंगे। कार्यक्रम को अमौर विधायक अख्तरुल ईमान ने भी संबोधित किया। वहीं जनसभा को सुनने काफी संख्या में लोगों की भीड़ पहुंची थी। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा।

'मुझसे गुनाह हुआ तो मैं दिल से माफी मांगता हूं', मौलाना तौकीर रजा का वीडियो हुआ वायरल

बरेली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। मुझे मेरे लोगों ने देवबंदी करार दे दिया, मगर तुम लोग बेईमानी की जिंदगी जीने को मजबूर हो। जन गण मन करने वाले, योग और सूर्य नमस्कार करने वाले लोग हो। शरीयत के खिलाफ काम करते हो। तुम पर कुफ्र (शरीयत के खिलाफ) लागू नहीं होता। क्या सब कुफ्र का ठेका मेरे ऊपर है।' ये बोल इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के हैं। वह ये बातें एक वायरल वीडियो में कह रहे हैं। उनके कार्यालय से पता चला कि यह वीडियो करीब दो सप्ताह पुराना है। वायरल वीडियो में मौलाना कह रहे हैं कि तुम लोग अपने गिरेबां में झांको कि तुमने कितना कुफ्र किया है।

चाचा पशुपति ने भतीजे चिराग की बढ़ाई चिंता

हाजीपुर सीट से चुनाव लड़ने का किया एलान

पटना, 17 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री एवं राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में हाजीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे क्योंकि यह उनका 'अधिकार' है। साथ ही उन्होंने अपने भतीजे एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सहयोगी चिराग पासवान उस दावे को भी खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने (पासवान ने) अपनी मां को हाजीपुर संसदीय क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतारने की बात कही थी। यहां पत्रकारों से बात करते हुए पारस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि हाजीपुर संसदीय सीट के बारे में दूसरे लोग क्या सोच रहे हैं। मैं हाजीपुर से ही चुनाव लड़ूंगा। यह मेरा अधिकार है। मुझे कौन रोक सकता है। वहीं, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष एवं जमुई से सांसद चिराग पासवान द्वारा हाजीपुर से अपनी मां रीना पासवान को चुनावी मैदान में उतारने की योजना के बारे में पूछे जाने पर पारस ने कहा कि मैं एक बार फिर यह दोहरा रहा हूं कि मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि दूसरे इस सीट के बारे में क्या सोच रहे हैं। आप उनसे (चिराग) जमुई संसदीय सीट छोड़ने का कारण क्यों नहीं पूछते। केंद्रीय मंत्री ने चिराग पासवान का नाम लिए बिना कहा कि वह (चिराग) जमुई संसदीय सीट क्यों छोड़ रहे हैं? मैं पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि आगामी लोकसभा चुनाव में वहां (जमुई) और बिहार की किसी भी अन्य सीट से उनकी जमानत जब्त हो जाएगी। आगे उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी एनडीए गठबंधन के पुराने और ईमानदार सहयोगी हैं। अब गठबंधन में बहुत से नए-नए लोग आ गए हैं। उनकी कोई गारंटी नहीं है, लेकिन हम स्थायी सहयोगी हैं। हम एनडीए गठबंधन पर विश्वास करते हैं और एनडीए गठबंधन हम पर विश्वास करता है।

100 का 9,999 में , 20 रुपये का 500 में

खास बताकर ऑनलाइन बेचे जा रहे नए-पुराने नोट, हो सकती है कानूनी कार्रवाई

लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। कई ई-कॉमर्स साइटों पर बैंकिंग नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पुराने और नए नोट महंगे दाम पर बेचे जा रहे हैं। बिक्री के लिए इनकी तमाम खूबियां भी गिनाई जा रही हैं। इन्हें बेहद खास और दुर्लभ बताया जा रहा है। मसलन, 90 के दशक का 100 रुपये का पुराना नोट 8 से 10 हजार में बेचा जा रहा है। इसी तरह 786 सीरीज और आरबीआई के पूर्व गवर्नरों के कार्यकाल के नोट को भी दुर्लभ बताकर महंगे दाम पर बेचा जा रहा है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक वैध मुद्रा की बिक्री अपराध है। ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर जारी प्रेस नोट में साफ लिखा है कि आरबीआई का लोगो देखकर किसी के जाल में न फंसें। रिजर्व बैंक नोटों को लेकर कोई कमिशन, चार्ज या टैक्स नहीं लेता। इसके साथ किसी को भी कमिशन या चार्ज लेने की अनुमति नहीं है।

इसके बावजूद कई ऑनलाइन प्लैटफॉर्म पर पुराने नोट और सिक्के मनमाने दाम पर बेचे जा रहे है। एक ई-कॉमर्स साइट पर 100 का नोट 9,999 रुपये में बिक रहा है। इस नोट को एंटीक और लिमिटेड बताया गया है। इसे ईएमआई पर भी बेचा जा रहा है। 786 के अंक को कई लोग खास मानते हैं। ई-कॉमर्स कंपनियां इसका भी फायदा उठा रही हैं। 786 सीरीज के 20 रुपये के नोट चलन में होने के बावजूद महज सीरीज के चलते 500 रुपये में बेचे जा रहे हैं। इसी तरह 5 का नोट 300 रुपये में बेचा जा रहा है।

पुराने गवर्नर के नाम का भी इस्तेमाल

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास, एस वेंकटरमण, डी सुब्बाराव और सी रंगराजन के हस्ताक्षर वाले 10 और 20 के नोट भी बढ़े हुए दामों पर बेचे जा रहे हैं। इनके लिए 60 से लेकर 150 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। वहीं, पुराने गवर्नर साइन वाले 786 सीरीज होने पर दाम 250 रुपये तक रखा गया है।

पुराने सिक्के और नोट बेचने के नियम

आरबीआई के एक रिटायर्ड बैंक अधिकारी ने बताया कि कानून और भारतीय सिक्का अधिनियम के अनुसार, पुराने या स्पेशल नंबर वाले सिक्के पर आपका ही स्वामित्व है तो इसे मनचाही कीमत पर बेच सकते हैं, लेकिन कोई भी खास तरह के सिक्कों की जमाखोरी नहीं कर सकता। यानी ऐसा नहीं हो सकता कि कोई शख्स हजारों सिक्के जमा कर ले। ऐसा करने पर पांच साल की जेल हो सकती है।

डिमांड में नई गड्डियां

शादी सहित अन्य समारोह के दौरान 5 से लेकर 10, 20, 50 और 100 के नोटों की नई गड्डियों की काफी मांग रहती है। इन्हें भी दो से तीन गुना कीमत पर बेचा जा रहा है। बैंक अधिकारियों के अनुसार नोट का निर्धारित मूल्य से अधिक पर बेचना पूरी तरह गैर कानूनी है। जरूरत होने पर खाताधारक अपने बैंक की शाखा से नए नोट की गड्डियां ले सकते हैं।

खराब सेहत का हवाला देकर वकील ने मांगी अगली तारीख, कोर्ट ने लगा दिया जुर्माना

वाराणसी, 17 फरवरी (एजेंसियां)। ज्ञानवापी के संपूर्ण परिसर का सर्वे कराने की मांग को लेकर दाखिल प्रार्थना पत्र पर वकील के अस्वस्थ होने की बात कह सुनवाई की अगली तारीख मांगने पर अदालत ने एक हजार रुपये का हर्जाना लगाया। अगली सुनवाई 21 को होगी। स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से दाखिल 1991 के मुकदमे में वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी की ओर से संपूर्ण ज्ञानवापी का सर्वे कराने की मांग को लेकर दाखिल प्रार्थना पत्र पर सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक) प्रशांत कुमार सिंह की अदालत में सुनवाई हुई।

अस्वस्थता की वजह से सुनवाई स्थगन की मांग

अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की ओर से आपत्ति दाखिल की गई। वहीं, वादी पक्ष संख्या चार (दिवंगत हरिहर पांडेय) की ओर से उनके बेटों प्रणय कुमार पांडेय व कर्ण शंकर पांडेय ने सुनवाई के लिए अन्य तारीख देने की अपील की। दोनों की ओर से कहा गया कि अस्वस्थता के कारण उनके वकील हरिशंकर जैन दिल्ली से नहीं आ सके।

सुनवाई के स्थगन की मांग का विरोध

विजय शंकर रस्तोगी ने सुनवाई के स्थगन की मांग का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने छह माह में मुकदमे के निस्तारण का आदेश दिया है। इस तरह के स्थगन प्रार्थना पत्र से सुनवाई अनावश्यक रूप से प्रभावित होगी। अदालत ने प्रणय और कर्ण की अपील तो स्वीकार कर ली, लेकिन दोनों पर 1000 रुपया हर्जाना भी लगाया। पं। सोमनाथ व्यास के नाती शैलेंद्र पाठक की ओर से भी इस मुकदमे में पक्षकार बनाने को प्रार्थना पत्र पर दिया गया है। उनके वकील सुधीर त्रिपाठी ने सुनवाई के दौरान यह मुद्दा उठाया।

क्या है मामला

ज्ञानवापी में नए मंदिर के निर्माण और हिंदुओं को पूजा पाठ का अधिकार देने को लेकर स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से पं। सोमनाथ व्यास के साथ पक्षकार रहे दिवंगत हरिहर नाथ पांडेय व रासरंग शर्मा ने 15 अक्टूबर 1991 को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में केस किया था। सात मार्च 2000 को पं। सोमनाथ व्यास का निधन हो गया। उनके स्थान पर पैरवी करने के लिए अदालत ने पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) विजय शंकर रस्तोगी को वादमित्र नियुक्त किया। हरिहर नाथ पांडेय की भी दस दिसंबर 2023 को मृत्यु हो गई थी। 19 जनवरी 2024 को उनके दोनों बेटों ने पिता के स्थान पर मामले में पक्षकार बनने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था।

वाराणसी में न्याय यात्रा: राहुल गांधी ने बाबा विश्वनाथ का लिया आशीर्वाद

बोले- देश में नफरत और डर का माहौल

वाराणसी, 17 फरवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पहुंच चुकी है। आज उनकी यात्रा का यूपी में दूसरा दिन है। यात्रा को शुरू हुए 35 दिन हो चुके हैं। राहुल गांधी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में चौथी बार हाजिरी लगाई। गोदौलिया से रथयात्रा रूट पर पहली बार कोई कांग्रेस नेता राजनीतिक यात्रा करेगा। पं जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी समेत किसी भी नेता ने बनारस में इस रूट पर कोई राजनीतिक यात्रा नहीं की है।

राहुल गांधी बोले- देश में नफरत और डर का माहौल है

वाराणसी में अपनी न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान मैंने कभी नफरत नहीं देखी। यहां तक कि भाजपा और आरएसएस के लोग भी यात्रा में आए। जैसे ही हमारे पास आए। उन्होंने हमसे अच्छे से बात की। यह देश तभी मजबूत होता है। जब हम साथ मिलकर काम करते हैं। देश को एक साथ लाना ही देश के प्रति सच्ची भक्ति है। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश में नफरत और डर का माहौल है।

वाराणसी से कांग्रेस का ऐसा रहा कनेक्शन

देश के पहले प्रधानमंत्री पं। जवाहर लाल नेहरू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का बनारस से गहरा लगाव था। पं। नेहरू ने तो 1910 से 1950 तक बनारस की कई यात्राएं कीं। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनका बनारस आना जाना लगा रहता था। वहीं इंदिरा गांधी ने भी बनारस की राजनीतिक और धार्मिक यात्राएं की थीं। राहुल गांधी के परनाना पं। जवाहर लाल नेहरू पहली बार 1910 में अपने पिता पं। मोतीलाल नेहरू के साथ बनारस आए थे। इसके बाद 1921 में काशी विद्यापीठ के स्थापना समारोह में पहुंचे थे।

इसके बाद 1942 और 1946 में वह बनारस पहुंचे थे। आजादी के बाद बतौर प्रधानमंत्री पं। नेहरू 1950 और 1952 में काशी आए थे। राहुल की दादी व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 1980 के चुनाव की बनारस यात्रा ऐतिहासिक थी। प्रो। सतीश कुमार राय ने बताया कि 31 दिसंबर 1979 की शाम आठ बजे उनकी सभा निर्धारित थी। वह 14 घंटे की देरी से एक जनवरी 1980 को सुबह 10 बजे पहुंचीं। बरसात भरी सर्द बावजूद के बाद भी जनता उनके इंतजार में डटी रही।

इलाहाबाद हाईकोर्ट

'बीटीसी के बराबर नहीं है नर्सरी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र', कोर्ट ने खारिज की अर्जी

प्रयागराज, 17 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नर्सरी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र को बीटीसी (बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट) के बराबर मानने से इनकार किया है। कोर्ट ने अर्जियां खारिज करते हुए कहा कि बीटीसी का पाठ्यक्रम कक्षा 5 तक पढ़ाने के लिए है, जबकि सर्टिफिकेट ट्रेनिंग (शिशु शिक्षा) की पाठ्य सामग्री प्री-स्कूल से कक्षा-2 तक पढ़ाने के उद्देश्य से बनाई गई है। दोनों कोर्स को बराबर नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने बाराबंकी जिले की माला यादव, ममता, बिंदु यादव व अन्य की याचिकाओं को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। याचीगणों ने उप्र बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित प्राथमिक विद्यालयों में 2013 में सहायक अध्यापक के लिए आवेदन किया था। आवेदकों ने नर्सरी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के आधार पर सहायक शिक्षक भर्ती की काउंसलिंग में भाग लिया, लेकिन आवश्यक योग्यता नहीं होने का हवाला देकर नियुक्त नहीं दी गई। याचीगण ने दलील दी कि उन्होंने नर्सरी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र को उसी तरह से हासिल किया है, जैसे दो वर्षीय बीटीसी या दो वर्षीय उर्दू बीटीसी पाठ्यक्रम है। दावा किया कि यह प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा के बराबर है और बीटीसी के बराबर भी। लिहाजा, वह भी इसके लिए न्यूनतम पात्रता रखते हैं। सरकारी अधिवक्ता ने कहा कि याचीगण ने ऑनलाइन फॉर्म में बीटीसी उत्तीर्ण बताते हुए आवेदन किया था, जबकि उन्होंने बीटीसी कभी किया ही नहीं। यह धोखाधड़ी की गई।

चुनाव आयोग की टीम 12-13 मार्च को कर सकती है प्रदेश का दौरा

चुनाव की तैयारियों का लेगी जायजा

जम्मू, .17 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग की टीम 12 व 13 मार्च को जम्मू-कश्मीर का दौरा कर सकती है। इस दौरान वह लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी हासिल करेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त तथा दो चुनाव आयुक्तों के साथ टीम एक दिन जम्मू व एक दिन कश्मीर में चुनाव तैयारियों का जायजा लेगी। साथ ही पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेगी। दौरे के दौरान वह विभिन्न राजनीतिक दलों के नुमाइंदों के साथ ही नागरिकों से भी मुलाकात कर चुनाव के बारे में बात करेगी। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान आयोग विधानसभा चुनाव की संभावनाओं के बारे में भी सुरक्षा हालात तथा अन्य स्थितियों का आकलन करेगा। चुनाव आयोग ने 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने का केंद्र सरकार को निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि चुनाव आयोग की ओर से सकुशल व शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रदेश के लिए सुरक्षा बलों की 635 कंपनियां तैनात करने को मंजूरी दी है।

'एमएसपी को कानूनी गारंटी देने के लिए अध्यादेश लाए सरकार'

वार्ता से पहले किसान नेता पंधेर की मांग

चंडीगढ़, .17 फरवरी (एजेंसियां)। रविवार को सरकार से होनेवाली बातचीत से पहले किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने केन्द्र सरकार से मांग की कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी देने के लिए अध्यादेश लाए। किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब और हरियाणा की सीमा पर शंभू तथा खनौरी में डटे हुए हैं और एमएसपी की कानूनी गारंटी दिया जाना उनकी मुख्य मांग है। किसान नेता पंधेर का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब किसान नेता और केन्द्रीय मंत्रियों के बीच कल रविवार को चौथे दौर की वार्ता होनी है। पंधेर ने शंभू सीमा पर संवाददाताओं से कहा, '' अगर केन्द्र सरकार चाहे तो वह रातों रात अध्यादेश ला सकती है। अगर सरकार किसानों के आंदोलन का कोई समाधान चाहती है तो उसे यह अध्यादेश लाना चाहिए कि वह एमएसपी पर कानून लागू करेगी, तब बातचीत आगे बढ़ सकती है।'' पंधेर ने कहा कि जहां तक तौर तरीकों की बात है तो कोई भी अध्यादेश छह माह तक वैध होता है। कृषि ऋण माफी के मुद्दे पर पंधेर ने कहा कि सरकार कह रही है कि ऋण राशि का आकलन करना होगा।

उन्होंने कहा, ''सरकार इस संबंध में बैंकों से आंकड़े एकत्र कर सकती है। यह इच्छाशक्ति की बात है।'' केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित किसान संघों की विभिन्न मांगों पर जारी बातचीत में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

12 फरवरी को बेनतीजा रही थी बातचीत

किसान नेताओं और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच बृहस्पतिवार रात करीब 8:45 बजे बैठक शुरू हुई और पांच घंटे तक जारी रही लेकिन इसमें दोनों पक्षों के बीच कोई सहमति नहीं बनी। दोनों पक्षों के बीच अब चौथे दौर की वार्ता 18 फरवरी को होगी।

इससे पहले आठ और 12 फरवरी को बातचीत हुई थी जो बेनतीजा रही। एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी के अलावा, किसान कृषकों के कल्याण के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन तथा कर्ज माफी, लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को बहाल करने और पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग कर रहे हैं।

बच्चों को पीठ पर बिठाया और सैर पर निकली मां भालू, वीडियो आया सामने

उमरिया, .17 फरवरी (एजेंसियां)। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में केवल बाघ ही नहीं बल्कि कई जानवरों की साइटिंग हो रही है। हाल ही में सफारी के दौरान पर्यटकों को मादा भालू नजर आई, जिसने अपनी पीठ पर अपने बच्चे बिठा रखे थे। ऐसा लग रहा है मानो मां भालू अपने बच्चों को पीठ पर बिठाकर सैर पर निकली है। यह वीडियो एक पर्यटक ने बनाया और सामने आया है। यह वीडियो मगधी ज़ोन का बताया जा रहा है। वहां इससे पहले भी भालू को उसके बच्चों के साथ देखा गया है। अब यह नया वीडियो सामने आने के बाद से पर्यटक रोमांचित है। बांधवगढ़ में बाघ के साथ-साथ अन्य जानवरों की साइटिंग उन्हें रोमांचित कर रही है। बांधवगढ़ यूं तो अपने बाघों के लिए प्रसिद्ध है। मध्य प्रदेश में 785 बाघ हैं, जिनमें से 165 का घर बांधवगढ़ है। 1536 वर्ग किमी के जंगल में बाघों की संख्या 124 से बढ़कर 165 हुई है। इस पार्क में स्तनधारी प्राणियों की 35 से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं। यहां बड़ी संख्या में तेंदुआ, जंगली कुत्ता, भेड़िया, भारतीय लोमड़ी, जंगली बिल्ली, लंगूर, लकड़बग्घा, जंगली सूअर, भालू, रेडी मैंगोज, ग्रे मैंगोज, रैटल, साही, रीसस मकाक, चित्तीदार हिरण, भौंकने वाला हिरण, चीतल , सांभर, नीलगाय, चौसिंघा और चिंकारा मिल जाते हैं। 1998 में स्थानीय स्तर पर विलुप्त हो चुके गौर (जंगली भैसा) को कान्हा से यहां लाकर सफलतापूर्वक बसाया गया है।

गुजरात से पकड़ी गई 200 किलो हेरोइन मामले का आरोपी पुलिस हिरासत से फरार

बठिंडा, .17 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के कांडला बंदरगाह से 2019 में पकड़ी गई 200 किलोग्राम हेरोइन के मामले में गुजरात पुलिस की ओर से पकड़ा गया आरोपी जोबनजीत सिंह शुक्रवार को गुजरात पुलिस को चकमा देकर जंडियाला गुरु के पास एक ढाबे से फरार हो गया। वह जंडियाला गुरु के गांव धरार का रहने वाला है। अमृतसर पुलिस ने सभी जिला पुलिस अधिकारियों को आरोपी की फोटो भेज दी, जिसके बाद पूरी पंजाब पुलिस के नाको पर पुलिस को हाई अलर्ट पर कर दिया है। आरोपी के फरार होने की पुष्टि करते हुए मामले के जांच अधिकारी तजिंदर सिंह ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। सूत्रों के अनुसार गुजरात पुलिस के एसआई आरसी सोलंकी, हेड कांस्टेबल रविंदर कुमार, नारेन भाई और कांस्टेबल सुरेश भाई आरोपी जोबनजीत सिंह को शुक्रवार को अमृतसर की एक अदालत में पेशी पर लाए थे। पुलिस की टीम टाउन बुंडाला जंडियाला गुरु के समीप एक ढाबे पर खाने के लिए रुकी तो आरोपी जोबन खाना खाने के बाद हाथ धोने के लिए शौचालय चला गया। वहीं से वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

गोवंडी इलाके में लगी भीषण आग, कई मकान और दुकानें जलकर ख़ाक

मुंबई, .17 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई में पिछले कुछ दिनों से आग लगने का सिलसिला जारी है। अलग-अलग इलाकों में आग लग रही है। हालांकि दमकल विभाग की सतर्कता से इन घटनाओं में कोई बड़ा नुकसान नहीं हो रहा है। इसी क्रम में शनिवार तडके सुबह लगभग 4 बजे गोवंडी इलाके में आग लग गई। जरा सी देर में ही आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। हालांकि इस आग में कोई घायल नहीं हुआ। इस घटना के बाद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई के गोवंडी इलाके में एक चॉल में आग लगने से लगभग 15 छोटी दुकानें और कुछ मकान क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग को शनिवार तड़के तीन बजकर करीब 55 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। दमकल सेवा के अधिकारी ने बताया,

"गोवंडी के आदर्श नगर इलाके में बैंगनवाड़ी की एक चॉल में आग लगने से भूतल पर करीब 15 छोटी दुकानों और पहली मंजिल पर कुछ मकानों को नुकसान पहुंचा है।" उन्होंने बताया कि आग की चपेट में कुछ बिजली के तार, प्लास्टिक, घरेलू सामान, लकड़ी की तख्ते और अन्य चीजें भी आ गयीं। अधिकारी ने बताया कि पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल की चार गाड़ियों और कई बड़े टैंकरों को सेवा में लगाया गया था। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और आग के कारण का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

हलद्वानी के बनभूलपुरा में कर्फ्यू में ढील, इंटरनेट सेवा अभी बहाल नहीं

नैनीताल, .17 फरवरी (एजेंसियां)। (उत्तराखंड) : हलद्वानी शहर के बनभूलपुरा में कर्फ्यू में अस्थायी तौर पर ढील दी गई है। 8 फरवरी को एक अवैध ढांचे को गिराए जाने के बाद भड़की हिंसा के बाद बनभूलपुरा में कर्फ्यू लगाया गया था। हालांकि, गौजाजाली, एफएसआई, गोदाम क्षेत्र में रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक रात का कर्फ्यू जारी रहेगा। बनभूलपुरा पुलिस स्टेशन के तहत बाकी इलाकों में शाम 5 बजे से सुबह 6 बजे तक रात का कर्फ्यू जारी रहेगा। वहीं इंटरनेट सेवा को अभी बहाल नहीं किया गया है।

8 फरवरी को हुई हिंसा के बाद लगा था कर्फ्यू

8 फरवरी को अतिक्रमण विरोधी अभियान के बाद पथराव की घटनाएं हुई थीं। साथ ही भीड़ ने वाहनों में आग भी लगा दी थी। बनभूलपुरा स्थित पुलिस स्टेशन को भी भीड़ ने घेर लिया था। हालात अनियंत्रित होते देख प्रशासन ने कर्फ्यू लागू कर दिया और देखते ही गोली मारने का आदेश भी जारी कर दिया था। इस बीच कल अपर महानिदेशक (एडीजी) प्रशासन अमित सिन्हा बनभूलपुरा में हिंसा स्थल पर पहुंचे और नव स्थापित पुलिस चौकी का जायजा लिया। उन्होंने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

मुख्य साजिशकर्ता के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

हल्द्वानी हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक और उसके बेटे अब्दुल मोईद के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि हिंसा के संबंध में पांच और दंगाइयों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि ताजा गिरफ्तारियों के साथ आठ फरवरी को शहर में एक मदरसे को ध्वस्त करने के बाद हुई पथराव और आगजनी की घटनाओं के संबंध में पकड़े गए दंगाइयों की कुल संख्या 42 हो गई है। मलिक ने मदरसे का निर्माण कराया था और इसे ध्वस्त करने का पुरजोर विरोध किया था।

उसे झड़पों का मुख्य साजिशकर्ता बताया जाता है। अब्दुल मलिक और उसके बेटे सहित नौ 'वांछित दंगाइयों' के पोस्टर भी शहर के विभिन्न स्थानों पर चस्पा किए गए हैं और जनता से उनके बारे में कोई भी जानकारी पुलिस के साथ साझा करने का अनुरोध किया गया है। मलिक और उसके बेटे के अलावा, जिन लोगों की पुलिस को तलाश है उनमें तस्लीम, वसीम, अयाज, रईस, शकील अंसारी, मौकीन और जिया उल रहमान शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि उसकी टीम उपद्रवियों को पकड़ने के लिए हर संभव स्थानों पर छापेमारी कर रही है। इससे पहले अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को शहर के बनभूलपुरा इलाके में अलग-अलग अवधि के लिए कर्फ्यू में ढील दी थी।

बनभूलपुरा में अवैध रूप से बनाए गए एक मदरसे को ढहाने के बाद आठ फरवरी को इलाके में हिंसा भड़क गई थी। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम के कर्मियों और पुलिस पर पथराव किया था और पेट्रोल बम फेंके थे जिसके कारण कई पुलिसकर्मियों को एक थाने में शरण लेनी पड़ी थी जिसे भीड़ ने बाद में आग के हवाले कर दिया था। पुलिस के अनुसार, इस हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई थी और पुलिस एवं पत्रकारों सहित 100 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

जखीरा फ्लाईओवर के पास बड़ा ट्रेन हादसा

पटरी से उतरीं 10 बोगियां; रेस्क्यू अभियान जारी

नई दिल्ली, .17 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के जखीरा में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब यहां एक बड़ा ट्रेन हादसा हो गया है। यहां ट्रेन की 10 बोगियां पटरी से उतरकर पलट गईं। गनीमत यह रही कि यह एक मालगाड़ी थी। हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मौके पर रेलवे टीम व फायर ब्रिगेड तैनात हैं। जानकारी के अनुसार आज सुबह 11.42 पर दमकल विभाग को सूचना मिली कि जखीरा फ्लाईओवर के पास एक ट्रेन पटरी से उतर गई है। मौके पर पहुंचे दमकर्मियों ने पाया कि यह ट्रेन मालगाड़ी थी, जिसकी 10 बोगियां पटरी से उतर गई थीं। सूचना मिलने पर रेलवे टीम, फायर ब्रिगेड, पुलिस टीम व अन्य टीमें मौके पर पहुंच गईं। मालगाड़ी में लोहे की शीट के रोल लदे थे। हालांकि पटरी पर किसी के फंसे होने की संभावना से राहत बचाव में लगे कर्मियों ने पूरी तरह इनकार नहीं किया है। अभी राहत-बचाव कार्य जारी है।

दिल्ली में एक्टिव है ट्रेन का कन्फर्म टिकट दिलाने वाला गैंग

आप करने वाले हैं ऐसी गलती तो हो जाएं सावधान!

नई दिल्ली, .17 फरवरी (एजेंसियां)। अगर आप ट्रेन से लंबी दूरी की यात्रा की योजना बना रहे हैं और कन्फर्म टिकट पाने की उम्मीद में किसी अंजान शख्स पर भरोसा कर रहे हैं, तो हो जाइए सावधान! नहीं तो आप हो सकते हैं ठगों के अगले शिकार। जी हां, पंजाबी बाग थाने की पुलिस ने ठगों के एक ऐसे गिरोह का खुलासा करने में कामयाबी पाई है, जो दिल्ली से यूपी-बिहार के गांव जा रहे भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बनाकर उनके कैश, मोबाइल, बैग आदि कीमती सामान धोखे से लेकर फरार हो जाते थे। लोगों को झांसा देने के लिए, खुद को रेलवे का टीटीई बताते थे। फिर उनके सामानों और कैश को लेकर चंपत हो जाते थे। अब इस मामले में दिल्ली पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया है।

इनके कब्जे से पुलिस ने 30 मोबाइल, 19 बैग, पीड़ितों का एटीएम कार्ड आदि बरामद किया है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस गिरोह के ज्यादातर सदस्य अनपढ़ हैं,

बावजूद इसके इन्होंने अब तक इस तरह से लोगों को झांसे में लेकर कई वारदातों को अंजाम दिया है। वेस्ट दिल्ली के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शंकर पंजियार, बबलू, संजय कुमार, अमित, संतोष कुमार और विपिन कुमार के रूप में हुई है। यह सभी बिहार के सीतामढ़ी और पेरियार के रहने वाले हैं। इनकी गिरफ्तारी से पुलिस को कई वारदातों का पता चला है, जिसकी छानबीन अभी की जा रही है।

मुरैना में दुष्कर्म के आरोपी की पत्नी से किया गैंगरेप, फिर पेट्रोल डालकर जलाया

मुरैना, 17 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला के साथ दर्दनाक हैवानियत की घटना सामने आई है। एक महिला अपने पति पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला के घर समझौते के लिए गई थी। वहां उसके साथ तीन लोगों ने गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। उसके बाद आरोपियों ने महिला के ऊपर पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जला दिया। महिला 80% से ज्यादा झुलस गई है। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां से उसे ग्वालियर रेफर किया गया है। मामला मुरैना जिले के अंबाह थाना इलाके की चांदपुर गांव का है। अंबाह थाना प्रभारी आलोक परिहार ने बताया कि पीड़ित महिला के पति पर रेप का आरोप है। आरोपी की पत्नी उस महिला से राजीनामा करने गई थी, जिसने पति पर आरोप लगाया है। इसी दौरान तीन लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ गैंगरेप किया। जब वह महिला भागने लगी तो दुष्कर्म का आरोपी लगाने वाली महिला समेत अन्य लोगों ने उसे पेट्रोल डालकर जला दिया। पीड़ित महिला ने बयान में बताया है कि उसके पति पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला समेत उसकी चाची और बाबा ने आग लगा दी। बताया जा रहा है कि जनवरी के महीने में महिला के पति पर दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। वह अभी जेल में था और हाल में ही जमानत पर छूटकर आया है। पीड़ित महिला की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है।

अकबर शेर को सीता शेरनी के साथ रखने पर विवाद

वीएचपी ने हिंदू धर्म का अपमान बताया, कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका लगाई

कोलकाता, 17 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में अकबर नाम के शेर को सीता नाम की शेरनी के साथ रखने पर विवाद हो गया। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की बंगाल इकाई ने इसे हिंदू धर्म का अपमान बताया है। इसके खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका लगाई। याचिका में सिलीगुड़ी सफारी के वन विभाग पर आरोप लगाया गया है। 16 फरवरी जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की पीठ के समक्ष याचिका लगाई गई थी और इसे 20 फरवरी को सुनवाई के लिए लिस्ट किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शेर-शेरनी के जोड़े को हाल ही में त्रिपुरा के सेपाहिजला जूलॉजिकल पार्क से लाया गया था। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने शेरों का नाम नहीं बदला है। 13 फरवरी को यहां आने से पहले ही उनका नाम रखा जा चुका था। विहिप का कहना है कि शेरों का नाम राज्य के वन विभाग द्वारा रखा गया था और 'अकबर' के साथ 'सीता' रखना हिंदू धर्म का अपमान है। हम इनका नाम बदलने की मांग करते हैं। याचिका पर 20 फरवरी को सुनवाई होगी। इस मामले में राज्य के वन अधिकारियों और सफारी पार्क डायरेक्टर को मामले में पक्षकार बनाया गया है।

पंजाब पुलिस ने करवाया जेलों का आंतरिक सुरक्षा मूल्यांकन, सामने आए चौंकाने वाले खुलासे

चंडीगढ़, .17 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब की जेलों में ड्रग्स और मोबाइल फोन का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जेल से दिए गए इंटरव्यू के बाद जेल प्रबंधन ने पहले से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। इसके बावजूद जेलों में ड्रग्स और मोबाइल मिलने का सिलसिला जारी है। पहली बार पंजाब पुलिस के इंटेलिजेंस और जेल प्रबंधन की एक टीम ने आंतरिक सुरक्षा मूल्यांकन (इंटरनल सिक्योरिटी असेसमेंट) किया है। इसके जरिये जेल में आसानी से पहुंच रही ड्रग्स और मोबाइल के नेटवर्क का पता लगाया है। प्रदेश की सभी जेलों में कराई गई इंटरनल सिक्योरिटी असेसमेंट रिपोर्ट में चौंकाने वाले 7 से 8 तथ्य सामने आए हैं। इस इंटरनल सिक्योरिटी असेसमेंट को लीड करने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैदियों के पास ड्रग्स और मोबाइल जेल की ऊंची दीवारों को लांघ कर पहुंच रहे हैं। अधिकतर जेलों की चारदीवारी पुरानी हो चुकी हैं। इन पुरानी चारदीवारी की ऊंचाई अपराधियों के मंसूबों के आगे छोटी पड़ने लगी है। जेलों के बाहर अपराधियों के गुर्गे कुछ नियमित समय में जब जेल प्रबंधन अपनी दिनचर्या में जुटा होता है तब जेल के बाहर से ड्रग्स और मोबाइल किसी कपड़े या थैली में लपेट कर अंदर फेंकते हैं। यह ड्रग्स और मोबाइल जेल में बंद उसी कैदी को मिले, इसकी प्लानिंग पहले ही मोबाइल कॉल के जरिये हो जाती है।

पेशी से लौटते समय भी ड्रग्स, मोबाइल ले आते हैं कैदी

इंटरनल सिक्योरिटी असेसमेंट रिपोर्ट में दूसरी बड़ी कमी यह पकड़ में आई है कि जब कैदी को पेशी के लिए अदालत ले जाया जाता है तो उसके परिजन और दोस्त बातचीत के लिए पुलिसकर्मी से कुछ समय मांगते हैं, इसी दौरान वे उन्हें ड्रग्स और मोबाइल दे देते हैं। कैदी इन ड्रग्स और मोबाइल को छिपाकर जेल के अंदर ले आते हैं। कई जेलों में कैदियों की चेकिंग के दौरान उनके पास से ड्रग्स की पुड़िया और मोबाइल निकाले गए हैं।

मिलावटखोरी करने वालों की खैर नहीं, बड़ी कार्रवाई की तैयारी

भोपाल, .17 फरवरी (एजेंसियां)। एमपी में इन दिनों मिलावट खोरी के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जा रहा है, जहां प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में मिलावट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बड़ी तैयारी की जा रही है। मिलावट खोरी के खिलाफ अभियान को लेकर शासन से लेकर प्रशासन स्तर तक टीम तैयार हो चुकी है, जहां जल्द मिलावट करो के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। मुख्य सचिव वीरा राणा ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर प्रदेश के समस्त संभागायुक्त एवं जिला कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक की है। राणा ने भारत सरकार एवं राज्य सर्विलांस प्लान अनुसार खाद्य पदार्थों की नियमित रूप से जांच करने और उसके आधार पर मिलावटी क्षेत्रों का चिन्हांकन कर प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। राणा ने कहा कि, जिला स्तर पर खाद्य सुरक्षा, नापतौल, दुग्ध संघ एवं पुलिस आदि विभागों से सम्मिलित विशेष निगरानी दलों का गठन कर खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता की निगरानी की जाए। जिलों में स्थित दुग्ध केंद्र, चिलिंग प्लांट एवं कलेक्शन सेंटर पर चलित प्रयोगशालाओं के माध्यम से दूध तथा दूध से बने हुये विभिन्न खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता की निगरानी के लिए इनके सेम्पल की नियमित जांच करायें। उन्होंने जिलों में जनसंख्या के अनुपात में लायसेंस एवं रजिस्ट्रेशन में वृद्धि करने के लिए विशेष प्रयास किए जाने के निर्देश भी दिए। बैठक में खाद्य, गृह एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन द्वारा मिलावटखोरों पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की गई। इसी संदर्भ में कलेक्टर अनूप कुमार सिंह द्वारा दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थों के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर उनसे दूध व दूध से बने उत्पाद के नमूने जांच हेतु लेने के निर्देश खाद्य सुरक्षा अधिकारी राधेश्याम गोले को दिए। उन्होंने निर्देश दिए है कि, जिन संस्थाओं द्वारा बिना खाद्य लाइसेंस पंजीयन के खाद्य सामग्री संबंधी दुकानें संचालित कर रहे हैं, उन पर कार्यवाही करें। साथ ही निर्देश दिए कि दूध डेयरी, दूध कलेक्शन सेंटर, चिलिंग सेंटर का निरीक्षण कर दूध सैंपल लिए जाए। उन्होंने चौपाटियों, निजी विद्यालयों में संचालित कैंटीन के निरीक्षण के निर्देश दिए।

आध्यात्मिक क्रांति के प्रणेता : स्वामी दयानंद सरस्वती

(200 वे जयंती वर्ष के अवसर पर)

अतुल कुमार

समाज सुधार और पुनर्जागरण में स्वामी दयानंद सरस्वती अग्रणी महान समाज सुधारक थे .उन्होंने आर्य समाज की स्थापना की.संस्कृत भाषा तथा वैदिक धर्म के अनुयायी थे . सामान्य जन को ज्ञान और सत्य के प्रति जागरूक करना उनका मुख्य उद्देश्य था . उनके विचारों ने सोचने के तरीके को बदला . कुरीतियों और अंध विश्वासों के विरोध व उन्मूलन के लिये अलख जगायी . इसके लिये कई धार्मिक और सामाजिक ग्रंथों की रचना की जिनमें सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथ " सत्यार्थ प्रकाश " है . समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिये अथक प्रयास किये . यह उनका 200 वां जयंती वर्ष है . दो सदी पहले जिन विचारों को लिखा उनकी आज अधिक प्रासंगिकता है . जातिवाद के विरुद्ध स्वर बुलंद किया . उनके मतानुसार " ईश्वर एक है और वह सर्वव्यापी है , सभी मनुष्य समान हैं और किसी भी प्रकार का भेद भाव अनुचित है , सभी धर्मों का सम्मान किया जाना चाहिये ,लेकिन किसी भी धर्म को दूसरों पर थोपा नहीं जाना चाहिये ,महिलाओं की शिक्षा और उत्थान पर बल दिया " .

नारी शिक्षा को समाज का विकास माना . जीवन के हर क्षेत्र में नारियों से विचार विमर्श को ज़रूरी माना . अतः उनकी शिक्षा की वकालत की.

अपने प्रशंसकों को वैज्ञानिक और तर्कसंगत दृष्टिकोण से जीवन जीने का पाठ पढाया . वेदों और उपनिषदों का गहन अध्ययन किया और लोगों को इसके ज्ञान की महत्ता समझायी . महात्मा गांधी उनके विचारों से प्रभावित थे . समाज में व्याप्त धार्मिक आडंबरों को अपने विचारों से दूर करने का प्रयास किया और स्वराज का संदेश दिया 15 वर्षों तक देश भर में घूम घूम कर वहां की संस्कृति ,साहित्य और संस्कारों का अध्ययन किया .

सन 1875 में महर्षि दयानंद सरस्वती ने गुडि पाडवा के शुभ अवसर पर मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की . आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य मानव धर्म है जिसे उन्होंने परोपकार ,मानव सेवा , कर्म और ज्ञान का मुख्य आधार बताया . इन्हीं विचारों पर आर्य समाज की नींव रखी . जिससे कई महान विद्वान प्रेरित हो उससे जुडे .दयानंद सरस्वती ने " वेदों की ओर लौटो " का नारा दिया इनके भाष्य के रूप में प्रसिद्ध पुस्तक " सत्यार्थ प्रकाश " की रचना की . मानते कि वेद सत्य का भंडार हैं . उन्हीं के प्रयासों से पहली बार वेदों को मुद्रित किया गया. जिसने व्यापक प्रभाव छोडा .वेद कर्म सिद्धांत और संसार (मृत्यु और पुनर्जन्म की प्रक्रिया) गाय की पवित्रता , संस्कारों के महत्व (व्यक्तिगत संस्कार) की प्रभावशीलता को स्थापित करने के महत्व को बताया अग्नि के लिये वैदिक यज्ञों को असरकारक बता समाज सुधार की आवश्यकता को प्रतिपादित किया आर्य समाज की स्थापना के साथ उन्होंने हिंदी में ग्रंथों को लिखना शुरु किया साथ ही पहले संस्कृत में लिखित ग्रंथों का हिंदी में भी अनुवाद किया हिंदी के प्रबल समर्थक थे और कहते " मेरी आंखे उस दिन को देखने के लिये तरस रही हैं जब कश्मीर से कन्या कुमारी तक सब भारतीय एक भाषा को बोलने और समझने लग जाएंगे " यद्यपि उनकी मातृभाषा गुजराती थी लेकिन राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करने के लिये हिंदी का प्रचार प्रसार किया . स्वदेशी और स्वराज शब्दों का पहली बार उपयोग उन्होंने ही किया हिंदी के समर्पित सेवक थे . उनके

उपदेशों में राष्ट्र प्रेम की भावना कूट कूट कर भरी थी .देश के प्रति उनके मन में अगाध ममता थी . पूरा जीवन राष्ट्रीयता की भावना को मज़बूत करने में लगाया ।

संसार के दुख मिटाने और जगत के हित के लिये सदा तत्पर रहे . प्रसंगानुसार एक बार गंगा किनारे समाधि मुद्रा में बैठे थे . तभी एक महिला ज़ोर ज़ोर से विलाप करती हुई गोद में अपने मृत पुत्र को बिना कफन के गंगा में बहाने लायी उसके विलाप से उनकी समाधि खुल गयी इस दृश्य को देख इतने द्रवित हुए की सब छोड लोक हित में लग गये . जन्म गत जाति के स्थान पर गुण कर्म के अनुसार वर्ण व्यवस्था पर ज़ोर दिया . किसानों को राजाओ के राजा कह उनके महत्व को बताया शिक्षा के काया कल्प के उद्देश्य से गुरुकुल प्रणाली के प्रचलन को बढावा दिया मिथ्या मत मतांतरों का खंडन किया .

कहा कि " दुनिया को आप अपना सर्वश्रेष्ठ दीजीये आपके पास भी सर्वश्रेष्ठ लौट कर आयेगा " हमें पता होना चाहिये कि भाग्य भी कमाया जाता है थोपा नहीं जा सकता और ऐसी कोई कृपा नहीं है जो कमाई न जा सके " " ईश्वर का न तो रूप है न ही रंग वह दिव्य और अपार है दुनिया में जो कुछ भी दिखायी दे रहा है . वह उसकी महानता का वर्णन करता है " और " जीभ से वही निकलना चाहिये जो अपने ह्रदय में है " आदि .

अंग्रेज़ सरकार द्वारा एक बार स्वामी जी से अनुरोध किया गया कि " आप अपने व्याख्यान के आरंभ में जो ईश्वर की प्रार्थना करते हैं ,क्या उसमें अंग्रेज़ी सरकार के कल्याण की भी प्रार्थना करेंगे ! तब स्वामी जी ने बडी निर्भीकता से उत्तर दिया " मैं ऐसी किसी भी बात को स्वीकार नहीं कर सकता .मेरी स्पष्ट मान्यता है कि मैं अपने देश वासियों की निर्बाध प्रगति और हिंदुस्तान को सम्माननीय स्थान प्रदान कराने के लिये प्रतिदिन यही प्रार्थना करता हूं कि मेरे देश वासी विदेशी सत्ता के चंगुल से शीघ्र मुक्त हों " उनके इस तीखे उत्तर को सुन अंग्रेज़ी शासकों में क्रोध फैला और उनको समाप्त करने के लिये तरह तरह के षडयंत्र रचे . लेकिन वह अपने विचारों पर अटल रहे .

स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म राजकोट गुजरात में 12 फरवरी सन 1824 में हुआ . मूल नक्षत्र में जन्म होने के कारण उनका नाम मूल शंकर रखा गया 21 वर्ष की उम्र में संन्यास ग्रहण किया और घर से विदा ली उनके गुरु विरजानंद थे . बाल विवाह ,सती प्रथा , छुआ छूत,पशु बलि ,पर्दा प्रथा, जैसी कुरीतियों को दूर करने में खासा योगदान दिया .धर्म ,कर्म और दर्शन पर नये विचारों को रख उनकी अहमियत को बताया. आधुनिक भारत के महान चिंतक और समाज सुधारक थे . 14 वर्ष की आयु तक धर्म शास्त्र सहित संपूर्ण संस्कृत व्याकरण ,सामवेद तथा यजुर्वेद का अध्ययन कर लिया था .जैसे जैसे बडे होते गये समाज की हर बात को तार्किकता की कसौटी पर कसते . उनकी लिखी प्रमुख पुस्तकें हैं " ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका " " यजुर्वेद भाष्य " "पंच महायज्ञ विधि "' आर्याभिनव " " अष्टाध्यायी भाष्य " " वेदांग प्रकाश" " संस्कृतवाक्य प्रबोध " और " सत्यार्थ प्रकाश " इत्यादि .उन्होंने इतने व्यापक क्षेत्रों में काम किया कि किसी भी क्षेत्र विशेष का उल्लेख किया जाए तो अन्य क्षेत्र ओझल हो जाएंगे .

जीवन के सभी क्षेत्रों में योगदान दिया . बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी थे . देश समाज की हमेशा चिंता करते एक बार देर रात तक सोए नहीं तो उनके सहयोगी ने कारण पूछा तो कहा भारतीयों के संबंध में चिंता

के कारण चित्त में भावनाएं बेचैन करती हैं जीवन भर देश समाज के कल्याण के लिये जीवन अर्पित किया . 30 अक्तूबर 1883 को उनका देहावसान हुआ . ऐतिहासिक योगदानों ,विचारों ,दर्शनों और प्रार्थनाओं में अमर हो गये किसी कवि ने उन पर लिखी कविता में सुंदर लिखा उनकी कुछ लाइनों को पढिये " महान चिंतक शिक्षा और समाजके लिये /बन बैठे संन्यासी से महा योद्धा / स्वराज का नारा दे प्रोत्साहित किया देश प्रेम को / हिंदी भाषा का प्रचार कर सत्यार्थ प्रकाश का शंख नाद किया /वेदों शास्त्रों एवं संस्कृति का उत्थान किया / योग विद्या और शास्त्र के ज्ञान से आम जन गण को जागृत किया / स्वामी दयानंद सरस्वती ने सिद्धांत को जीवन में उतार दिया।

काव्य कुंज

संयम

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

शैशव से वृद्ध तक का सफर,
प्रकृति ने तराशा,
जीवन में नया कुछ हो ,तब पूर्ण हो पिपासा।
विश्व के लिए रचा नया इतिहास,रखें चांद पे कदम,
सूर्य आंकने चल दिए, नई जागी अभिलाषा।
बिन योजना के काज,असफलता से घिरे कदम,
सफलता न मिलने पर, मिलती घोर निराशा।
विपत्ति आए तो संयम से, जो करते सोच विचार,
संयम से लिए गए फैसले , देते राहत , दिलासा।
संयम के साए को छोड़ा , क्रोध ने आकर घेर लिया,
क्रोध में लेते गलत निर्णय, बन जाते तमाशा।
भागदौड़ की दुनिया में, संयम की आवश्यकता,
मन इंद्रियां संयमित रहने से ही पूरी हो आशा।
कठिनाई में संतोष धारण,विवेक से किए जो काम,
संयम से मन मस्तिष्क ने, सही समाधान तलाशा।
संयम श्रीराम का, 14 वर्ष वनवास में कभी भी न टूटा,
राह में आई मुश्किल को, संयम ने दी नई जीवन भाषा।
पांडवों ने संयम से अधर्म हटा, धर्म का झंडा गाड़ा,
हर युग में संयम जीता, संयम ही सही जीवन पाशा।

एक प्याली चाय

डॉ डी डी देसाई

एक हवा सी गुजरी है खिड़की से,
बेमन सी दोपहर गुजरी है आंगन से,
कुछ बेजान सी घटा छाई है फिजाने,
चल थोड़ा माहौल बदल देते है,
एक प्याली चाय की चुस्की लेते है।
कुछ तुम बोलो...पहले जैसे किस्से..
कुछ गली...गलियारों के...
कुछ दोस्तों...रिश्तेदारों के किस्से।
कुछ किताबी पन्नों के किस्से..
चल हमारी कविताओं को पढ़ लेते है।
बहुत दिनों से माहौल बदला बदला सा है,
चल एक प्याली चाय की चुस्की लेते है।
न शाम पहले जैसी हँसी होती है,
न सुबह तेरे आगमन से होती है...
वो सारे पल दम तोड़ रहे है अँधेरे में कहीं,
जो तुझ संग बिताने हम तरसते थे।
खोई खोई सी है खुशी कहीं कुछ दिनोंसे,
ढूंढ उन्हें जिंदगी में रौनक भर देते है।
चल एक प्याली चाय की चुस्की लेते है।
जमाने भर की किल्लत छोड़ देते है,
दूरियाँ.. दरमियाँ तोड़ देते है,
आज निकला सूरज...कल का भरोसा नहीं,
बचे पलों में चल....जिंदगी भर देते है।
सोचा तो था रूठी ही रहेगी जिंदगी,
चल एक दूसरे को आखरी बार मना लेते है।
हार गए है अनचाही दूरियों से....
चल एक प्याली चाय की चुस्की लेते है।

प्रकृति

कुमुद बाला,
हैदराबाद

सूर्य किरण की लाली अधरों पर
व्योम की घटाएँ काली
आँखों मे रात का काजल
माथे पे चंद्र बिंदी , केशों में गंगा
चमकते तारे जैसे सर्प की आँखें
यही तो रूप है प्रकृति का
जैसे शिव का कोई तांडव हो
हरियाली से लिपटी धरती
उसपर फूलों के रंगबिरंगे बूटे
पर्वत मालाओं से बिखरे केश
सागर की पाँव में पायल और नदियों की गागर
यह मोहिनी सी धरती है
माथे पर सरसों की बिंदी
यही तो प्रकृति है
हमें करना है प्रकृति का आदर
हमें करना है धरती का आदर
मानव - मानव से प्रेम करे
हमें करना है प्रेम का आदर
संतुलन प्रकृति बनाएगी
हमपर प्रेम लुटायेगी

रंगमंच

वीरेंद्र बहादुर सिंह

मैं पढ़ूं गजल तो जमाना व
ह वाह करता है,
कोई बजाता है ताली
तो कोई सोचता है
तो कोई करता है टिप्पणी,
अलग-अलग प्रसंग हैं यहां तमाम के,
अनोखा रंगमंच है यह जिंदगी,
किरदार में रह कर लोग अभिनय शानदार करते हैं,
कोई करता हैं प्रेम तो दगा हजार करता है
मीठी-मीठी बातों से सौदा हजार करता है,
कोई झेलता है घाव तो कोई घाव हजार करता है,
मिन्नतों के साथ कोई मन्नत हजार करता है,
मैं दुख पढ़ता हूं अपना और जमाना
हंसहंस कर बात करता है,
चुपके चुपके वह बातों में अपनी शिकायत करता है,
कोई कहता है खुद का किस्सा
अनोखा और कोई दुख की भरमार करता है,
अलग-अलग प्रसंग हैं यहां तमाम के,
अनोखा रंगमंच है यह जिंदगी,
किरदार में रह कर लोग अभिनय शानदार करते हैं,
कोई पहुंचता है सीधे और कोई मार्ग हजार करता है,
धीरे-धीरे सपनों के कोई सौदा हजार करता है,
कोई रखता है धीरज तो कोई आक्रोश हजार करता है,
धीरे-धीरे सफलता का कोई सफर हजार करता है,
मैं कहता हूं सत्य और जमाना मुंह से वाह वाह करता है,
पीठ पीछे क्या पता तानों की बौछार करता है,
भाईचारा यानी क्या! जिसमें राजा बने रंक के
महल में रंक राज करता है।

वैवाहिक बंधन की गांठ लगी

कमलेश झा

जीवन के इस वसंत पर
मिल रहे कुछ नए अनुभव।
वैवाहिक जीवन के वसंत में
जुड़ गए कुछ नए अनुभव।।
ढाई दशकों के इस डगर पर
मिल रहे कुछ कटु मृदु एहसास।
परिवार और समाज की गाड़ी दिये
जा रही कुछ कटु मृदु एहसास।।
जब डोर बंधी थी भावना संग तब लगता था यह कठिन राह।
मन भावना को समेट कर साझा चलने का कर रहा प्रयास।।
फिर आपस की समझदारी और प्रशस्त पथ की मन में चाह।
रजत वर्षगांठ पर अब अपने कदम पड़े हैं खास।।
बेसक जीवन माला से कम हो रहे साल दर साल।
लेकिन लगता है अगला जीवन होना है खास।।
शिकवा और शिकायत की बातें चलती रहेगी सालों साल।
आपस में सामंजस्य बैठाकर हीं चलना होगा साल दर साल।।
कुछ मन की चाहत है बाँकी उसको पूरा करने का लक्ष्य।
समाज और परिवार संग मिलकर चलने का साधना है लक्ष्य।।
एक कहानी छूट जाएगी अपनी जीवन जीने के बाद।
परिवार और समाज में बस रह जाएगी अपनी कुछ पुरानी याद।।
कल जब धरा छोड़ने की बारी आए पहले जाने में न एतराज।
फिर भी हक़ की लड़ो लड़ाई साथ चलने में भी न कोई एतराज।
साथ साथ चलकर हीं वहाँ बने एक स्वप्नलोक।
खिड़की और झरोखों से हँसता खेलता दिखे अपना ये भूलोक।।

करना होगा कर्म महान

कुमकुम कुमारी
बिहार

यूं ही नहीं किसी को,
दुनिया में पूजा जाता।
महादेव बनने को,
हलाहल को पिया जाता।।
चाहत है यदि तेरी,
मिले तुमको भी सम्मान।
हे नर सुनो तुमको,
करना होगा कर्म महान।।
औरों के आसरे जो, बैठे रह जाते हैं।
पाते नहीं मंजिल को, भीड़ में खो जाते हैं।।
चाहते हो यदि तुम भी,कुछ कर दर्शाने को।
तो दौड़ो जी जान से, खुद को अजमाने को।।
होते हैं जो कायर, वो किस्मत को रोते हैं।
मानव जन्म पा कर भी, उसे यूँ ही खोते हैं।।
करना है यदि तुमको,जिंदगी को सफल अपना।
तज करके आलस को,पड़ेगा अग्नि में तपना।।
लहरों से घबराकर, जो पीछे हट जाते हैं।
जरा पूछो उनसे तुम, क्या मोती पाते हैं।
पाना है यदि तुमको,दुनिया में ऊँचा स्थान।
ऐ नर सुनो फिर से,करना होगा कर्म महान।।

वो जब आते हैं

वो जब आते हैं, ख्वाबों में,
खयालों में, क्यों, लूट ले जाते हैं,
दिल का चैनों अमन, और,
हम खो जातें हैं,मय के प्यालों में,
वो, जब मिल के बिछुड़ जातें है,
तो यूं लगता है, जैसे सूखे हुए फूल,
मिलते हैं अब किताबों में,
वो, जब मिलते हैं,
यादों की मुलाकातों में,
तो,यूं लगता है जैसे,
मनभाती कोयल गा,
रही हो सावन में।

डॉ जय महलवाल

मौत से मुलाकात

पूजा महेश
हैदराबाद

घना अंधेरा था
दूर अभी सवेरा था
बाहर कुछ आहट हुई
थोड़ी खडखडाहट हुयी
आंखें खोली तो
दिखाई दी अदृश्य सी रेखा
सामने मेरे मौत खड़ी थी
भोली सी सलोनी बड़ी थी
उसने मुझसे आंख मिलायी
मैं भी उसे देख मुस्कुराई मुस्कुरा कर मुझे निहारा
प्यार से धीरे से पुकारा चलना होगा साथ मेरे
समय हो गया है तुम्हारा पूरा मैंने कहा! तनिक ठहरो
पूरा कर लूं उसे जो काम रह गया है अधूरा
जग में बहुत है अंधेरा कहो तो एक दीप जला लूं
नफरतों के कांटे बहुत है प्यार के कुछ बीज उगा लूं
भूख से बिलखते है बच्चे मुस्कान होंठों पर सजा लूं
फिर इत्मीनान से चलूंगी आभारी दिल से रहूंगी
पर मेरी तो मजबूरी है साथ जाना जरूरी है
पर मैं तुम्हारे जज्बात की कद्र करतीं हू
इसलिए तुम पर गर्व करती हूं
कभी कभी वचन को हमने भी तोड़ा
जैसे सावित्री के लिए सत्यवान को भी छोड़ा
उठो अपने इरादे पूरे करों मैं जाती हूं, फिर आऊंगी
तभी तुम इत्मीनान से जा पाओगी
और मैं भी तब इत्मीनान से ले जा पाऊंगी।

किरदार

दर्शन सिंह
हैदराबाद

अभी तो अखियां ही खोली,
पीछे पड़ गए हो
अभी झूमने,गाने,इतराने..,
पीछे पड़ गए हो
जाग वीरा जाग,
लामियां पएया रैह जाएंगा
छड परानु,वादु दी बकवास,पीछे पड़ गए हो
कबीर,फरीद,रविदास..,याद है तुम्हे
मन चंगा कठौती में गंगा,याद है तुम्हे
ताउम्र एक सर्वश्रेष्ठ किरदार का अनुष्ठान
सदियां बीती,घर घर स्तुतिगान,याद..तुम्हे
कोल्हू बैल का भी अपना एक किरदार
सारी उम्र चलते रह गए,फिर भी रेजगार
चला जरूर, स्वयं के बनाए गड्ढों में धस्ता रहा
रुका, अश्रुपूरित, नैय्या बीच मझधार
यह जो उजाला,कांटों से लिपटा अंधकार देखा है
गांधी,मोदी,शास्त्री,कांटों से लिपटा दिनमान देखा है
छलनी में पानी भरा,बेजोड़ उजियार देखा है
लहरों के विपरीत बहे ,सुंदर किरदार देखा है।।

बसंत को आने दो

प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

बीत गए पतझड़ के दिन अब,
तरुओं में किसलय छा जाने दो
बसंत को आ जाने दो
मां शारदे की पवित्र – उत्पत्ति पर
उपवन प्रफुल्लित हो नाच उठे
बासंती समीर अब चचंल
अठखेलियाँ कर रहीं,
न रोको ना टोको ना कोई विघ्न डालो
नवगुंठित डालियों से,
कलियों को खिल जाने दो
बसंत को आ जाने दो!
ठिठुर - ठिठुर कर मधुप वृंद छिपे पत्तों के छत्ते में,
कोहरे की चादर समेट लो अब,
नव वय लतिका को छाने दो
जाओ पतझड विदा लो अब,
प्रिय बसंत को आने दो।
उत्सुक तरु अमिया के ऊपर
मीठे मंजर को छा जाने दो,
मनभावन बसंत को आने दो।
गलबहियां डाले सरसों -तीसी,
नीली लट्टू सी - नाचे ,
हरी मटर हवा संग डोले ।
तरुओं में किसलय आने दो।
बसंत को आ जाने दो ।
ढोलक की थाप, रंगोली की छाप ,
संगीत की धुन पर पैंजनियों को थिरकने दो।
बसंत को आ जाने दो ।
पतझड को पीछे जाने दो।

परिंदे

टी तारासिंह
हैदराबाद

तुम्हारा बसेरा है इस डाल से उस डाल
हवा में उड जाते परदेशी बन जाते
ना है तुम्हारी कभी किसी से बैर
फिर भी उडते रहते डरते डरते रहते
शिकारी तो कभी भी
बंदुक का निशाना बनाते
दुष्मन है जमाना परिंदो को मारता
कभी भी उनके लिए दाना पानी रखा करे
उनका मुह नहीं है बोल भी नही सकते
उनका भी दुःख दर्द समझ लिया करे
परिंदे हुए तो क्या प्रकृति का हिस्सा है
सेलटावर के रेडीएशन से जान बचाते फिरते
मुश्किल है उनका जीवन हर पल डरते रहते
उनका भी हक है जीने का आकाश में उडने का
उनसे भी सहानभूति जताये फैक दे बंदुक
शौक नया बना ले परिंदे पालने का
परिंदो की हमारी जिंदगी खुबसूरत बन जायेगी ।।

दादी मां

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

दादी मां बच्चों की बचती
चीज़े जब खा जाती है।
प्यार में शुभइच्छाएं होती
बरकत सीस झुकाती है।
एक संपूर्ण हो जाए तो
दूसरी सिर पर आ जाती है,
सांप की कुंज की
तरह इच्छा अपने रूप बनाती है।
फूलों से भरपुर शाखाएं सब पत्तों से प्यार करें,
ईधर भी झुक जाती हैं और उधर भी झुक जाती है।
बालम और बलविन्दर दोनों जव देखूं मकते में,
गज़लों में इक तस्वीर पुरानी उभर जाती है।

गिरगिट की तरह

डॉ टी महादेव राव

बदल रहे है खुद
को गिरगिट की तरह
मुकर रहे हैं बातों से
करवट की तरह
मुफलिसों के आहें
और आंसुओं से दूर
वो पड़े हैं गद्दी पे
पुराने सलवट की तरह
जरूरत रही तो रहे हम हीरे से कीमती
वक्त ढला बने कूड़ा करकट की तरह
रिश्तों में बसी खुदगर्जी से बनें तन्हा
भरी धूप में सूने सूने पनघट की तरह
दिलों में नफरत औ जुबां में मिठास
जिंदगी चल रही है मिलावट की तरह ।।

बसंत

रेणुका अग्रवाल

आया आया देखो बसन्त आया।
मौसमों का न होगा अंत ,
देखो फिर बसन्त आया।
धरती हरी रंग बिरंगी हो गई।
हवा मोहक सुगंधी हो गई।
चमन में फूल कलियां इठला रही,
भंवरों के मन मस्ती हो गई।
कचनार खिले भरे भरे पेड़ों पर।
कनेर आया सब रंगों को लेकर।
रात रानी शाम अपना एहसास कराती,
हरसिंगार को भी छेड़ कर जागती।
ये मदहोश मौसम,होश भुला दे।
सजनी को साजन याद दिला दे।
प्रेम प्रीत की पुरवाई है चलती,
अब कान्हा जोड़ों को प्रेम सिखा दे।
मन मस्त हुआ यादों के सायों में।
आई मुस्कान कुछ इरादों में।
मीठी मीठी यादें है बुला रही,
आओ सजनी अब मेरी चाहो में।
कुछ मीठी कुछ खट्टी यादें लेकर।
खट्टी बातें भूल भुलाकर।
चलो स्वागत करें बसंत का हम,
कुछ पुष्प ईश के चरणों में देकर।
ये मौसम ही प्रेम की याद दिलाए।
बसन्त सबके मन में प्यार भर दे।
जो दूर है उनको एक संग कर दे।
सजनी को याद कर मन भर आए।
मेरे साथ साथ रहो प्रिय।
यूं न रूठ मुझसे प्रिय।
बसंत सूखा सूखा जाएगा,
चमन को भी देख प्रिय।
प्रिय का दिन एक होता नहीं।
उम्र भर का है साथ हमारा।
राहें कितनी सुखद हो गई,
राहों में मधुबन देख प्रिय।
वृंदावन में आई गोपियां।
राधा को संग लाई गोपियां।
कान्हा आए टोली के संग,
बिखर गए कई रंग प्रिय।
प्रेम तो रूह का होता है।
एक जन्म का ये होता नहीं।
तुम छोड़ कर क्यों जाते हो,
क्या मुझसे कोई नाता नहीं।
जब बंध गया ये प्रेम का धागा।
न आधे कृष्ण न आधी है राधा।
दोनो का मिलन ब्रह्मांड देखे,
देखे दोनो का पक्का है वादा।

क्या कत्ल में मेरा वो भी था शामिल

संजीव ठाकुर,
रायपुर

क्या कत्ल में मेरे था वो भी शामिल,
कभी खँजर बदले तो कभी कातिल ।
शामिल था मै किश्तों में तेरी जिंदगी में,
कभी मुझे ख़ारिज किया कभी शामिल।
बड़े दिनों बाद रौशनी लौटी है शहर में,
आज पकड़ा गया है यारों मेरा कातिल।
लहरे थक गई है,सागर में मचलते हुए,
तलाशती है वो भी कहीं कोई शाहिल।
मेरे क़त्ल का इल्जाम न लगाना उस पर,
वो तो सिर्फ बेवफाई के जुर्म में है शामिल।
क़त्ल की आरजू भी,इल्तजा भी मेरी ही थी,
बेहद मासूम है,भला कैसे होगा वो कातिल।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

संदेशखाली में हिंसा से बंगाल में लग सकता है राष्ट्रपति शासन ?

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में बढ़ते हिंसा, बलात्कार के बढ़ते मामलों के कारण राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) जमीनी स्तर पर जानकारी जुटाने के बाद सक्रिय है। संदेशखाली की यात्रा के 24 घंटे के भीतर राष्ट्रपति भवन को एनसीएससी की पूर्ण पीठ ने रिपोर्ट भेज दी है जिसमें हर कदम पर बंगाल पुलिस प्रशासन द्वारा असहयोग से लेकर जांच में लापरवाही समेत कई और आरोप लगाकर बंगाल में राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा की गई है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के प्रमुख अरुण हलदर ने बताया कि आयोग ने संदेशखाली में टीएमसी समर्थकों द्वारा महिलाओं के कथित उत्पीड़न पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी अपनी रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को संदेशखाली का दौरा किया था। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा 19 फरवरी को संदेशखाली जाएंगी। वह सभी पीड़िताओं से बातचीत भी करेंगी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए संदेशखाली में हिंसा और यौन उत्पीड़न को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी एक जनहति याचकि दायर की गई है। याचिका में इसकी जांच बंगाल से बाहर कराने की मांग की गई है। बता दे कि पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले में स्थित बांग्लादेश की सीमा से सटे संदेशखाली क्षेत्र का नाम 5 जनवरी से पहले शायद ही किसी ने सुना होगा। अब संदेशखाली का नाम हर अखबार के पन्ने पर छाया हुआ है। आखिर संदेशखाली में क्या है विवाद, क्यों यहां के लोग ममता बनर्जी से हैं नाराज? मामले की जानकारी के लिए आपको बता दे कि बड़ी संख्या में संदेशखाली की महिलाएं पिछले कुछ दिनों से ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। इस बीच प्रदर्शनकारी महिलाओं और पुलिस के बीच झड़प की खबर भी आती रही है । महिलाओं का आरोप है कि ममता की पार्टी टीएमसी के नेता शेख शाहजहां ने उनका यौन उत्पीड़न किया और फिर जबरन जमीनों पर कब्जा कर लिया।

महिलाओं की मांग है कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके गुर्गों को गिरफ्तार किया जाए। महिलाओं ने पुलिस पर आरोपियों से सांठ-गांठ करने का आरोप भी लगाया है।इतना ही नहीं पीड़ित महिलाओं

के समर्थन में भाजपा नेता भी सड़क पर उतर आए हैं।स्पष्ट है कि संदेशखाली का मुद्दा पर राजनीतिक रंग रूप ले चुका है। भाजपा और टीएमसी एकदूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। भाजपा ने टीएमसी सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में फेल होने का आरोप लगाया है। टीएमसी ने भाजपा पर राजनीतिक फायदे के लिए विवाद को भड़काने का आरोप लगाया है।

बात है 5 जनवरी 2024 की है जब दिन से जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नॉर्थ 24 परगना जिला मुख्यालय से करीब 74 किलोमीटर दूर संदेशखाली में रहने वाले तृणमूल कांग्रेस के एक नेता शाहजहां शेख के घर रेड की थी। टीएमसी से जिला पंचायत सदस्य बने शाहजहां शेख के खिलाफ ईडी ने ये रेड करोड़ों रुपये के राशन घोटाले को लेकर की थी। तब शाहजहां शेख के लोगों ने ईडी की टीम को गांव में घुसने से रोक दिया। उस समय ईडी की टीम पर हमला भी हुआ और शाहजहां शेख के लोगों ने ईडी की टीम को तब तक उलझाए रखा जब तक कि शाहजहां शेख फरार नहीं हो गया।

ईडी की टीम को भी खाली हाथ वापस लौटना पड़ा और तब संदेशखाली की महिलाएं सामने आने लगीं। उन्होंने दावा किया कि शाहजहां शेख का संदेशखाली में इतना दबदबा रहा है कि उसने कई साल से महिलाओं की जमीन पर जबरदस्ती कब्जा कर रखा है। दावे के अनुसार शाहजहां शेख के गुंडे उन महिलाओं का यौन उत्पीड़न भी करते हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता 42 वर्षीय शाहजहां शेख जो 'भाई' के नाम से फेमस हैं, उन पर यौन शोषण और दबंगई जैसे ये गंभीर आरोप लग रहे हैं। यहां प्रदर्शनकारी महिलाएं शाहजहां शेख पर आरोप लगाते हुए रो पड़ती है ।

महिलाओं का दावा था कि टीएमसी के गुंडे घर-घर जाते हैं। वहां कोई खूबसूरत महिला दिखती है या फिर कम उम्र की कोई सुंदर लड़की दिखती है तो वो गुंडे उन महिलाओं-लड़कियों को पकड़कर पार्टी के ऑफिस लेकर जाते हैं। वो उन महिलाओं को कई-कई रात तक पार्टी ऑफिस में ही जबरन रखते हैं, उनका रेप करते हैं और जब मन भर जाता है तो उन्हें वापस छोड़ जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब संदेशखाली की महिलाओं के साथ लंबे वक्त से ऐसा अत्याचार हो रहा था, तो उन्होंने पहले आवाज क्यों नहीं उठाईं? इस पर महिलाओं कहना है कि ईडी की छापेमारी के बाद जब शाहजहां शेख और उसके आदमी संदेशखाली छोड़कर फरार हो गए, तब हमें बोलने की हिम्मत मिली और अब हमने अपने मुंह बांधकर अपने खिलाफ हुई ज्यादती को मीडिया में बयान किया है। संदेशखाली की महिलाओं ने शाहजहां शेख के अलावा टीएमसी के ही नेता उत्तम सरदार और शिवप्रसाद हजारा को भी इस भयानक ज्यादती के लिए जिम्मेदार ठहराया है। महिलाओं का दावा है कि किसी महिला का पति तो है लेकिन उस पति का अपनी पत्नी पर अधिकार नहीं है। कुछ पुरुषों को अपनी पत्नियों को हमेशा के लिए छोड़ना पड़ गया है क्योंकि टीएमसी के गुंडे उन्हें अपने साथ रख रहे हैं। ऐसे में गांव के पुरुषों ने घर छोड़ दिया है और वो दूसरे राज्यों में जाकर काम कर रहे हैं क्योंकि अगर वो यहां रहे तो उन्हें जान का खतरा है।

अपने साथ हुई ज्यादती को बताते हुए संदेशखाली की महिलाओं ने पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया था । शाहजहां शेख और शिवप्रसाद हजारा की गिरफ्तारी की मांग की तो मीडिया को भी पता चला कि संदेशखाली में हुआ क्या है। इस बीच 9 फरवरी को प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने शिवप्रसाद हजारा के तीन मुर्गी फॉर्म को आग के हवाले कर दिया और दावा किया कि जमीन उनकी है जिसे शिवप्रसाद हजारा ने जबरन हथिया लिया है।

अब जैसे ही ये खबर बाहर आई, विपक्ष को मुद्दा मिल गया। क्या भाजपा , क्या कांग्रेस और क्या लेफ्ट पार्टी, तीनों ने ही सीएम ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। महिलाओं की आवाज बनते हुए इन पार्टियों ने तत्काल ही संदेशखाली के आरोपी शाहजहां शेख और शिवप्रसाद हजारा की गिरफ्तारी के लिए प्रदर्शन शुरू कर दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को भी केरल दौरा बीच में छोड़ने पर मजबूर कर दिया और वो भी संदेशखाली पहुंच गए। पीड़ित महिलाओं से बातचीत के बाद राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने दावा किया कि उन्होंने जो देखा वो भयावह और हैरान कर देने वाला मामला है। वे बताते है कि उन्होंने वो देखा है, जो ताउम्र वे कभी नहीं देखना चाहेंगे । उन्होंने वो देखा, जो कभी नहीं देखा था। उन्होंने वो सुना, जो कभी नहीं सुना था। उनके अनुसार यह किसी भी सभ्य समाज के लिए ये एक शर्म की बात है। संदेशखाली से लौटने के बाद राज्यपाल ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी अपनी रिपोर्ट सौंपी है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्थानीय लोग चाहते हैं कि इस मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई जाए। हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्ष के तमाम दावों को राजनीति से प्रेरित करार दिया है और कहा है कि जो भी दोषी हैं, वो सलाखों के पीछे हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कह रही हैं कि संदेशखाली में जो हुआ है, उसके लिए ईडी जिम्मेदार है और संदेशखाली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गढ़ बन गया है। भाजपा कह रही है कि उनके नेताओं को संदेशखाली जाने से रोका जा रहा है, उनके प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुकांत मज़मूदार के साथ बशीरहाट की पुलिस ने हिंसा की है।भाजपा के नेता संदेशखाली जाना चाहते हैं, तो ममता बनर्जी की पुलिस उन्हें रोकना चाहती है। पिछले करीब एक हफ्ते से यही चल रहा है, लेकिन किसी ने भी उन पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने या फिर उनके खिलाफ हुई हिंसा पर मरहम लगाने के लिए अभी तक कुछ भी नहीं किया है।

किसानों की मांगें कितनी व्यावहारिक

किसानों का आंदोलन चल रहा है, लेकिन किसान संगठनों की मांगें क्या हैं? कृषि को आर्थिक रूप से व्यावहारिक बनाना तो दूर- जैसा कि आंदोलनकारी किसान नेताओं ने दावा किया है- अगर उनकी मांगें मान ली गईं तो पंजाब, हरियाणा और यूपी, इन तीन राज्यों की कृषि अर्थव्यवस्थाएं खस्ताहाल हो जाएंगी। यदि विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने वाले 200 किसान संघों के प्रतिनिधियों ने ठीक से हिसाब लगाया होता तो उन्हें एहसास हुआ होता कि भारत सरकार गंभीर वित्तीय संकट, ग्रामीण बैंकों को क्षति और माइग्रेशन को हतोत्साहित और बाधित किए बिना उनकी मांगों को पूरा नहीं कर सकती है, और ये तीनों ही फैक्टर उपरोक्त तीनों राज्यों में खेती का आधार हैं।

उदाहरण के लिए, किसान-संगठनों की इस मांग को लें कि मनरेगा के तहत दैनिक मजदूरी को बढ़ाकर 700 रु. प्रतिदिन करते हुए वर्तमान के 100 दिनों के बजाय प्रति वर्ष 200 दिनों की गारंटी वाले रोजगार में बदल दिया जाए। उनके द्वारा मांगी गई मजदूरी हरियाणा की मनरेगा मजदूरी से लगभग दोगुनी है और बिहार, यूपी, ओडिशा से तीन गुना से भी अधिक है। ये तीन राज्य ही सबसे अधिक प्रवासी श्रमिकों को पंजाब और हरियाणा भेजते हैं। वास्तव में किसानों को दुआ करनी चाहिए कि सरकार इस मांग को खारिज कर दे। क्योंकि अगर इसे स्वीकार किया जाता है तो बिहार, ओडिशा और यूपी में कृषि श्रमिकों को वर्तमान में मनरेगा के तहत मिलने वाली अधिकतम राशि से छह गुना अधिक राशि मिल सकती है।

मनरेगा के तहत उनकी दैनिक कमाई पंजाब या हरियाणा में औसत कुशल मजदूरी से कम से कम 50% अधिक होगी। इसलिए दूर-दराज के राज्यों में जाकर काम करने के लिए बहुत कम प्रोत्साहन होगा, जिसमें अक्सर अपने परिवारों से दूर झोपड़ियों में रहना होता है। प्रवासी श्रमिकों के बिना, इन राज्यों में कृषि और यहां तक कि गैर-कृषि क्षेत्रों में भी अधिकांश आर्थिक गतिविधियां रुक जाएंगी।

फिर मनरेगा पर खर्च बढ़ाने का सरकारी खजाने पर भी असर पड़ेगा। 2024-25 में मनरेगा आवंटन का बजट अनुमान 86,000 करोड़ रु. है। किसानों की मांग है कि इसे छह गुना बढ़ाया जाए (दैनिक मजदूरी में तीन गुना वृद्धि और गारंटीशुदा कार्यदिवसों में दो गुना)। लेकिन चूंकि यह एक गारंटी देने वाला कार्यक्रम है, इसलिए कहीं अधिक श्रमिक निजी क्षेत्र में काम करने के बजाय विस्तारित मनरेगा में काम करना पसंद करेंगे।

किसान संघ जिस विस्तारित मनरेगा की मांग कर रहे हैं, उससे सरकारी खजाने पर 5 लाख करोड़ से 8 लाख करोड़ रु. का खर्च आएगा। किसान यूनियनें 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी किसानों और कृषि श्रमिकों को 10,000 रु. प्रतिमाह या 1.2 लाख रु. प्रति वर्ष की पेंशन देने की मांग भी कर रही हैं। 60-79 वर्ष की आयु वालों को 300 रु. और 80 से अधिक वालों को 500 रु. की पेंशन मिलती है। गरीबों के लिए सार्वजनिक पेंशन बढ़ाने के तर्क जायज हैं, क्योंकि मौजूदा स्तर अपमानजनक हैं। यहां पर मुद्दा यह है कि सरकार को किसानों के लिए एक ऐसी सार्वजनिक पेंशन योजना क्यों बनानी चाहिए, जो गरीबों के लिए मौजूदा सार्वजनिक पेंशन योजना से 30 गुना अधिक हो? भारत में 60 या उससे अधिक उम्र के 15 करोड़ लोग हैं और उनमें से 71% या लगभग 11 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। इस प्रकार, प्रस्तावित पेंशन योजना की वार्षिक लागत 12 लाख करोड़ रु. के करीब होगी। केवल ये दोनों मांगें ही सरकारी बजट में 20 लाख करोड़ रुपए का गड्ढा करने के लिए काफी हैं। इस संख्या को अगर परिप्रेक्ष्य में रखकर देखें तो 2023-24 में, सरकार का कुल व्यय ही 48 लाख करोड़ रुपए था और कुल राजस्व संग्रह 31 करोड़ रुपए का (कर्जों के अतिरिक्त)। दूसरी मांगों की सूची भी लंबी है। किसान संघ किसानों और मजदूरों के लिए पूर्ण कर्ज-माफी की मांग कर रहे हैं। इसकी राजकोष पर लागत इस बात पर निर्भर करेगी कि 'पूर्ण' के अंतर्गत क्या कवर किया गया है।

एक ऐसा कानून बनाना जो एमएसपी की गारंटी देता है और एमएसपी के तहत 23 फसलों की खुली खरीद करना, 2013 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम का राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन करवाना, डब्ल्यूटीओ से भारत की वापसी और सभी मुक्त व्यापार समझौतों पर रोक लगाना- उन पर भी जो किसानों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं!

यह स्पष्ट है कि किसान यूनियनों ने बिना इस बात की परवाह किए सरकार के सामने अपनी मांगों की फेहरिस्त रख दी है कि उनके खेती, देशभर के किसानों और देश की इकोनॉमी पर किस प्रकार के दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं।

अर्थव्यवस्था में तेजी तो शेयर बाजारों में निराशा क्यों ?

बीते दिनों भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की वित्तीय वर्ष 2024 की आखिरी बैठक संपन्न हुई, जिसके नतीजे काफी हद तक उम्मीदों के मुताबिक रहे। लेकिन सरकारी बॉन्डों का रिटर्न (लाभ) बढ़ गया और इसकी घोषणा होते ही शेयर बाजार में मामूली गिरावट देखने को मिली। जब एमपीसी का रुख काफी हद तक अपेक्षा के अनुकूल ही था, तो शेयर बाजारों में यह निराशा क्यों?

इस बैठक में एमपीसी ने सभी दरों को मौजूदा स्तर पर बनाए रखने का फैसला किया। यह लगातार छठी बार है, जब रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास के मद्देनजर जीडीपी विकास का पूर्वानुमान उच्च स्तर पर रखा गया है। संसद में पेश अंतरिम केंद्रीय बजट के आंकड़ों के आधार पर वित्तीय घाटे को नियंत्रण में रखने की भी सराहना की गई। अनुमान लगाया गया कि मुद्रास्फीति लगातार कम होगी और वित्त वर्ष 2025 में औसत मुद्रास्फीति दर 4.5 फीसदी रहेगी। लेकिन चार कारणों से नीतिगत घोषणा अनुमान से अधिक कठोर रही। पहला, मुद्रास्फीति के दबाव को नियंत्रित करने के लिए अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति पर अंकुश लगाया जाएगा। फरवरी, 2023 से फरवरी, 2024 के शुरू तक पिछले 12 महीनों में रिजर्व बैंक ने तरलता पांच लाख करोड़ रुपये के बड़े दैनिक अधिशेष से घटाकर 1.1 लाख करोड़ रुपये के दैनिक घाटे में ला दिया है। बाजार इस तरलता घाटे को रिजर्व बैंक द्वारा पहले की गई दरों में बढ़ोतरी के तेजी से हस्तांतरण के रूप में देखता है। वास्तव में, पिछले 12 महीनों में ऋण दरों में औसतन 19 आधार अंकों की वृद्धि हुई है, जबकि जमा दरों में 80 आधार अंकों की तेज वृद्धि हुई है। चूंकि बैंकों के लिए जमा वृद्धि की तुलना में ऋण वृद्धि तेजी से बढ़ी है, इसलिए रिजर्व बैंक ने असुरक्षित खुदरा ऋण वृद्धि को कम करने के लिए और अधिक उपायों की घोषणा की है। ऐसे में, उम्मीद यह थी कि रिजर्व बैंक तरलता बढ़ाने वाले कुछ उपायों की घोषणा करेगा और बैंकों की तरलता बढ़ाने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) पर भी कुछ राहत देगा। लेकिन ऐसे किसी उपाय की घोषणा तो नहीं ही की गई, नीतिगत रुख को भी तटस्थ स्तर पर नहीं रखा गया। यह दूसरा कारण था, जिसने बाजार को अस्थिर किया।

तीसरा बिंदु अपेक्षित था, फिर भी इसने बॉन्ड और शेयर बाजारों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक इस सूचना को बार-बार प्रसारित करने के प्रति सतर्क रहे हैं कि वे ब्याज दरों में कटौती बाद में और बाजार की अपेक्षा से धीमी गति से करने के बारे में सोचेंगे। भारत में भी बाजार को उम्मीद थी कि अप्रैल से जून में रिजर्व बैंक दरों में कटौती करेगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने स्पष्ट किया कि मुद्रास्फीति के जोखिम अब भी संतुलित हैं, खासकर लाल सागर के व्यवधान और तेल की कीमतों के प्रभाव को देखते हुए। बाजार में इसे कठोर रुख के रूप में देखा गया और दर में कटौती की उम्मीदें आगे चली गईं। नतीजतन बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ गया और बैंकों के शेयर में मामूली गिरावट देखी गई। चौथा बिंदु उपभोक्ताओं के समर्थन में उठाए गए कदम को लेकर था, जिसके तहत रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए ऋण ग्राहकों की खातिर सभी शुल्कों को एक ब्याज दर गणना में शामिल करना अनिवार्य कर दिया। हम देखते हैं कि बैंक ऋण के लिए आकर्षक ब्याज दर की घोषणा करते हैं, मसलन वे 8.4 फीसदी ब्याज दर की घोषणा करते हैं, और फिर उसमें प्रोसेसिंग फीस, डाक्यूमेंटेशन फीस, अग्रिम ईएमआई और न जाने क्या-क्या जोड़ देते हैं। इतने सारे शुल्कों के कारण ग्राहकों को यह पता ही नहीं चल पाता कि उनके ऋण की वास्तविक लागत क्या है। इसलिए रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए सर्व-समावेशी ऋण दर घोषित करना अनिवार्य कर दिया है। इससे बैंकों के लाभ पर असर पड़ सकता है, खासकर निजी बैंकों को, जो ऐसे बहुत से शुल्क वसूलते हैं। अगले तीन महीनों में बैंकिंग प्रणाली 1.5 से 2.5 लाख करोड़ रुपये के घाटे में रह सकती है, बशर्ते रिजर्व बैंक तरलता बढ़ाने के लिए कोई उपाय नहीं कर देता। तरलता की आपूर्ति में कमी ने नीतिगत हस्तांतरण में तेजी ला दी है, लेकिन कम तरलता और बैंक ऋण पर सख्ती के साथ यह चिंता भी है कि ऋण वृद्धि में मौजूदा मजबूती कायम नहीं रह सकती है। यह बैंकों के लिए आत्म-सुधार तंत्र के रूप में कार्य कर सकता है और हम तरलता पर अधिक संतुलित रुख देख सकते हैं: बहुत सख्त नहीं, लेकिन बहुत ढीला भी नहीं।

विपक्ष को स्मार्ट होने के साथ तार्किक आलोचक भी होना जरूरी

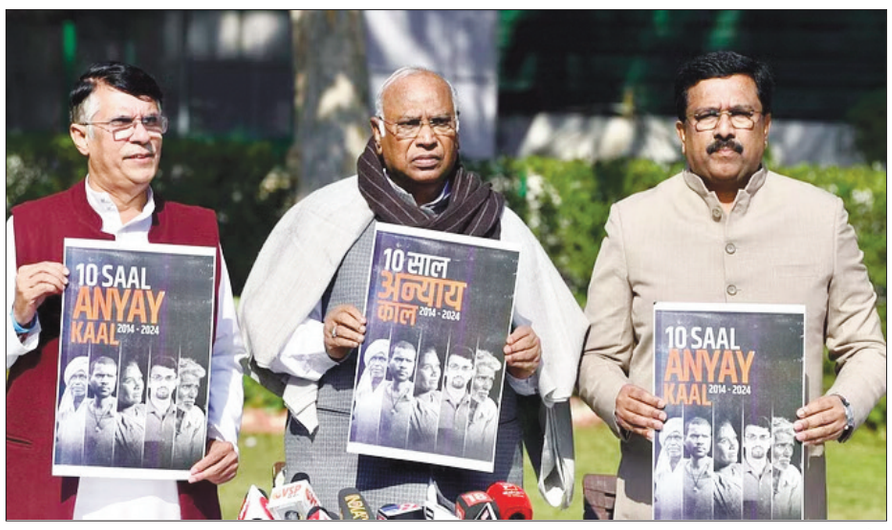

यह चुनावों से पहले का वह मौसम है, जब राजनेता अंतिम क्षण की लामबंदी के अनुसार अर्थव्यवस्था को आगे रख दावों एवं विवादों पर तीखी बयानबाजी शुरू करते हैं। जहां तक अर्थव्यवस्था की बात है, तो वास्तविकता का रंग न तो श्वेत, न काला, बल्कि भूरा ज्यादा दिखता है। इस हफ्ते की शुरुआत तीन दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा केंद्र द्वारा धन हस्तांतरण में भेदभाव किए जाने के विरोध में एकजुट होने से हुई, जो पहले ही केंद्रीय उपकरों एवं बढ़ते अधिभारों से त्रस्त हैं, जिन्हें राज्यों के साथ साझा भी नहीं किया जाता है। केंद्र सरकार ने तुरंत उनके दावों की निंदा की और इसे देश को बांटने की कोशिश का हिस्सा बताया। दरअसल, जो राज्य अपनी अर्थव्यवस्था का बेहतर ढंग से प्रदर्शन करते हैं, उन्हें एकत्रित संसाधनों का एक छोटा हिस्सा मिलता है। उदाहरण के लिए, करों में प्रत्येक रुपये के योगदान के लिए कर्नाटक को 15 पैसे और तमिलनाडु को 29 पैसे वापस मिलते हैं, जबकि बिहार को 7.06 रुपये और उत्तर प्रदेश को 2.73 रुपये मिलते हैं। जाहिर है कि यदि भाजपा डबल इंजन सरकार का चुनावी प्रलोभन दे रही है, तो विपक्ष भी करों के बंटवारे को भेदभाव के साधन के रूप में प्रस्तुत करने से चूकने वाला नहीं है। उल्लेखनीय है कि हस्तांतरण में फर्क हस्तांतरण के फॉर्मूले के कारण होता है, जिसका आधार यह है कि जो राज्य जितना गरीब और अधिक आबादी वाला होगा, उसे उतना ही अधिक धन मिलेगा।

यह सच है कि आजादी के बाद से भारत का विकास मंत्र यह रहा है कि कम समृद्ध राज्यों को विकास के लिए संसाधनों का अधिक हिस्सा दिया जाए। उदाहरण के लिए, बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे अधिक आबादी वाले राज्य हैं, जहां प्रति व्यक्ति आय सबसे कम क्रमशः 54,111 रुपये और 83,565 रुपये है और वे अतिरिक्त सहायता के हकदार भी हैं। यह भी उतना ही सच है कि नई सहस्राब्दी में किसी भी व्यवस्था को बढ़ावा देने और हतोत्साहित करने के बीच तालमेल के लिए विकसित होना चाहिए। ऐसे में, बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की नाराजगी समझी जा सकती है। सवाल यह है कि क्या वैसे राज्य जो बेहतर प्रदर्शन का चक्र बनाए रखते हैं, उन्हें कोई इनाम दिया जा रहा है?, क्या यह फॉर्मूला उस राज्य को किसी तरह से पुरस्कृत करने वाला है, जिसने निवेश के लिए माहौल में सुधार किया है और रोजगार को बढ़ाया है। जाहिर है कि यह बिल्कुल सही समय है, जब करों के बंटवारे के फॉर्मूले पर एक बार फिर विचार किया जाए। लेकिन यह संदर्भ संघ और राज्यों के बीच परिपक्व संवाद की मांग करता है, न कि तीखी बयानबाजी की। आदर्श रूप से, कांग्रेस, वामपंथी और अन्य क्षेत्रीय दलों को हर राज्य की राजधानियों में नए हस्तांतरण फॉर्मूले और घोषणापत्र पर वैकल्पिक मॉडल रखकर एक सम्मेलन बुलाना चाहिए था, जिसमें वित्तमंत्री और अर्थशास्त्री भी शामिल हों और लोगों से इस पर मतदान करने के लिए कहना चाहिए। इस पूरे हफ्ते अर्थशास्त्र पर राजनीति चलती रही। सरकार ने यूपीए सरकार की कई विफलताओं को सूचीबद्ध करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था पर 59 पृष्ठों का एक श्वेत पत्र जारी किया, जिसका केंद्रीय विषय फिजूलखर्ची और भ्रष्टाचार हैं। और इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कैसे इस सरकार ने अर्थव्यवस्था को नाजुक स्थिति से मजबूती तक पहुंचाया और अमृत काल का मार्ग प्रशस्त किया। कांग्रेस ने भी बगैर देरी किए 'दस साल अन्याय काल' शीर्षक से 54 पृष्ठों का एक काला पत्र जारी करके इसका प्रतिकार किया। सरकार के पास गर्व करने लायक बहुत कुछ है-डिजिटल और भौतिक अवसंरचनाओं को बढ़ावा देने से लेकर राजकोषीय अनुशासन और सुर्खियों में रहने वाले 7.3 फीसदी के सकल घरेलू उत्पाद विकास अनुमान तक। लेकिन जीवनयापन की लागत और आजीविका के मुद्दों से निपटने के लिए इसे संघर्ष करना पड़ा है। लगभग सभी जनमत सर्वेक्षणों में लोगों ने मुद्रास्फीति और बेरोजगारी को अपनी भलाई और भविष्य को प्रभावित करने वाले गंभीर मुद्दों के रूप में रेखांकित किया है।

मुद्रास्फीति से संबंधित आंकड़ा बहुत गंभीर है। दिसंबर, 2023 में जब समग्र मुद्रास्फीति 5.7 फीसदी थी, खाद्यान्न मुद्रास्फीति 9.5 फीसदी थी, जो एक साल पहले 4.19 फीसदी थी। ग्रामीण मजदूरी में ठहराव से यह पीड़ा और बढ़ गई। इसका असर कम लागत के उत्पादों पर कॉरपोरेट रिपोर्टिंग और जीडीपी के आंकड़े में भी दिखाई देता है। निजी अंतिम उपभोग व्यय 4.4 फीसदी था, जबकि जीडीपी सात फीसदी से अधिक होने का अनुमान है। सब्जियों की कीमतें 27, दालों की 20, मसालों की 19.6 और अनाज की 9.9 फीसदी तक बढ़ी हैं। दिलचस्प बात यह है कि पोल्ट्री और मांस उत्पादों की कीमतें उतनी नहीं बढ़ी हैं। यह लगभग ऐसा ही है, मानो मुद्रास्फीति शाकाहारी हो गई है। शुक्र है कि सरकार के पास 81 करोड़ नागरिकों के लिए मुफ्त भोजन कार्यक्रम है, अन्यथा स्थिति गंभीर होती। लोगों के मन में बेरोजगारी का विचार उनके अनुभवों और आंकड़ों के बीच के स्थायी विरोधाभास को दिखाता है, जो सरकारी विभागों में 20 लाख से ज्यादा खाली पदों और नौकरियों के लिए मारामारी में दिखता है। भारत 15 लाख से अधिक इंजीनियर पैदा करता है और इस महीने के प्रारंभ में आईटी सेवा कंपनियों ने संकेत दिया था कि इस बार कैंपस भर्ती दो दशकों में सबसे कम हो सकती है। एमबीए कॉलेजों में कैंपस प्लेसमेंट में गिरावट आई है, क्योंकि कंपनियां अनिश्चित हैं। आवधिक श्रम बल के सर्वेक्षण से पता चलता है कि केवल 20 फीसदी श्रमबल के पास वेतनभोगी नौकरी है, 21 फीसदी आकस्मिक श्रम में लगे हैं और 57 फीसदी लोग खुद को स्व-रोजगारकर्ता बताते हैं। वास्तव में सबसे अधिक आबादी वाले और सबसे गरीब राज्यों में वेतनभोगी श्रमिकों का प्रतिशत सबसे कम है और स्व-रोजगार करने वालों की संख्या ज्यादा। अब भी मतदाताओं की पहली पसंद भाजपा है। विपक्ष सरकार की आलोचना करता है, पर वैकल्पिक मॉडल पेश नहीं कर पा रहा है। कांग्रेस के 2019 के घोषणा-पत्र में कुछ विचार थे, जिनमें से किसी को भी उन राज्यों में लागू नहीं किया गया, जहां वह सत्ता में थी। स्मार्ट नेताओं का तर्क है कि नेतृत्व प्रभावी ढंग से 'एक' और 'एक' को मिलाकर 'तीन' बनाने पर निर्भर करता है।

इस मंदिर में भगवान विष्णु से कर्जा वसूलने हर साल आते हैं कुबेर देव, रोचक है कहानी

चमोली. उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र अपनी भौगोलिक संरचना के कारण अन्य क्षेत्रों से अलग माने जाते हैं, इसी कारण इन क्षेत्रों में कई मंदिर हैं, जहां देवता निवास करते हैं। जिनके दर्शनों के लिए देश भर से लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं, उन्हीं में से एक है धन के देवता कुबेर का मंदिर, जिसका बैकुंठ धाम बद्रीनाथ धाम से गहरा नाता है। चमोली जिले में बद्रीनाथ धाम से 18 किलोमीटर पहले पांडुकेश्वर गांव स्थित है, जहां धन के देवता कुबेर का मंदिर स्थित है। मंदिर का बद्रीनाथ धाम से भी गहरा नाता है, उसका कारण है धाम के कपाट खुलने के बाद बद्रीश पंचायत में कुबेर जी और उद्धव जी की डोली का पांडुकेश्वर में रहना। दरअसल भगवान बद्री विशाल खजांची कुबेर के ऋणी हैं। यही वजह है कि प्रति वर्ष बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने पर कुबेर जी नारायण से अपना ऋण वसूलने के लिए उनकी पंचायत (बद्रीश पंचायत) में विराजमान होते हैं।

लोक मान्यताओं में कहा जाता है कि एक बार भगवान विष्णु ने किसी खास काम के लिए कुबेर से ऋण लिया था, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी भगवान विष्णु अपनी उधारी नहीं चुका पाए थे। जब कुबेर को लगा कि भगवान विष्णु अपना ऋण नहीं चुका पा रहे हैं, तो उन्होंने फैसला किया कि ग्रीष्म ऋतु में यात्राकाल के दौरान बद्रीनाथ पहुंचकर वह भगवान विष्णु से अपने धन को वसूलेंगे। जिसके बाद से प्रतिवर्ष जब बद्री विशाल के कपाट खोले जाते हैं, तो कुबेर जी और उद्धव जी को बद्रीनाथ धाम ले जाते हैं, जहां यात्रा काल के 6 महीने उनकी पूजा अर्चना की जाती है। वहीं यह भी माना जाता है कि हेमकुंड साहिब के पास कुबेर देव का एक बड़ा महल है। उस महल के भीतर बड़ा खजाना है। कहा जाता है कि जब कोई देवता मनुष्य पर अवतरित होते हैं, तो अपनी बोलने की शक्ति अर्जित करने के लिए दीवार का पेड़ (दीवार मूंडी) कुबेर महल के पास जाते हैं।

अलका नगरी के स्वामी कुबेर देव

पूर्व धर्माधिकारी भुवन उनियाल बताते हैं कि कुबेर जी का संबंध भगवान बद्री विशाल से है क्योंकि यह भगवान बद्री विशाल के साथ पूजित होते हैं। कुबेर भगवानों के खजांची हैं और अलका नगरी के स्वामी हैं। साथ ही वह यक्षों के राजा हैं। वह आगे कहते हैं कि कुबेर देव ने त्रिपुरा बालाजी (वेंकटेश्वर भगवान) की शादी में धन धान्य दिया था, जिस कारण उन्हें 9 निधियों का स्वामी कहा जाता है।

जिस चीज का विरोध न हो, उसको करने में कोई रस ही नहीं रह जाता

आंख बंद करके कभी कोई भगवान के मंदिर में जा सका है? और आंख बंद करके अगर आप भगवान के मंदिर में पहुंच भी गए, तो बंद आंख में आपको भगवान दिखाई नहीं पड़ेंगे, जिससे आप भाग कर आए हैं वही दिखाई पड़ता रहेगा, आप उसी से बंधे रह जाएंगे।

शायद कुछ लोग मेरी बातें सुन कर समझते हैं कि मैं सेक्स का पक्षपाती हूं। मेरी बातें सुन कर शायद लोग समझते हैं कि मैं सेक्स का प्रचार करना चाहता हूं। अगर कोई ऐसा समझता हो तो उसने मुझे कभी सुना ही नहीं है, ऐसा उससे कह देना। इस समय पृथ्वी पर मुझसे ज्यादा सेक्स का दुश्मन आदमी खोजना मुश्किल है। और उसका कारण यह है कि मैं जो बात कह रहा हूं, अगर वह समझी जा सकी, तो मनुष्य-जाति को सेक्स के ऊपर उठाया जा सकता है, अन्यथा नहीं। और जिन थोथे लोगों को हमने समझा है कि वे सेक्स के दुश्मन थे, वे सेक्स के दुश्मन नहीं थे। उन्होंने सेक्स में आकर्षण पैदा कर दिया, सेक्स से मुक्ति पैदा नहीं की। सेक्स में आकर्षण पैदा हो गया विरोध के कारण।

मुझसे एक आदमी ने कहा है कि जिस चीज का विरोध न हो, उसको करने में कोई रस ही नहीं रह जाता। चोरी के फल खाने जितने मधुर और मीठे होते हैं, उतने बाजार से खरीदे गए फल कभी नहीं होते। इसीलिए अपनी पत्नी उतनी मधुर कभी नहीं मालूम पड़ती, जितनी पड़ोसी की पत्नी मालूम पड़ती है। वे चोरी के फल हैं, वे वर्जित फल हैं। और सेक्स को हमने एक ऐसी स्थिति दे दी, एक ऐसा चोरी का जामा पहना दिया, एक ऐसे झूठ के लिबास में छिपा दिया, ऐसी दीवालों में खड़ा कर दिया, कि उसने हमें तीव्र रूप से आकर्षित कर लिया है।

बर्ट्रेंड रसेल ने लिखा है कि जब मैं छोटा बच्चा था, विक्टोरियन जमाना था, स्त्रियों के पैर भी दिखाई नहीं पड़ते थे। वे कपड़े पहनती थीं, जो जमीन पर घिसटता था और पैर नहीं दिखाई पड़ता था। अगर कभी किसी स्त्री का अंगूठा दिख जाता था, तो आदमी आतुर होकर अंगूठा देखने लगता था और कामवासना जग जाती थी! और रसेल कहता है कि अब स्त्रियां करीब-करीब आधी नंगी घूम रही हैं और उनका पैर पूरा दिखाई पड़ता है, लेकिन कोई असर नहीं होता!

तो रसेल ने लिखा है कि इससे यह सिद्ध होता है कि हम जिन चीजों को जितना ज्यादा छिपाते हैं, उन चीजों में उतना ही कुत्सित आकर्षण पैदा होता है। अगर दुनिया को सेक्स से मुक्त करना है, तो बच्चों को ज्यादा देर तक घर में नग्न रहने की सुविधा होनी चाहिए। जब तक बच्चे घर में नग्न खेल सकें—लड़के और लड़कियां—उन्हें नग्न खेलने देना चाहिए। ताकि वे एक-दूसरे के शरीर से भली-भांति परिचित हो जाएं और कल रास्तों पर उनको किसी स्त्री को धक्का देने की कोई जरूरत न रह जाए। ताकि वे एक-दूसरे के शरीर से इतने परिचित हो जाएं कि किसी किताब पर नंगी औरत की तस्वीर छापने की कोई जरूरत न रह जाए। वे शरीर से इतने परिचित हों कि शरीर का कुत्सित आकर्षण विलीन हो सके।**(क्रमशः)**

आज गुप्त नवरात्रि नवमी का योग

सूर्य पूजा से करें दिन की शुरूआत, गायत्री मंत्र का करें जप और सुहाग का सामान करें दान

रविवार, 18 फरवरी को माघ मास की गुप्त नवरात्रि खत्म हो रही है। रविवार और गुप्त नवरात्रि नवमी के योग में देवी दुर्गा के साथ ही सूर्य देव की भी विशेष पूजा जरूर करनी चाहिए। माना जाता है कि सूर्य पूजा से ज्ञान, मान-सम्मान और स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

गुप्त नवरात्रि में देवी सती की दस महाविद्याओं के लिए साधनाएं की जाती हैं। ये साधनाएं विशेष साधक ही करते हैं, सामान्य लोगों को देवी दुर्गा और उनके नौ स्वरूपों की पूजा इन दिनों में करनी चाहिए। माघ मास की गुप्त नवरात्रि रविवार को खत्म हो रही है, जानिए इस दिन देवी पूजा के साथ ही कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

सूर्य पूजा से करें दिन की शुरुआत

ज्योतिष में सूर्य को रविवार का कारक ग्रह बताया गया है। ये ग्रह सिंह राशि का स्वामी और सभी नौ ग्रहों का राजा है। जिन लोगों की कुंडली में सूर्य की स्थिति ठीक नहीं होती है, उन लोगों को हर रविवार सूर्य की विशेष पूजा करने की सलाह दी जाती है। रविवार की सुबह जल्दी उठें और सूर्योदय के समय अर्घ्य चढ़ाना चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और सूर्य मंत्र ऊँ सूर्याय नमः बोलते हुए अर्घ्य अर्पित करें। इस दिन सूर्य की चीजें जैसे गुड़, ताबें के बर्तनों का दान करना चाहिए।

देवी पूजा में करना चाहिए गायत्री मंत्र का जप

देवी गायत्री का मंत्र स्वयं सिद्ध माना जाता है। इस मंत्र का जप करने से भक्त की पूजा बहुत सफल हो सकती है। गुप्त नवरात्रि की नवमी तिथि पर देवी दुर्गा की पूजा करें और पूजा में दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप करें। इसके बाद गायत्री मंत्र - ऊँ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्।। का जप करना चाहिए। मंत्र जप कम से कम 108 बार करेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। मंत्र का जप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का इस्तेमाल करना श्रेष्ठ होता है।

इस मंत्र के जप से उत्साह और सकारात्मकता मिलती है, तामसिकता दूर होती है, परमार्थ कार्यों में रुचि जागती है, आशीर्वाद देने की शक्ति बढ़ती है, क्रोध शांत होता है, ज्ञान की वृद्धि होती है।

लगातार ध्यान करते हुए मंत्र जाप करने से निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। रोज मंत्र जाप करने वाले व्यक्ति का स्वभाव शांत और आकर्षक होने लगता है।

भारत के वो 5 मंदिर, जो सिर्फ एक रात में बनकर हो गए थे तैयार

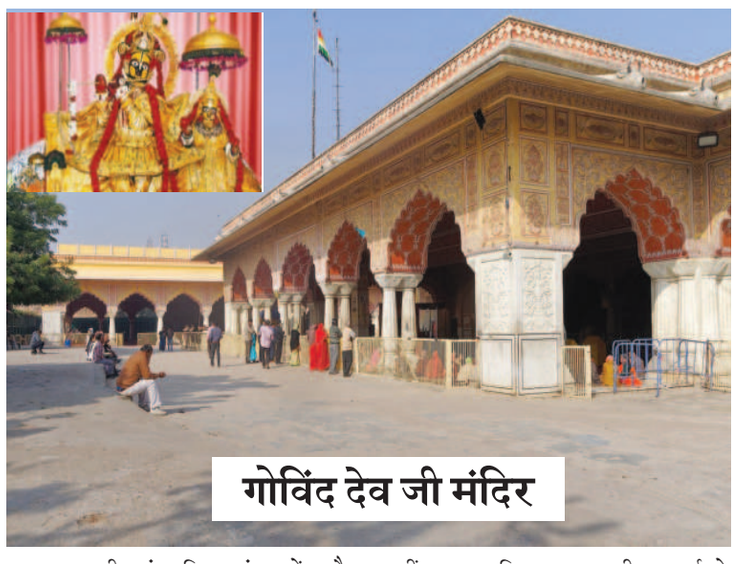

गोविंद देव जी मंदिर

भारत अपनी संस्कृति, परंपराओं और विभिन्न धर्मों के मेल के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। देश में कई ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन स्थल हैं, जहां पर्यटक उनके आध्यात्मिक महत्व का अनुभव करने के लिए आते हैं। इन स्थलों में ऐसे मंदिर भी हैं जो किसी चमत्कार से कम नहीं लगते। इनमें से कई मंदिरों का इतिहास हजारों साल पुराना है, प्रत्येक के निर्माण के पीछे की अपनी अनूठी कहानी है। आइए आज कुछ ऐसे मंदिरों की दिलचस्प कहानियों पर गौर करें जिनके बारे में माना जाता है कि इनका निर्माण रातों-रात कर दिया गया था। इनके निर्माण के पीछे की कहानियाँ भी उतनी ही दिलचस्प हैं जितनी कि संरचनाएँ।

गोविंद देव जी मंदिर का रहस्य

उत्तर प्रदेश के वृन्दावन में स्थित, गोविंद देव जी मंदिर के बारे में स्थानीय लोगों का मानना है कि इसका निर्माण रातोरात किया गया था। स्थानीय किंवदंती के अनुसार, इस संरचना का निर्माण भगवान विष्णु के सम्मान में देवताओं और राक्षसों दोनों द्वारा किया गया था। ऐसा कहा जाता है कि मंदिर अधूरा छोड़ दिया गया था क्योंकि वे इसे सूर्योदय से पहले पूरा नहीं कर सके थे।

देवघर मंदिर की पहेली

झारखंड में, भगवान शिव को समर्पित देवघर मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने किया था। किंवदंती है कि एक बार रावण ने एक शिव लिंगम को लंका ले जाने की इच्छा जताई। भगवान शिव सहमत हुए लेकिन इस शर्त के साथ कि लिंगम को जमीन को नहीं छूना चाहिए। रावण की चतुराई के बावजूद, लिंगम जमीन को छू गया, जिससे उसे हिलाना मुश्किल हो गया। इसलिए भगवान विश्वकर्मा को रातों-रात मंदिर का निर्माण करना पड़ा।

ककनमठ मंदिर का रहस्य

मध्य प्रदेश के मुरैना की पहाड़ियों के बीच स्थित ककनमठ मंदिर अपनी रहस्यमयी संरचना के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि इसे मोर्टार या सीमेंट के उपयोग के बिना, भक्तों और आत्माओं द्वारा रातोंरात बनाया गया था।

ककनमठ मंदिर

देवघर मंदिर

हथिया देवी मंदिर की पहेली

उत्तराखंड के पिथोरागढ़ में हथिया देवी मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है। किंवदंती है कि एक मूर्तिकार ने एक हाथ से चमत्कारिक ढंग से रातों-रात इस मंदिर का निर्माण किया। हालाँकि, भीड़ और अंधेरे के कारण, शिव लिंगम को उल्टा रख दिया गया, जिससे यह पूजा के लिए अयोग्य हो गया।

रहस्यमय भोजेश्वर मंदिर

मध्य प्रदेश में स्थानीय किंवदंती है कि अपने निर्वासन के दौरान, पांडवों को भगवान शिव का सपना आया, जिन्होंने उन्हें उस स्थान पर एक मंदिर बनाने की सलाह दी, जिसकी उन्होंने कल्पना की थी। इस दिव्य मार्गदर्शन पर कार्य करते हुए, भोजेश्वर मंदिर का निर्माण रातोंरात किया गया।

ये मंदिर न केवल पूजा स्थल के रूप में काम करते हैं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने में बुने हुए मिथक और किंवदंतियों की समृद्ध टेपेस्ट्री के प्रमाण के रूप में भी खड़े हैं। उनकी रचना के पीछे की कहानियाँ दिलचस्प और विस्मयकारी बनी हुई हैं, जो दूर-दूर से आगंतुकों को उनके रहस्यमय आकर्षण को प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए आकर्षित करती हैं।

हथिया देवी मंदिर

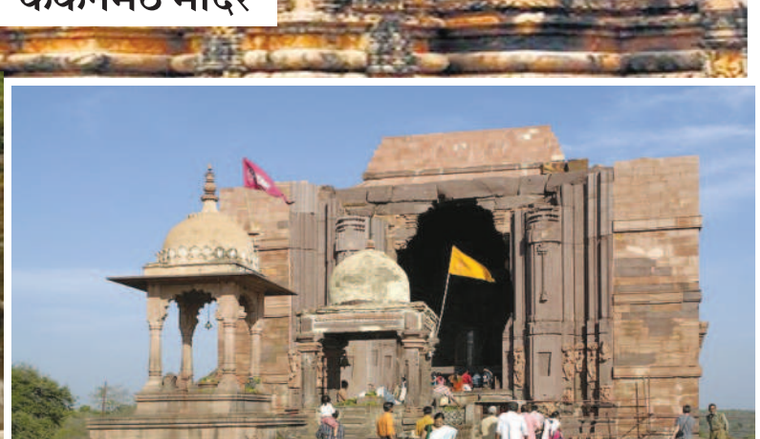

भोजेश्वर मंदिर

वास्तु के हिसाब से ऑफिस टेबल पर क्या-क्या होना चाहिए?

ब्लैक पेन स्टैंड- अपने टेबल पर एक ब्लैक पेन स्टैंड जरूर रखें। वास्तु सलाहकार दिव्या छाबड़ा का कहना है कि इसे रखने से आपका काम के प्रति फोकस बढ़ता है। स्टैंड में रंग-बिरंगे पेन रखें।

साफ और व्यवस्थित- अपने ऑफिस टेबल को साफ और व्यवस्थित ढंग से सजाए। साफ-सुथरे जगह पर हम अपने काम को सही ठंग से कर पाते हैं।

टेबल पर लगाएं हैप्पी इमेज- अपने ऑफिस टेबल पर हैप्पी इमेज लगाएं। दिव्या छाबड़ा के मुताबिक आप अपनी भी हैप्पी इमेज लगा सकते हैं, या आपको जिनसे मोटिवेशन मिलता है उनकी ही कोई तस्वीर लगा सकते हैं।

टेबल पर रखें पीली नोटबुक और लाल पेन: अपनी ऑफिस टेबल पर आप पीली नोटबुक और लाल पेन को रख सकते हैं। इससे आपके काम की प्रोडक्टिविटी बढेगी। आप का काम में मन लगेगा। इस नोटबुक पर हर दिन कुछ न कुछ जरूर लिखें।

टेबल क्लॉक: कहा जाता है कि समय की कीमत जानने वाले लोग जल्द ही कामयाबी हासिल कर लेते हैं। इसलिए अपने ऑफिस टेबल पर एक छोटी सी घड़ी को जरूर रखें। ध्यान रहे कि यह आपके बाये ओर हो।

यह चीज होने से आपको अपना काम निर्धारित समय पर करने की जल्दी रहेगी। इससे आप अपना गोल जल्दी अचीव करेंगे।

टेबल पर रखें ये पौधे- अपने ऑफिस टेबल पर आप इंडोर प्लांट्स रख सकते हैं। इसमें सबसे अच्छा पौधा रहेगा इंग्लिश IV और पीस लिली। आप इन दोनों में से कोई एक रख सकते हैं। इंग्लिश IV और पीस लिली आपको शुद्ध ऑक्सीजन देंगे। ये पौधे हवा को साफ करने वाले होते हैं। अगर आप इनके पास रहेंगे तो आपको स्ट्रेस भी नहीं होगा। आप स्वस्थ रहेंगे।

टॉक्सिक में शाहरुख खान के कैमियो की खबरों पर यश ने दी प्रतिक्रिया, बोले- सूत्रों पर विश्वास न करें

सुपरस्टार यश को केजीएफ फ्रेंचाइजी के लिए जाना जाता है। इस फिल्म से उन्होंने पूरे देश में जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल की। फिल्म के दूसरे भाग के बाद से ही यश किसी भी फिल्म में नजर नहीं आए हैं। वे इन दिन अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर अब तक कई अफवाहें सुनने को मिल चुकी हैं। हाल ही में सूत्रों के हवाले से बताया था कि फिल्म में करीना कपूर खान नजर आने वाली हैं। इसके बाद अभिनेत्री की टीम की ओर से एक बयान में इन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी।

टीम की ओर से कहा गया था, "करीना कपूर खान की अगली फिल्म के बारे में कई अटकलें लगाई जा रही हैं। हम मीडिया से अनुरोध करते हैं कि वे करीना कपूर को उनके अगले प्रोजेक्ट और किसी फिल्म की स्टार कास्ट का हिस्सा बताने से बचें। बहुत जल्द कुछ बहुत रोमांचक होने वाला है। हम सभी से आधिकारिक घोषणा की प्रतीक्षा करने का अनुरोध करते हैं।

इस बीच फिल्म को लेकर कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस यश की फिल्म में शाहरुख खान कैमियो करते नजर आ सकते हैं। अब इन खबरों पर यश की प्रतिक्रिया सामने आई है। अभिनेता ने हाल ही में इस पर बात करते हुए कहा कि अब तक कुछ भी कंफर्म नहीं है। फिल्म के निर्माता जल्द ही इसकी स्टार कास्ट की आधिकारिक घोषणा करेंगे। तब सभी को इस बारे में पता चल जाएगा। तब तक के लिए किसी भी सूत्रों के हवाले से आई खबरों पर विश्वास न करें।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख ने अभी तक इस फिल्म के लिए हामी नहीं भरी है और न ही इसे रिजेक्ट किया है। टॉक्सिक एक निर्देशक के रूप में गीतू मोहनदास की पहली कन्नड़ फिल्म है। अप्रैल 2025 में इस फिल्म के रिलीज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

'वक्त' किसी का इंतजार नहीं करता : सारा

सारा हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'मर्डर मुबारक' का हिस्सा है जो उसकी फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' से एक हफ्ते पहले आएगी। ये दोनों ही फिल्में ओ.टी.टी. पर सीधे रिलीज होंगी। 'मर्डर मुबारक' सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है।

सारा अली खान ने हाल ही में खुद के साथ समय बिताने के लिए समय निकाला और ज्ञान की कुछ बातें अपने फैन्स के साथ साझा कीं और कहा कि 'भूल जाना और जीवन में खुद को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है।

सारा ने अपने इंस्टाग्राम पर सूर्यास्त को देखते तस्वीरें शेयर कीं। उसने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन दिया, कभी-कभी हम खुद से बातचीत करते हुए खूबसूरत पल बिताते हैं। अपने आप को यह याद दिलाने के लिए सूर्यास्त देखना जरूरी है कि समय किसी का इंतजार नहीं करता और आप मुट्ठी में रेत को पकड़कर नहीं बैठ सकते। तो पुरानी बातों को भूलने और खुद को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। दिल पर बोझ मत रखो और आप जैसे हो, खुद को बस वैसा ही रहने दो।

सारा की इन तस्वीरों और इनके कैप्शन को देखकर फैन्स अंदाजा लगा रहे हैं कि कहीं सारा हार्टब्रेक यानी 'ब्रेकअप' से तो नहीं गुजर रही है?

सारा का सहारा अपने चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती है। यही नहीं वह अपनी मां से कितना प्यार करती है, यह भी हर कोई जनता है। हाल ही में मां को जन्मदिन पर बधाई देने के साथ ही उसने उनके प्रति अपना प्यार भी व्यक्त किया है। उसकी मां अमृता सिंह 66 साल की हो गई हैं। सारा ने दो अनदेखी तस्वीरें शेयर कर उनको बर्थडे विश किया। इन तस्वीरों के साथ उसने लिखा, ₹मेरी दुनिया मेरी मॉमी जान, मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य है आपका मान और आपकी आन-बान-शान में बढ़ौतरी करना।

इसके साथ ही सारा ने यह भी लिखा, ₹आप ही मेरी दुनिया और जहान हो। थैंक्यू मां आपने दिया इतना बड़ा आसमान कि मैं उड़ान का सपना देख सकूं।

गौरतलब है कि सारा अपने माता-पिता (अमृता सिंह और सैल अली खान) के तलाक के बाद से ही मां के साथ रहती है। दोनों के बीच बहुत गहरा संबंध है। अक्सर मां-बेटी की ये जोड़ी साथ में पार्टी करती और छुट्टियों पर अच्छा समय बिताती हुई नजर आ जाती है।

2 फिल्में होंगी रिलीज

सारा हॉरर कॉमेडी फिल्म 'मर्डर मुबारक' का हिस्सा है जो उसकी फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' से एक हफ्ते पहले आएगी। ये दोनों ही फिल्में ओ.टी.टी. पर सीधे रिलीज होंगी।

होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी 'मर्डर मुबारक' 15 मार्च को आएगी जो सस्पैंस और थ्रिलर से भरपूर है जबकि 'ऐ वतन मेरे वतन' 21 मार्च को हिन्दी के साथ ही तमिल, तेलुगु, मलयालम एवं कन्नड़ भाषाओं में रिलीज की जाएगी। उसकी अन्य फिल्मों में 'मैट्रो... इन दिनों', 'डॉन 3' से लेकर 'भूल भुलैया 3' शामिल हैं।

'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना' : कुशा कपिला

एक हालिया इंटरव्यू में कुशा कपिला से पूछा गया कि फिल्म इंडस्ट्री में किसी भी चीज से डील करना हो तो वह सलाह के लिए किसके पास जाती है तो उसने बताया, ₹मैंने करण जौहर से सलाह ली है। जब भी मैं किसी कंट्रोवर्सी में फंसी हूं तो मैं उनसे जरूर पूछती हूं कि सर, मुझे रास्ता दिखाइए। आगे क्या रास्ता है? करण जौहर मेरे पहले डायरैक्टर हैं। एक तो वह बहुत अच्छी सलाह देते हैं, वह बहुत खुल कर बोलते हैं और इतना ही नहीं, वह बहुत अच्छे से लिखकर भी सलाह देते हैं। मैं जब भी किसी विवाद में फंसी और मैंने उनसे बात की, तब वह मुझसे कहते हैं 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना'। वह अपनी सलाह को बहुत अच्छे मैसेज के साथ खत्म करते हैं। वह इस मामले में बहुत अच्छे हैं। ऊपर से उन्होंने इंडस्ट्री में इतना कुछ देखा है, तो वह सब समझते हैं।

उसने आगे बताया, मैंने एक बार शिल्पा शैट्टी से भी पूछा था कि मैम, आप इस सब से कैसे डील करते हो। उन्होंने कहा कि यह गुजर जाएगा। जितना शांत होकर वह मुझसे यह बात कहती थीं, उसे सुनकर ही मन शांत हो जाता था।

गौरतलब है कि वैब सीरीज 'घोस्ट स्टोरीज' के बाद कुशा 'मसाबा मसाबा' और 'प्लान ए प्लान बी' जैसे प्रोजैक्ट्स में भी नजर आ चुकी है। उसने अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की फिल्म 'सैल्फी' में भी एक छोटा-सा रोल किया था। बीते साल वह भूमि पेडणेकर, शहनाज गिल, शिबानी बेदी स्टारर फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' और शिल्पा शैट्टी की फिल्म 'सुखी' में भी नजर आई थी। हाल ही में उसकी वैब सीरीज 'देहाती लड़के' रिलीज हुई है।

एल्विश ने कहा था ' सस्ती करीना कपूर'

'बिग बॉस ओ.टी.टी. 2' के विजेता रहा एल्विश यादव अपने वीडियोज और बयानों को लेकर चर्चा में रहता है। एक बार उसने कुशा कपिला को 'सस्ती करीना कपूर' कह दिया था। अब कुशा ने कहा है कि एल्विश का यह कमैंट करना काफी गलत था।

उसके अनुसार, ऐसा कहने का मतलब क्या है? करीना कपूर ने इसके लिए किसी को परमिशन नहीं दी है। वह बेगम हैं। उनका नाम कहीं भी इस्तेमाल करने के लिए पहले उनसे परमिशन ले लीजिए। इस तरह बिना किसी की परमिशन के नाम लेना गलत है। उसने मुस्कुराते हुए कहा कि अब एल्विश ने उसकी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है।

'सैर-सपाटे' और 'फोटोग्राफी' की शौकीन : शरवरी वाघ

फिल्मों से भरी झोली

शरवरी ने 'प्यार का पंचनामा', 'बाजीराव मस्तानी', 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी सफल फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरैक्टर करियर शुरू करने के बाद वैब सीरीज 'द फॉरगॉटन आर्मी' के साथ अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। फिर उसने फिल्म 'बंटी और बबली 2' से बॉलीवुड फिल्मों में कदम रखे। उसकी यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी लेकिन तब से अब तक वह एक भी फिल्म में नहीं दिखाई दी है। लगता है कि अब फिल्मों की कमी दूर हो रही है क्योंकि उसकी झोली में एक के बाद एक फिल्में गिरती जा रही हैं। जल्द ही यह फिल्म 'महाराजा' और 'वेदा' जैसी बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आएगी। इसके अलावा वह यशराज बैनर की स्पाई फिल्म में भी काम कर रही है।

जुलाई में आएगी 'वेदा'

फिल्म के निर्देशक निखिल आडवाणी ने शरवरी की तारीफ करते हुए कहा, ऐसे भी दिन थे, जब हमने वास्तव में खुद को टूटने से बचाना पड़ा। एक युवा लड़की के रूप में उन्हें ऐसी जगहों पर पहुंचाना पड़ा था, जो बहुत ही असुविधाजनक थीं।

इसके साथ ही उसने यह भी खुलासा किया कि शरवरी कई बार तो रो पड़ती थी। 'बेदा' के बारे में निखिल ने खुलासा किया, यह एक लड़की और उसके सनकी गुरु को कहानी है जो देश में सत्ता की सर्वोच्च आवाजों से न्याय मांग रहे हैं। हालांकि यह उन सच्ची कहानियों से प्रेरित विषयों पर खरी उतरती है, जिनकी ओर मैं आकर्षित होता हूं। जॉन ने फिल्म में जिस स्तर का एक्शन किया, वह चुनौतीपूर्ण था। शरवरी और जॉन के साथ शरवरी हाल ही में अपने व्यस्त कार्यक्रम से छुट्टी लेकर अपने परिवार के साथ न्यूजीलैंड गई थी। उसने बताया, मैं वहां अपने परिवार के साथ क्रिसमस पर गई थी। हमारे लिए यह एक रूटीन की तरह है क्योंकि मेरा भाई स्कूल में है और उसे क्रिसमस की छुट्टियां होती हैं, शूटिंग शुरू की तो शरवरी को इसलिए हम ज्यादातर इसी समय यात्रा करते हैं। हमने न्यूजीलैंड भर में एक रोड ट्रिप की और वह वास्तव में सुंदर थी। यात्रा की सबसे अच्छी बात यह थी कि मैं अपने पूरे परिवार के साथ कार में थी। यह सब बहुत मजेदार था और इसने हम सभी को आपस में जोड़ाः हमारे पास एक-दूसरे के साथ घंटों बैठने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

फोटोग्राफी के लिए हमेशा पास रखती है अपना खास कैमरा

फोटोग्राफी के प्रति अपने जुनून के बारे में बात करते हुए 27 वर्षीय शरवरी ने अपने मैनुअल कैमरे का उपयोग करके चुनिंदा क्षणों को कैद करने के प्रति अपने आकर्षण का भी खुलासा किया। उसने कहा, जब भी मैं कहीं जाती हूं, मेरी आदत है कि मैं अपना मैनुअल विंटेज कैमरा साथ रखती हूं और इसका उपयोग करना वास्तव में रोमांचक तथा अनूठा है। न्यूजीलैंड इतना सुंदर है और मैं वहां फोटोग्राफी का शौक पूरा करने के लिए कैमरा निकालने तथा तस्वीरें क्लिक करने को लेकर बहुत उत्साहित थी। मेरा दिमाग लगातार इस बात पर काम कर रहा था कि आगे क्या क्लिक करना है।

वह कहती है, जब से मुझे स्मार्टफोन मिला, मैं तस्वीरें खींच रही हूं। हालांकि, फोटोग्राफी में रुचि दो साल पहले जगी और तब से मैं इसके लिए अपने खास कैमरे का उपयोग कर रही हूं। इसका मजा यह है कि मैं दुनिया की तस्वीर खींच सकती हूं और फिर में फोन की तरह स्क्रॉल करके उसे देखने में समय बर्बाद करने के लिए तत्पर नहीं होती हूं। एक बार जब मैं तस्वीर क्लिक करती हूं, तो उसके बाद में उस क्षण का आनंद ले सकती हूं। मुझे मैनुअल कैमरे को यही चीज सबसे ज्यादा पसंद है। लिए यादगार है,

सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ शरवरी वाघ काम करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। कहा जाता है कि यात्रा का शौक कुछ लोगों के खून में दौड़ता है। यह कथन शरवरी वाघ पर बिल्कुल फिट बैठता है। । वह बताती है, मेरा परिवार 'बात्रा के शौकीनों' से भरा है इसलिए जब भी हमें समय मिलता है, हम सैर-सपाटे की योजना बना लेते हैं। मैंने उनके साथ सबसे अधिक यात्राएं की हैं। हम सभी को इसका बेसब्री से इंतजार रहता है।

हम 'एंग्लो-इंडियन' सदियों से यहां हैं : संताना रोच

जोया अख्तर की फिल्म **'द आर्चीज'** में मिज क्लम्प के किरदार से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली संताना रोच ने इस फिल्म में अपने अभिनय से सभी को काफी प्रभावित किया है। इस फिल्म ने एंग्लो इंडियन समुदाय पर प्रकाश डाला और वह इस फिल्म में एकमात्र एंग्लो-इंडियन कलाकार थी।

हालांकि, आज भी देश में एंग्लो इंडियन समुदाय के अस्तित्व के बारे में बहुत से आम लोग अनभिज्ञ प्रतीत होते हैं। इस पर संताना कहती है, ₹मुझे आश्चर्य होता है जब लोग अभी भी हमारे समुदाय के बारे में पर्याप्त नहीं जानते हैं। हम सदियों से मौजूद हैं, ठीक उसी तरह जैसे बाकी लोग हैं।

उसकी डेब्यू फिल्म पर भाई भतीजावाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगा क्योंकि इसमें संताना के साथ कई स्टार किड्स को भी लांच किया गया। इस पर उसका कहना है, ईमानदारी से कहूं तो, मुझे यह समझ नहीं खुशी कपूर को जो आलोचना मिली, वह अनावश्यक थी। फिल्म में 7 लीड एक्टर हैं, लेकिन लोगों ने आसानी से उन 3 लोगों को ही चुन लिया। सारा ध्यान उन्हीं पर गया, क्यों? इस फिल्म का हिस्सा बनना एक खूबसूरत बात है।

फिल्म के प्रीमियर पर जो तारीफें मिलीं उसके लिए वह बहुत खुश है। उसका कहना है कि उसका वह पूरा दिन एक सपने जैसा गुजरा। उसने कहा, रैड कार्पेट पर चलने से लेकर थिएटर में फिल्म देखने तक, मुझे जो प्रशंसा मिली, मैं वास्तव में इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती, लेकिन यह मेरे जीवन की सबसे खूबसूरत रातों में से एक थी।

मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली संताना को 'द आर्चीज' से बड़ी पहचान मिली है तो अब आगे की उसकी क्या योजना है, पर उसने कहा, फिलहाल, मैं

एक ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म के लिए एक वैब सीरीज की शूटिंग कर रही हूं, जिसमें एक बड़े निर्देशक और आया। फिल्म रिलीज होने से पहले ही इसका काफी विरोध हो चुका था। क्या मनोरंजन उद्योग को एक काल्पनिक दुनिया और वास्तविकता से पलायन नहीं माना जाता है। साथ ही, मुझे लगता है कि अगस्त्य नंदा, सुहाना खान और कई बड़े सितारे हैं। अभी मैं इसके बारे में अधिक नहीं बता सकती, लेकिन आशा है कि जल्द ही इसके बारे में जानकारी दी जाएगी। मैं वास्तव में रोमांचित हूं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

पसंद है लोगों को 'डराना': जया अहसान

बंगलादेशी अभिनेत्री जया अहसान शानदार अभिनय के लिए जानी जाती है जिसने अपने देश में 5 बार नैशनल अवार्ड जीता है। गत दिनों पंकज त्रिपाठी के अपोजिट फिल्म 'कड़क सिंह' से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी जया ने 110 से अधिक फिल्मों में काम किया है। ढाका में जन्मी जया के पास रवीन्द्र संगीत में डिप्लोमा है और वह एक प्रशिक्षित शास्त्रीय गायिका है। कई भारतीय बंगाली फिल्मों में भी काम कर चुकी जया की हाल ही में बंगाली फिल्म 'भूतपुरी' रिलीज हुई है।वह कहती है, मैं इस रोल से बहुत खुश हूं क्योंकि पहली बार भूत का किरदार निभाने का मौका मिला है। मैं हमेशा अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की तलाश में रहती हूं। मैंने कई बार डरावनी कहानियां सुना कर लोगों को डराया है। मुझे अब भी शूटिंग के दौरान सैट पर लोगों को डराना पसंद है। अगर हम शूटिंग के लिए किसी सुदूर जगह पर जाते हैं, तो मैं ऐसी स्थिति बनाने की कोशिश करती हूं, जहां मैं किसी को डरा सकूं।

करियर की शुरुआत मॉडलिंग के साथ

जया अहसान ने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की और फिर शाहिदुल हक खान द्वारा लिखित 'पंचोमी' नामक अपने पहले टी.वी. शो के साथ

अभिनय में कदम रखा। उसने कई धारावाहिकों में काम किया और अपने अभिनय से अलग पहचान बनाई। जयाने 'फरिश्ता' नामक एक ईरानी फिल्म में भी काम किया है, जिसे गत वर्ष प्रदर्शित किया गया था।

अडानी या अंबानी ही नहीं इन भारतीयों ने भी गाड़े हैं झंडे, अमीरों की लिस्ट में रहे नंबर 1

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। फोर्ब्स इंडिया हर साल देश के सबसे अमीर लोगों की सूची जारी करता है। जबकि हाल के वर्षों में, गौतम अडानी और मुकेश अंबानी ने फोर्ब्स की भारत के सबसे अमीर अरबपतियों की सूची में अपना दबदबा बनाया है, लेकिन पहले ऐसा नहीं था। विप्रो के अजीम प्रेमजी से लेकर स्टील टाइकून लक्ष्मी मित्तल तक भी भारत के सबसे अमीर लोगों में रहे हैं। आज हम आपको उन अरबपतियों के बारे में जानकारी देंगे जो अंबानी और अडानी से पहले फोर्ब्स की लिस्ट में भारत के सबसे अमीर कारोबारी रहे। इस फेहरिस्त में सबसे पहला नाम आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला का नाम है। साल 1996 में फोर्ब्स की लिस्ट में भारत के सबसे अमीर लोगों में इनका नाम सबसे ऊपर था। मौजूदा समय में उनकी नेटवर्थ 19.2 बिलियन डॉलर है। दुनिया के सबसे बड़े स्टील टाइकून लक्ष्मी मित्तल भी इस फेहरिस्त में शामिल हैं। लगातार दो साल उनके सिर पर भारत के सबसे अमीर भारतीय का ताज रहा। साल 1997 और 1998 में लक्ष्मी मित्तल भारत के सबसे अमीर कारोबारी रहे। उसके बाद साल 2004 से लेकर 2008 तक लक्ष्मी मित्तल फिर से भारत के सबसे अमीर कारोबारी बन गए थे। मौजूदा समय में उनकी कुल दौलत 16.8 बिलियन डॉलर है। विप्रो के मालिक अजीम प्रेमजी को कौन नहीं जानता? भारत के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में इनका नाम हमेशा ही रहता है। साथ ही अजीम प्रेमजी देश के सबसे बड़े दानवीरों में भी हैं। करीब 5 साल वह देश के सबसे अमीर कारोबारी रहे। 1999 से लेकर 2003 तक उनके आसपास कोई भी कारोबारी नहीं था। मौजूदा समय में अजीम प्रेमजी की कुल नेटवर्थ 12 बिलियन डॉलर है।

मुकेश अंबानी

भारत के लिए सबसे ज्यादा सालों तक इस ताज को मुकेश अंबानी ने पहना है। साल 2023 में वह भारत के सबसे अमीर कारोबारी रहे। उससे पहले 2009 से लेकर 2021 तक यानी 13 सालों तक उन्होंने एकछत्र राज किया। उन्हें इस पॉजिशन से कोई भी नहीं हिला सका। इसका सबसे बड़ा कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में इजाफा रहा। मौजूदा समय में मुकेश अंबानी की कुल दौलत 113.6 बिलियन डॉलर है।

गौतम अडानी

मुकेश अंबानी की दौलत को सबसे ज्यादा जिस अरबपति ने किया है वो कोई और नहीं बल्कि गौतम अडानी है। साल 2022 पूरी तरह से गौतम अडानी के ही नाम रहा है। गौतम अडानी की दौलत 150 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई थी। यहां तक कि वो दुनिया के 3 सबसे अमीर कारोबारी भी बन गए थे। इस लेवल पर आज तक कोई भी कारोबारी यहां तक कि मुकेश अंबानी तक भी नहीं पहुंच सके हैं। मौजूदा समय में उनकी कुल दौलत 82.5 बिलियन डॉलर पहुंच गई है।

सैलरी के एरियर पर मिलती है टैक्स छूट, ऐसे मिलता है फायदा

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। अब से कुछ दिन में लोगों के बीच इनकम टैक्स कैलकुलेशन की आपाधापी दिखने लगेगी। कहां टैक्स बचाएं, कौन-सी धारा में टैक्स बचेगा, कहां एक्स्ट्रा सेविंग होगी। बस यही उधेड़बुन चालू होने वाली है। अब जरा सोचिए कि आपकी सैलरी तो पिछले साल बढ़ी, लेकिन बढ़ी हुई सैलरी का पैसा एरियर के रूप में आपको उस वित्त वर्ष में मिला जिसका आप इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने जा रहे हैं। तो क्या आप इस एरियर पर टैक्स सेविंग कर सकते हैं? नई टैक्स व्यवस्था में तो किसी तरह की सेविंग या अन्य प्रावधान पर टैक्स छूट का फायदा मिलता नहीं है। लेकिन पुरानी टैक्स व्यवस्था में कई ऐसे प्रावधान हैं जो आपको इनकम टैक्स बचाने में मदद करते हैं। आयकर कानून की एक धारा है 89(1) जो आपको सैलरी एरियर पर टैक्स बचाने में मदद करती है।

क्या है धारा-89(1) का फायदा?

अगर आपकी सैलरी बैंक खाते में क्रेडिट होती है, तो टैक्स की कैलकुलेशन के वक्त इसे जोड़कर और फिर इसमें से सेविंग वगैरह के पैसे निकालकर आपकी टैक्सेबल इनकम निकाली जाती है। ऐसे में अगर आपकी सैलरी का एरियर भी इसमें जुड़ जाता है, तो आप की टैक्सेबल इनकम बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। जितनी ज्यादा सैलरी, टैक्स की देनदारी उतनी ही। यहीं पर एंट्री होती है धारा-89(1) की, जिसमें आप सैलरी एरियर के पैसे पर टैक्स रिबेट ले सकते हैं। आपको सालभर में कितना सैलरी एरियर मिला है, इसकी जानकारी आपको ऑफिस से मिलने वाले फॉर्म-16 में आराम से मिल जाएगी। एरियर की राशि पर टैक्स बचाने के लिए आपको फॉर्म-10इ भरना होगा, जिसकी बदौलत आपको इनकम टैक्स रिबेट का फायदा मिलेगा। इस धा?रा के तहत आपको अपने पुराने फंसे पैसे के मिलने या फैमिली पेंशन की अचानक से बची राशि मिलने पर भी टैक्स रिबेट मिलेगी।

अडानी का लगा 30 हजार करोड़ का जैकपॉट धारावी के साथ करेंगे बांद्रा का कायाकल्प

मुंबई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। गौतम अडानी के दिन काफी अच्छे चल रहे हैं। पहले धारावी प्रोजेक्ट मिलना और उसके बाद हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट से एक तरह से क्लीनचिट मिलना अडानी ग्रुप के लिए काफी फायदा का सौदा रहा है। अब अडानी को 30 हजार करोड़ रुपए का जैकपॉट हाथ लगा है। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, अडानी रियल्टी ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरडीसी) द्वारा रखे गए 24 एकड़ के बांद्रा रिक्लेमेशन लैंड पार्सल का कांट्रैक्ट हासिल कर लिया है। अंतिम मंजूरी पेंडिंग है। एमएसआरडीसी बोर्ड द्वारा अपनी आगामी बैठक में इस पर फैसला लिया जाएगा। अडानी रियल्टी ने सबसे ऊंची बोली लगाते हुए एमएसआरडीसी को 22.79 फीसदी रेवेन्यू देने की बात कही है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने लार्सन एंड टुब्रो की 18 फीसदी की बोली को पीछे छोड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि एलएंडटी के पास अडानी के 48,000 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 84,000 करोड़ की मजबूत नेटवर्थ है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, लैंड पार्सल का संभावित डेवलपमेंट एरिया 45 लाख वर्ग फुट है और जिसकी वैल्यू लगभग 30,000 करोड़ रुपए है।

एमएसआरडीसी के उपाध्यक्ष और एमडी अनिल कुमार गायकवाड़ के अनुसार, यह फैसला रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर बेस्ड था। गायकवाड़ ने उन आरोपों का भी खंडन किया कि बिड प्रोसेस स्पेसिफिक डेवलपर्स का पक्ष लेती है। उन्होंने आर्थिक और तकनीकी रूप से मजबूत प्लेयर्स की तलाश के लिए एक खुली और पारदर्शी प्रक्रिया पर जोर दिया। अडानी रियल्टी और एलएंडटी दोनों ने तकनीकी और फाइनेंशियल कैपिबिलिटी राउंड को क्वालिफाई किया है। गायकवाड़ ने कहा कि एमएसआरडीसी की बोलियां रेवेन्यू-शेयरिंग मॉडल बेस्ड हैं, इसलिए जो डेवलपर सबसे ज्यादा रेवेन्यू देगा वहीं सरकार के लिए फायदेमंद होगा। अडानी ने हमें सबसे ज्यादा रेवेन्यू ऑफर किया है। गायकवाड़ ने कहा, हमें अपनी नई और चालू इंफ्रा प्रोजेक्ट्स के लिए संसाधनों और धन की आवश्यकता है।

8 हजार करोड़ देगा अडानी रियलटी

अगर अडानी का ऑफर बोर्ड में पास हो जाता है तो रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल के तहत कंपनी की ओर से एमएसआरडीसी को मिनिमम 8,000 करोड़ रुपए मिलेंगे। गायकवाड़ ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि 8,000 करोड़ रुपए बेंचमार्क अमाउंट है। यदि रेवेन्यू अधिक है तो उन्हें इसे हमारे साथ 22.79 फीसदी के हिसाब पैसा देना होगा।

अगर जान ली इन सरकारी नौकरियों की मंथली सैलरी भूल जाएंगे टीसीएस और रिलायंस के भी पैकेज

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। ना नौकरी बदलने की चिंता, ना नौकरी से निकाले जाने का डरसरकारी नौकरी का मतलब यही होता है। लेकिन लोगों को लगता है कि सरकारी नौकरी में सैलरी अच्छी नहीं मिलती। चलिए हम आपको बताते हैं कुछ ऐसी सरकारी नौकरियों के बारे में जो आपको टीसीएस और रिलायंस जैसी कंपनियों के एनुअल सैलरी पैकेज से भी ज्यादा मंथली सैलरी देती हैं। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) में फ्रेशर्स का एनुअल सैलरी पैकेज 3.5 लाख रुपए से शुरू होता है।

इसी तरह देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी फ्रेशर्स की सैलरी 2.8 लाख रुपए से शुरू होती है। जबकि जिन सरकारी नौकरियों की हम बात कर रहे हैं, उतनी तो वहां एक महीने की सैलरी होती है।

लाखों की सैलरी देने वाली सरकारी नौकरियां

देश में इस समय सरकारी कर्मचारियों की सैलरी 7वें वेतन आयोग के हिसाब से तय होती है। अब तो 8वां वेतन आयोग बनाने की मांग भी उठने लगी है। 7वें वेतन आयोग ने सरकारी नौकरियों की सैलरी को ग्रुप के हिसाब से ग्रेड-पे में बांटा है। सबसे अधिक सैलरी ग्रुप-ए के अधिकारियों को मिलती है। आईएएस की नौकरी में 56,100 रुपए से लेकर 2,50,000 रुपए तक के स्केल पर मंथली सैलरी मिलती है। आरबीआई में ग्रेड बी अधिकारी के लेवल पर जॉब में सैलरी 55,200 रुपए से 1,08,404 रुपए तक होती है।भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में एनडीए अधिकारियों की सैलरी 56,100 रुपए से 1,77,500 रुपए तक होती है।

इंडियन फॉरेस्ट सर्विस और इंडियन फॉरेन सर्विस की सैलरी क्रमशः 2,25,000 रुपए और 2,50,000 रुपए प्रतिमाह तक होती है।अगर आप एसएससी सीजीएल का टेस्ट देकर सरकारी नौकरी पर लगते हैं, तब आपकी सैलरी 25,500 रुपए से लेकर 1,51,100 रुपए मासिक तक हो सकती है। अगर आप इसरो, डीआरडीओ या इंजीनियरिंग से जुड़ी सरकारी नौकरी करते हैं, तब आपकी सैलरी 56,100 रुपए से लेकर 1,77,500 रुपए तक हो सकती है।

ये कंपनी खरीदना चाहती थी जुकरबर्ग का फेसबुक, खोल दी थी तिजोरियां

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। इस वर्ष मेटा यानी फेसबुक को शुरू हुए 20 साल पूरे हो गए हैं। इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की शुरूआत मार्क जुकरबर्ग ने अपने को-फाउंडर्स एडुआर्डो सेवरिन, एंड्रयू मैक्कलम, डस्टिन मोस्कोविट्ज़ और क्रिस ह्यूजेस के साथ मिलकर की थी। इन दो दशकों में, मेटा 1.2 ट्रिलियन डॉलर की कंपनी बन गई है (जो कि इसकी वर्तमान मार्केट कैप है)। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक समय ऐसा भी था जब याहू ने फेसबुक को खरीदने का प्रयास किया था! हां, आपने सही पढ़ा। आइए हम बताते हैं कि वास्तव में क्या हुआ था।याहू ने साल 2006 में फेसबुक को खरीदने के लिए 1 बिलियन डॉलर का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, जुकरबर्ग ने अंततः एक बैठक में यह कहकर याहू के ऑफर को ठुकरा

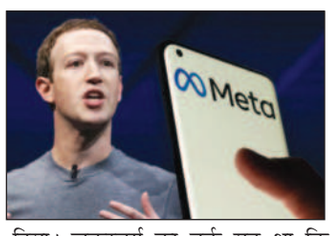

दिया। जुकरबर्ग का तर्क यह था कि फेसबुक बहुत सारी चीजें बनाने जा रहा है, और वह उन प्रोडक्ट्स को बनाने का मौका चाहता था। और याहू को फ्यूचर को लेकर कोई निश्चित जानकारी नहीं थी। मार्क जुकरबर्ग का मानना था कि कोई भी कंपनी उन चीजों की सही वैल्यू नहीं दे सकता है जो अस्तित्व में ना हो। जो हम आगे के लिए करने जा रहे थे उसके बारें में याहू को ना के बराबर जानकारी थी। जिसकी वजह से याहू ने जो फेसबुक की वैल्यूएशन लगाई थी वो काफी कम थी। जिसकी वजह से जुकरबर्ग ने एक बिलियन डॉलर का ऑफर ठुकरा दिया। इससे पहले फेसबुक के शुरुआती फेज 2005-06 में ही, मार्क जुकरबर्ग और माइस्पेस के सीईओ क्रिस डेवॉल्फ, फेसबुक के अधिग्रहण के संबंध में बातचीत कर रहे थे। उस समय में जुकरबर्ग ने 75 मिलियन डॉलर की डिमांड की थी, तब डेवॉल्फ पीछे हट गए थे। उसके बाद 2006 की शुरुआत में, वायाकॉम ने फेसबुक को 750 मिलियन डॉलर में खरीदने का ऑफर दिया। हालांकि, जुकरबर्ग ने कीमत बढ़ाकर 2 बिलियन डॉलर कर दी और वायाकॉम भी पीछे हट गया।फेसबुक द्वारा याहू के ऑफर को ठुकराने के कुछ साल बाद, ट्विटर ने जुकरबर्ग की सोशल मीडिया दिग्गज के साथ भी कुछ ऐसा ही किया।

हैदराबाद में आज सोने का भाव

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। आज हैदराबाद में सोने की दर 24 कैरट के लिए रु 62400 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रु 57200/10 ग्राम। हैदराबाद शहर में सोने की दर या कीमत प्रमुख दो कारकों पर निर्भर करती है: पहला सोने की शुद्धता है और दूसरा सोने का वजन है। 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के लिए विभिन्न वजन श्रेणियां उपलब्ध हैं, यह 8 ग्राम, 10 ग्राम, 100 ग्राम, 1 किलोग्राम और अधिक में उपलब्ध है। यहां आप 24 ग्राम सोने की दर प्रति ग्राम, प्रति 10 ग्राम, प्रति किलोग्राम और प्रति टोला जैसे विभिन्न वजन में सोने की कीमत और चांदी की कीमत की जांच कर सकते हैं। आज के लिए कीमत अपडेट नहीं होने के मामले में हम लास्ट अपडेटेड दिन के प्राइस को आज के गोल्ड प्राइस के रूप में दिखा रहे हैं।हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6240 (छह हजार दो सौ चालीस), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 49920 (उनचास हजार नौ सौ बीस), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 62400 (बासठ हजार चार सौ), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 624000 (छह लाख चौबीस हजार), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6240000 (बासठ लाख चालीस हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 72782.19 (बहतर हजार सात सौ बयासी)हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 5720 (पांच हजार सात सौ बीस), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 45760 (पैंतालीस हजार सात सौ साठ), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 57200 (सतावन हजार दो सौ), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 572000 (पांच लाख बहतर हजार), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 5720000 (सतावन लाख बीस हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 66717.01 (छियासठ हजार सात सौ सत्रह)

छोटे कारोबार के लिए कराना है जीएसटी रजिस्ट्रेशन, तो स्टेप बाई स्टेप प्रोसेस सीखें

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। देश में जुलाई 2017 से जीएसटी की व्यवस्था लागू है। ऐसे में अगर आप कोई छोटा कारोबार भी करते हैं या करना चाहते हैं, तब आपको जीएसटी के तहत अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। अगर आप जानना चाहते हैं कि जीएसटी रजिस्ट्रेशन कैसे होगा, क्या इसे घर बैठे ऑनलाइन किया जा सकता है, कौन-कौन से डॉक्युमेंट्स की जरूरत पड़ेगी। तब ये खबर आपके लिए ही है जीएसटी रजिस्ट्रेशन की प्रोसेस ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से पूरी की जा सकती है। ऑफलाइन तरीका तो साफ है कि आप अपने एरिया के जीएसटी ऑफिस जाकर वहां पर बताई जाने वाली प्रोसेस को फॉलो करें, यहां हम आपको बता देते हैं कि आप अपने बिजनेस का ऑनलाइन जीएसटी रजिस्ट्रेशन कैसे पूरा कर सकते हैं।

जीएसटी का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

अगर आप अपने बिजनेस के लिए जीएसटी नंबर चाहते हैं और इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना चाहते हैं। तब आपको जीएसटी की साइट पर जाकर इन स्टेप्स को फॉलो करना होगा। बिजनेस के लिए जीएसटी नंबर लेने की एक प्रोसेस है। आपको सबसे पहले आरईजी-01 फॉर्म भरना होता है। ये दो पार्ट में होता है जिसे ऑनलाइन भरा जा सकता है। आरईजी-01 फॉर्म के दोनों पार्ट में आपको सही-सही जानकारी देनी होती है। ऐसा नहीं होने पर आपकी एप्लीकेशन रिजेक्ट भी हो सकती है। आरईजी-01 फॉर्म के पार्ट-1 को भरने के बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आता है, जिसे भरकर आप जमा कर देते हैं। इसके बाद आपको इसका पार्ट-2 भी भरना होता है। इसके बाद भी आपको ओटीपी आता है, जिसक भरकर सबमिट करने से आपकी जीएसटी रजिस्ट्रेशन पूरी हो जाती है। हालांकि जीएसटी रजिस्ट्रेशन पूरा होने से पहले आपको जानकारी वेरिफाई करने का भी एक मौका दिया जाता है। ऑनलाइन जीएसटी रजिस्ट्रेशन करते वक्त आपको कुछ डॉक्युमेंट्स भी अपलोड करने होते हैं। इनकी जानकारी आगे दी गई है।

कौन-कौन से डॉक्यूमेंट्स हैं जरूरी?

आपके कारोबार का पैन कार्ड, अगर प्रोपराइटर हैं तो खुद का पैनकार्ड, सीआईएन नंबर या कंपनी रजिस्ट्रेशन का प्रमाण पत्र या लाइसेंस नंबर, ये आपको अपलोड करने होते हैं।

किसान आंदोलन के बीच एमएसपी पर आई बड़ी खबर, होगा जबरदस्त फायदा

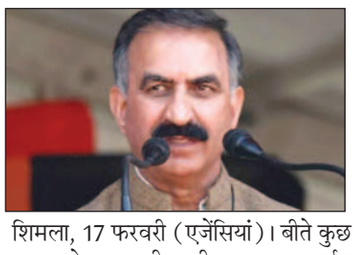

शिमला, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बीते कुछ समय से एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य देश का सबसे बडा मुद्दा बना हुआ है। देश के लाखों किसान सडकों पर मौजूद हैं। वहीं दूसरी ओर हिमाचल की सरकार ने बडा फैसला ले लिया है। हिमाचल प्रदेश के सीएम और वित्त मंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को अपना दूसरा राज्य बजट पेश किया और गाय के दूध और भैंस के दूध का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाई है। आपको भी बताते हैं आखिर दूध पर एमएसपी कितनी हो गई है। किसानों को कितना फायदा होगा।

दूध पर एमएसपी बढ़ाई

हिमाचल सरकार ने गाय और भैंस के दूध पर एमएसपी में इजाफा कर दिया है। हिमाचल के सीएम ने ऐलान करते हुए कहा कि गाय के दूध पर एमएसनी 45 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। जबकि भैंस के दूध पर एमएसपी 55 रुपए प्रति लीटर दिया जाएगा। पहले गाय और भैंस के दूध पर एमएसपी 38 रुपए प्रति लीटर थी। इसका मतलब है कि अब डेयरी संचालकों को गाय दूध पर 7 रुपए प्रति लीटर का फायदा होगा। वहीं भैंस के दूध पर 17 रुपए प्रति लीटर का फायदा होगा।

36 हजार किसानों को किया जाएगा ट्रेंड

इसके अलावा, उन्होंने राजीव गांधी प्राकृतिक खेती योजना की भी घोषणा की, जिसका उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती तकनीकों में प्रशिक्षित करना है। इस योजना के तहत लगभग 36,000 किसानों यानी हर पंचायत से 10 किसानों को ट्रेंड किया जाएगा। सेब पैकेजिंग के लिए, सुक्खू ने घोषणा की कि यूनिवर्सल कार्टन पेश किए जाएंगे और उत्तरी राज्य में बागवानी पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।बजट में सीएम ने कृषि क्षेत्र के लिए 582 करोड़ रुपए और बागवानी क्षेत्र के लिए 300 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। हिमाचल के सीएम सुक्खू ने यह भी कहा कि राज्य लगभग 6,000 नर्सरी शिक्षकों की नियुक्ति करेगा और स्कूलों में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत -**1945**, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-45** सूर्यास्त. -**18-15**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत -**5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **08 - 15** - तक उपरान्त दशमी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , रविवार **18 February**
नक्षत्र - रोहिणी - **09 - 22** - तक उपरान्त मृगशिरा
योग - वैधृति - **12 - 38** - तक उप विष्कुंभ
करण- कौलव - **08 - 15** - तक उप- तैतिल
विशेष:- पूर्ण रवि योग
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	06-29 बजे
चंद्र-	वृष में	मीन...	08-07 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	09-43 बजे
बुध-	मकर में	वृष...	11-28 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	13-28 बजे
शुक्र-	मकर में	कर्क...	15-41 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	17-53 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	19-59 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	22-05 बजे
		वृश्चिक..	00-15 बजे
		धनु....	02-29 बजे
		मकर...	04-34 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:51 से 18:18 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:45 - 08:10 अशुभ	शुभ	18:15 - 19:51 शुभ
चंचल.	08:10 - 09:36 शुभ	अमृत.	19:51 - 21:24 शुभ
लाभ.	09:36 - 11:03 शुभ	चंचल.	21:24 - 22:57 शुभ
अमृत	11:03 - 12:30 शुभ	रोग	22:57 - 24:30 अशुभ
काल.	12:30 - 13:57 अशुभ	काल	24:30 - 02:03 अशुभ
शुभ.	13:57 - 15:24 शुभ	लाभ	02:03 - 03:36 शुभ
रोग	15:24 - 16:51 अशुभ	उत्पात	03:36 - 05:09 अशुभ
उत्पात	16:51 - 18:15 अशुभ	शुभ	05:09 - 06:45 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपकी किस्मत आपके साथ है। आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देखने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज का दिन भावनात्मक रहेगा । आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है । लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी । आपका कोई करीबी भी आज भावनाओं में बहकर बात करेगा लेकिन आपको जमीन से जुड़े रहकर उपयुक्त प्रतिक्रिया देनी है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे । यह समय आपसी मतभेद भुलाकर आगे बढने का है,चाहे इसके लिए आपको कुछ झुकना ही क्यों न पड़े ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे |बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की ओर से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

आवासीय स्कूलों में छात्राएं प्रेग्नेंट मिलीं

53% बच्चियां सेक्शुअल एब्यूज की शिकार, हेडमास्टर, टीचर और वार्डन आरोपी, रेगुलर हेल्थ चेकअप की मांग

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मैं अपने क्लास में थी तभी स्कूल के स्टाफ ने आकर कहा कि प्रिंसिपल ने बुलाया है। जब प्रिंसिपल के ऑफिस में गई तो उन्होंने डांटा कि तुम अच्छे से पढ़ाई नहीं कर रही हो। नंबर भी कम आ रहे हैं। मैं चुपचाप खड़ी थी। तभी उन्होंने मेरे अंडरगारमेंट के बारे में पूछा और मेरा कुर्ता उठाने की कोशिश की। मैं डर कर वहां से भागी'।

गाजियाबाद के एक स्कूल की छात्रा की शिकायत के बाद 22 अगस्त 2023 को मामले में एफआईआर दर्ज हुई तो कई खुलासे हुए। स्कूल के प्रिंसिपल पर छात्राओं का यौन शोषण करने का आरोप था। वह छात्राओं को भद्द इशारे और उनसे अभद्र बातें करता, गलत ढंग से छूता। 100 से अधिक लड़कियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा तब जाकर प्रिंसिपल की गिरफ्तारी हुई। स्कूलों में सेक्शुअल एब्यूज की ये अकेली घटना नहीं है बल्कि देशभर में ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

घटनाओं का अंतहीन सिलसिला

बीकानेर में 13 अक्टूबर 2023 को साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ बस कंडक्टर ने रेप किया। कंडक्टर ने बच्ची को धमकाया और कहा कि वह इसका जिक्र किसी से न करें वरना उसके मम्मी-पापा मर जाएंगे और वह अकेली रह जाएगी।

हरियाणा के जींद के एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल पर लड़कियों के यौन शोषण का आरोप लगा। पहले 15 लड़कियों ने अधिकारियों को पत्र भेजकर यौन शोषण की जानकारी दी। बाद में पीड़ित लड़कियों की संख्या 142 पहुंची। यह मामला 4 नवंबर 2023 को सामने आया। इसी तरह मुंबई के विक्रोली में एक सरकारी स्कूल में फिजिकल एजुकेशन के टीचर को चार बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में 22 अगस्त 2023 को गिरफ्तार किया गया। ऐसे मामलों का अंतहीन सिलसिला मिलता है।

देश के अलग-अलग हिस्सों में स्कूल कैंपस के भीतर बच्चियों के साथ यौन शोषण की घटनाएं हो रही हैं जहां आरोपियों में प्रिंसिपल, टीचर, सफाईकर्मी यहां तक बस ड्राइवर और कंडक्टर भी शामिल होते हैं।

2019 में 1,000 से अधिक केस दर्ज

नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में देशभर के स्कूलों में सेक्शुअल हैरासमेंट से 1,000 से अधिक केस दर्ज किए गए। एनसीपीसीआर ने ही 2017 में एक सर्वे में बताया है कि 53% से अधिक बच्चियों ने किसी न किसी रूप में सेक्शुअल हैरासमेंट को झेला है। भारत को गैरकानूनी घोषित कर दिया, एनजीओ की फाउंडर विभा नादिग बताती हैं कि जब भी कोई बच्चा स्कूल के बारे में सोचता है तो उसके दिमाग में पढ़ाई-लिखाई, क्लासवर्क, होमवर्क, परीक्षाएं, पेपर, क्लासमेट्स ही आते हैं। पेरेंट्स भी इसलिए बच्चों को स्कूल भेजते हैं कि वे वहां सुरक्षित हैं। हालांकि जिस तरह से स्कूलों में स्टूडेंट्स के साथ सेक्शुअल एब्यूज की घटनाएं बढ़ी हैं। यह समाज और शिक्षण संस्थानों के लिए चिंता की बात है। मई 2021 में चेन्नई के कई बड़े स्कूलों में सेक्शुअल हैरासमेंट की घटनाएं किसी बुलबुले की तरफ फूट पड़ी। पहले एक स्कूल में सेक्शुअल हैरासमेंट की बात सामने आई और फिर देखते ही देखते इसने 'मी टू मूवमेंट' का रूप ले लिया। स्कूल के स्टूडेंट्स और पासआउट स्टूडेंट्स ने सोशल मीडिया पर अपनी कहानी शेयर की।

'वह आठवीं कक्षा में थी। एक नेशनल टूर्नामेंट के लिए ट्रेन से जा रही थी। ट्रेन में रात करीब 2 बजे जब वो सो रही थी तभी अचानक स्पोर्ट्स टीचर ने मुझे पकड़ा और भद्दी हरकतें करने लगा। मैंने जब विरोध किया और चिल्लाने की कोशिश की तो हट गया। टूर्नामेंट के दौरान वह ऐसे व्यवहार करता जैसे कुछ नहीं हुआ है। जब भी मौका मिलता, वह गंदी हरकतों से बाज नहीं आता।' चेन्नई पुलिस ने स्कूल टीचरों के खिलाफ 200 से अधिक शिकायतें दर्ज की। इनमें से एक मार्शल आर्ट इंस्ट्रक्टर और स्पोर्ट्स कोच को गिरफ्तार किया गया। बाद में स्कूल मैनेजमेंट ने ऐसे टीचरों पर एक्शन लिए।

कर्नाटक के तुमकुर जिले में पुलिस ने एक रेसिडेंशियल स्कूल के प्रिंसिपल, हॉस्टल वार्डन और 7 स्टूडेंट्स को पॉक्सो के तहत गिरफ्तार किया। उस पर 9वीं क्लास के एक लड़के के सेक्शुअल हैरासमेंट का आरोप लगा। बच्चे ने पुलिस को बताया कि 10वीं और उसके क्लास के ही साथी उसका यौन उत्पीड़न कर रहे थे। वार्डन उनका साथ दे रहा था। वे उसे सिगरेट से जलाते, ब्लेड से शरीर पर जहां-तहां काटते, पिघला हुआ मोम शरीर पर डालते। इसी तरह 3 साल पहले देहरादून के एक रेसिडेंशियल स्कूल में वार्डन ने 9 साल के लड़के का यौन उत्पीड़न किया था। उत्तराखंड स्टेट कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एससीपीसीआर) ने देहरादून के सभी रेसिडेंशियल स्कूलों में ऐसी घटनाओं को लेकर जांच-पड़ताल की। ओडिशा सरकार ने सितंबर 2023 में विधानसभा में बताया कि पिछले 5 साल में राज्य के 188 रेसिडेंशियल स्कूलों में लड़कियों के साथ यौन हमलों के 22 केस दर्ज किए गए। ये सभी आवासीय स्कूल आदिवासी बच्चियों के लिए हैं जहां 62,385 छात्राएं पढ़ती हैं। सरकार के मुताबिक आवासीय स्कूल की 12 लड़कियों ने बच्चों को जन्म दिया है। इनसे सेक्शुअल हैरासमेंट को लेकर 34 आरोपियों पर केस दर्ज किए गए हैं। ओडिसा में 1,737 रेसिडेंशियल स्कूल हैं जिनमें करीब साढ़े चार लाख स्टूडेंट्स हैं। इनमें से अधिकतर स्टूडेंट्स आदिवासी समुदाय के हैं। इन स्कूलों में सेक्शुअल एब्यूज की घटनाएं हुईं हैं। आवासीय स्कूलों में सेक्शुअल एब्यूज की घटनाओं को लेकर शिड्यूल कास्ट एंड शिड्यूल्ड ट्राइब रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एससी-एसटीआरटीआई) ने रिसर्च की। अधिकतर मामलों में सेक्शुअल हैरासमेंट की घटनाएं सही मिलीं। 'इम्पैक्ट ऑफ प्रिवेंटिव इंटरवेंशन ऑन इंसिडेंसेज ऑफ सेक्शुअल एब्यूज इन रेसिडेंशियल स्कूल्स ऑफ ओडिसा' 2018 नाम से रिपोर्ट में बताया गया कि 2011 से 2016 के बीच कोरापुट, बालासोर, नयागढ़, मयूरभंज और सुंदरगढ़ जिलों में रेसिडेंशियल स्कूलों में सेक्शुअल एब्यूज के 29 केस हुए। इसमें 13 हेडमास्टर और 4 टीचर आरोपित थे। कुछ मामलों में स्कूल के टीचर और नॉन टीचिंग स्टाफ ने ही हॉस्टल में रहने वाली लड़कियों का यौन उत्पीड़न किया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कुछ लड़कियां छुट्टी में घर गईं तो रिश्तेदारों द्वारा सेक्सुअल एब्यूज का शिकार हुईं।

इस बात का भी खुलासा हुआ कि आवासीय स्कूलों में रहने वाली बच्चियों से स्कूल के स्टाफ डोमेस्टिक हेल्प के रूप में काम लेते। सरकारी संस्था एससीएसटीआरटीआई ने रिपोर्ट में मांग की है कि बच्चियों की रेगुलर हेल्थ चेकअप और छुट्टी से हॉस्टल लौटने वाली छात्राओं की प्रेग्नेंसी की जांच हो। ओडिशा राइट टू एजुकेशन फोरम के कन्विनर अनिल प्रधान बताते हैं कि स्कूल कैंपस और बाहर भी लड़कियों की सुरक्षा की चिंता की जानी चाहिए। स्कूलों में सेक्शुअल एब्यूज को रोकने के लिए खास कदम उठाने की जरूरत है। महाराष्ट्र के बुलधाना में भी ट्राइबल स्कूल में कई लड़कियां यौन उत्पीड़न का शिकार हुई थीं। इनमें से 3 लड़कियां प्रेग्नेंट थीं। पॉक्सो एक्ट के तहत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमें हेडमास्टर और कई टीचर भी शामिल थे। महाराष्ट्र में 1,109 ट्राइबल रेसिडेंशियल स्कूल हैं जिसमें हजारों लड़कियां पढ़ती हैं। इनमें से कई स्कूलों में बच्चों से मारपीट, गाली-गलौज और यौन उत्पीड़न की घटनाएं हुई हैं।

सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्राइबल स्कूलों में 15 साल के अंदर 1,077 मृत्यु हुई है जिसमें 493 लड़कियां हैं। जिन कारणों से मृत्यु हुई उसमें सेक्शुअल असॉल्ट, सुसाइड, बीमारी, इलाज नहीं होना को कारण बताया गया है।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 80% रेसिडेंशियल स्कूलों में कोई महिला वार्डेन नहीं है। लड़कियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरती जाती है। देश में 30 जून 2023 तक कुल 5,639 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी)हैं। इन स्कूलों में करीब 7 लाख लड़कियां पढ़ रही हैं। ये लड़कियां एससी, एसटी, ओबीसी, माइनॉरिटी और बीपीएल परिवारों से आती हैं।

केजीबीवी फ्री रेसिडेंशियल स्कूल हैं। लेकिन इन स्कूलों में सेक्शुअल एब्यूज की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। बिहार, झारखंड, यूपी, राजस्थान में ये घटनाएं हुई हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कुछ राज्यों ने केजीबीवी में केवल महिला स्टाफ रखने की व्यवस्था की है।

स्कूल मैनेजमेंट शिकायतों को दबा देता है

बाल कल्याण संगठन के फाउंडर संजय मिश्रा बताते हैं कि स्कूलों में सेक्शुअल एब्यूज की कई घटनाएं दबा दी जाती हैं। स्कूल मैनेजमेंट ये सोचता है कि अगर ऐसी घटनाएं पब्लिक में आ गईं तो स्कूल का रेपुटेशन खराब हो जाएगा। लोग अपने बच्चों को स्कूल में पढ़ने नहीं भेजेंगे।

इसलिए पीड़ित स्टूडेंट्स को शिकायत करने से रोका जाता है। मामले को किसी तरह रफा-दफा कर दिया जाता है। स्टूडेंट्स को डराया जाता है कि उनका करियर चौपट हो जाएगा।

पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर अमीर सुल्ताना बताती हैं कि घर और स्कूल दो ऐसी जगहें हैं जहां बच्चे सुरक्षित होते हैं। पेरेंट्स तो टीचर के हाथ में बच्चों को सौंप कर निश्चिंत हो जाते हैं। स्कूल कैंपस से सुरक्षित जगह दूसरी नहीं होती। लेकिन घर और स्कूल दोनों जगहों पर अब ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं जबकि पॉक्सो जैसा कानून हमारे पास है। स्कूलों में भी यूजीसी की तरह से रेगुलेशंस लाने की जरूरत है।

रील्स का शौक पड़ा भारी

मोबाइल छीनने पर पत्नी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, छह साल पहले हुई थी शादी

भिलाई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सुपेला थाना क्षेत्र में हैरान करने वाली सघतना सामने आया है। जहां पति ने पत्नी से मोबाइल छीनने पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को नीचे उतरकर पीएम के लिए सुपेला अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल, पुलिस जांच में जुटी गई है। सुपेला थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया कि पांच रास्ता सुपेला में रहने वाली रचना साहू ने अपने घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरकर अस्पताल भेजवा दिया है। पति भूपेन्द्र साहू टाइल्स लगाने का काम करता था। रचना और भूपेन्द्र साहू की शादी 6 साल पहले हुई थी। 5 साल की एक बेटी भी है। शुक्रवार दोपहर को पति भूपेन्द्र ने रचना का मोबाइल छीनकर अपने पास रख लिया और घर से बाहर चला गया था। भूपेन्द्र के घर में उसकी मां, भाभी और उनके बच्चे थे। शाम को भूपेन्द्र के घर से फोन आया कि उसकी पत्नी रचना ने फांसी लगाकर खुदकुशी ली है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर परिजनों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, रचना दिन भर मोबाइल फोन पर लगी रहती थी। घर का काम और बच्ची को देखना छोड़ वो फोन पर रील्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक वीडियो बनाने और पोस्ट डालने में ही लगी रहती थी। इस बात को लेकर भूपेन्द्र ने रचना को कई बार समझाया भी था कि मोबाइल कम इस्तेमाल किया करो। इसे लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। लेकिन इसके बाद भी रचना नहीं मानी तो पति ने गुस्से में आकर मृतिका रचना के फोन ही छीनकर अपने पास रख लिया। इससे नाराज होकर रचना ने आत्मघाती कदम उठा लिया।

संबंध बनाने से पत्नी का इनकार

बिलासपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और इसके बाद खुद ही रिपोर्ट लिखवाने के लिए थाने भी पहुंच गया। रतनपुर क्षेत्र में पत्नी ने शारीरिक संबंध बनाने से मना कर दिया। जिसके बाद पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद खुद ही थाना पहुंचकर रिपोर्ट लिखाने पहुंच गया। दरअसल, रतनपुर पुलिस के अनुसार, 10 फरवरी की रात 11:30 बजे भोदलापारा रतनपुर के रूपचंद पटेल पिता स्व. विसरू राम पटेल वर्ष भोंदलापारा थाने पहुंचा और बताया कि उसकी पत्नी सावनी बाई जिसका उम्र 38 वर्ष है जो बाड़ी के सेमी के नार के पास गिरी पड़ी हुई थी। जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर लेकर गया। इसपर डाक्टरों ने जांच के बाद मृत होने की जानकारी दी। सूचना पर रतनपुर पुलिस रूपचंद पटेल की रिपोर्ट पर थाने में मर्ग कायम कर जांच और पंचनामा कार्रवाई कर मृतिका का पीएम कराया गया।

गांजा, शराब और नशीली टेबलेट बरामद

कोरबा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। दूसरे दिन भी कोरबा पुलिस की अवैध कारोबार पर ताबड़तोड़ कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी से 3200 नग नशीली टेबलेट जब्त की है। वहीं कोरबा पुलिस ने अवैध शराब मामले पर कार्रवाई करते हुए सात प्रकरणों में कुल 68 लीटर शराब जब्त की है और सात लोगों को जेल भेजा है। पुलिस ने अवैध कबाड़ के खिलाफ एक मामले में 7.5 क्विंटल किरण साहू - कुसमुण्डा कबाड़ जब्त किया है। एक महिला को भी अवैध गांजा के सौदागरों से 11 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस की माने तो काफी लंबे समय से राममति उर्फ गुड्डी बाई- दीपका निवासी महिला पुड़िया बनाकर गांजा बेच रही थी। जहां मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर लगातार पुलिस के द्वारा अवैध कारोबार पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है।

नए चेहरों को शामिल न करने से कांग्रेस नाराज

एससी नेता को हिस्सा न बनाने पर भाजपा ने की आलोचना

रांची, 17 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड की नई चंपई सोरेन कैबिनेट में आठ मंत्रियों ने शपथ ली। इस दौरान कांग्रेस के कुछ विधायकों ने असंतोष व्यक्त किया है। दरअसल, उनकी मांग के अनुसार कई नए चेहरों को कैबिनेट में शामिल नहीं गया है। कांग्रेस विधायक दीपिका पांडे सिंह ने दावा किया कि कैबिनेट विस्तार से पहले ही उन्होंने अपना विचार रखा था।

दीपिका पांडे ने कहा, 'हमारी मांग थी कि अगर नई सरकार बनती है या मंत्रिमंडल में फेरबदल हुई तो नए चेहरों को मौका दिया जाएगा।' कांग्रेस विधायक अनूप सिंह ने कहा कि विधायकों ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष को अपनी चिंता से अवगत करा दिया है और उनकी मांग जस की तस है।

उन्होंने कहा, 'हम 12 लोग है। हमने चिट्ठी के जरिए पीसीसी अध्यक्ष को अपनी चिंता से अवगत कराया है। हम सिर्फ अपनी पार्टी को इससे अवगत कराना चाहते हैं। शपथ समरोह में शामिल होने का यह मतलब नहीं कि हम अपनी मांगे भूल चुके हैं।' शपथ समारोह के बाद विधायकों से मिलने के बाद झारखंड के कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा, 'पार्टी इसपर चर्चा करेगी। उन्होंने शपथ समारोह से पहले ही अपनी भावनाएं जाहिर कर दी थी। हम उनके विचारों से अवगत हैं और इसपर हम चर्चा करेंगे।'

झारखंड की कांग्रेस नेता अंबा प्रसाद ने कहा, 'हमारे 12 विधायकों ने बताया कि हम लंबे समय से ही राज्य में असंतोष का सामना कर रहे हैं। लंबे समय से लंबित कार्य लंबित ही पड़े हैं। वे सोचते हैं कि वे पार्टी संगठन के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, वे उत्तरदायी भी नहीं है। वे किसी भी मुद्दे पर ईमानदार नहीं है। कई बयान दिए गए कि नए चेहरों को मौका दिया जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया गया।' वहीं भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाले गठबंधन सरकार में अनुसूचित जाति के नेता को शामिल न करने पर आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया, झारखंड के नए मंत्रिमंडल में एक भी अनुसूचित जाति के नेता को शामिल नहीं किया गया है। यहर कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी का असली चेहरा है। झारखंड कैबिनेट से नाम हटाने पर जेएमएम विधायक बैद्यनाथ राम ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। बैद्यनाथ राम ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'कैबिनेट से मेरा नाम हटाना पूरी तरह से गलत फैसला है।

बीजेपी नेता के 'शेरू' को मारकर खा गए

दुर्ग के मटन दुकान में काटकर 27000 में बेचा, सरगुजा से उठा ले गए थे बकरा

अंबिकापुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सरगुजा जिले में बीजेपी नेता के बकरा चोरी के मामले में दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों इसे काटकर 27 हजार में बेच दिया और खुद भी खा गए। जिस कार से आरोपी बकरे को उठा ले गए थे पुलिस ने उसे भी जब्त कर लिया है। बता दें कि चोर लग्जरी कार में सवार होकर आए थे।

जिस बकरे की चोरी हुई वह आम बकरा नहीं, बल्कि 120 किलो का बकरा था, जिसे वे परिवार के सदस्य की तरह रखते थे। चोरी की ये घटना घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी।

बीजेपी नेता सुरेश कुमार गुप्ता बकरे को करीब 6 सालों से पालकर रखे थे। जिसे 8 फरवरी की सुबह लगभग 07:30 हुंडई की वर्ना कार क्रमांक सीजी 07 सीपी 1177 में सवार युवक चोरी कर ले गए। इसकी सूचना कुछ घंटे बाद ही पुलिस चौकी रघुनाथपुर को दी गई।

पुलिस ने नहीं दिखाई तत्परता

सुरेश गुप्ता ने बताया कि कार का नंबर सहित उसके भिलाई टोल प्लाजा को पार करने की भी जानकारी रघुनाथपुर पुलिस को उपलब्ध कराई गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे परेशान होकर सुरेश गुप्ता सहित रघुनाथपुर के लोग एसपी से मिलने अंबिकापुर पहुंच गए। सुरेश गुप्ता का बकरे (शेरू) से लगाव ऐसा था कि वो कभी उसे बांधकर नहीं रखते थे। वह उनके निर्देश को भी समझता था। 120 किलो वजनी बकरे के लिए उन्हें दो लाख रुपए तक का ऑफर मिला था, लेकिन उसे परिवार का सदस्य बताकर उन्होंने बेचने से इनकार कर दिया था।

एडिशनल एसपी पपुलेश कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस टीम को आरोपियों को पकड़ने रवाना किया जा रहा है, उन्हें जल्द पकड़ लिया जाएगा। इसमें कोई लापरवाही नहीं की जा रही है।

कैबिनेट विस्तार को लेकर कांग्रेस में फूट

नाराज 12 विधायक फिर कर रहे मीटिंग, मनाने पहुंचे मंत्री बसंत सोरेन

रांची, 17 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सियासी बवाल मचा हुआ है। चंपई सरकार में मंत्री पद नहीं मिलने से कांग्रेस के 17 में से 12 विधायक नाराज हैं। इन विधायकों ने शुक्रवार को शपथ ग्रहण समारोह से पहले और बाद में भी बैठक की। अब जानकारी मिल रही है कि कांग्रेस के ये नाराज विधायक बिरसा चौक स्थित रासो होटल में एक बार फिर से बैठक कर रहे हैं। बैठक के दौरान मंत्री बसंत सोरेन इन विधायकों से मिलने पहुंचे है। उन्होंने कहा, विधायकों से मिलने आया हूं। विधायकों की बैठक में दिल्ली जाने को लेकर फैसला लिए जाने की बात सामने आ रही है। चर्चा है कि कांग्रेस विधायक दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं से मिलकर अपनी नाराजगी जाहिर कर सकते हैं। अगर इनकी नाराजगी दूर हुई तो वे रांची लौटेंगे, लेकिन हल नहीं निकला तो जयपुर जाकर वहां सभी एक जगह रहेंगे और आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। हालांकि, अभी किसी विधायक ने इसकी पुष्टि नहीं की है। लेकिन, सिमडेगा से कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा ने खेला होने की बात कही है। इस बात की भी चर्चा है कि मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भी आज दिल्ली जा सकते हैं। झारखंड में ये सियासी हलचल ऐसे समय पर हो रही है, जब अगले हफ्ते यानी 23 फरवरी से विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने वाला है। नाराज विधायकों ने एक स्वर में कैबिनेट में शामिल हो रहे मंत्रियों को रिपीट नहीं करने की बात कही है। कई विधायक अपने लिए मंत्री पद की भी मांग कर रहे हैं। विधायकों का कहना है कि ऐसे मंत्री जिन्होंने अब तक बेहतर प्रदर्शन नहीं किया, उन्हें मौका दे दिया गया। चंपई सरकार में नए चेहरों को मंत्रिमंडल में मौका मिलना चाहिए। ताकि वह अपनी योग्यता साबित कर सकें। नाराज विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि चुनाव के दौरान उन्हें जनता के बीच जाना है। ऐसे में अगर काम बेहतर नहीं होगा तो वह कैसे जनता का सामना करेंगे।

विधायकों की नाराजगी दूर करने की यहां भी खूब कोशिश हुई। प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी नाराज विधायकों को समझाने की कोशिश की, लेकिन अब तक कोई हल नहीं निकला है। अब नाराज विधायक खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं।

भूमि घोटालों को लेकर विरोध प्रदर्शन

मौन रहकर जताया विरोध, लगाया आरोप पूरे राज्य में जारी है घोटाला

धनबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद शहर के रणधीर वर्मा चौक पर शनिवार को 'भूमि बचाओ संघर्ष मोर्चा' ने 2 घंटे का मौन रहकर धरना प्रदर्शन किया। जहां मौके पर लोगों ने बताया कि धनबाद जिले में भूमि संबंधी समस्याओं के निराकरण व भूमि घोटाले की जांच की मांग को लेकर यह मौन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। 'भूमि बचाओ संघर्ष मोर्चा' का नेतृत्व भाजपा नेता रमेश राही कर रहे है। वही भाजपा नेता रमेश राही ने कहा कि धनबाद जिला ही नहीं बल्कि पूरे राज्य में जमीन में घोटाले किए जा रहे हैं। धनबाद जिले में सीएनटी के नाम पर लूट मची है। 10 साल पूर्व रिंग रोड के नाम पर मुआवजे में लूट हुई थी और भी बहुत ऐसे मामले हैं। जमीन से संबंधित जिसमें घोटाले किए गए हैं इन सभी को लेकर हम पूर्व से ही अधिकारियों से इसकी जांच की मांग करते आए हैं। बावजूद इसके अब तक अनदेखी की गई है। वही उन सभी जमीन से संबंधित घोटाले की निष्पक्ष जांच करने को लेकर आज यहां 2 घंटे का मौन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

महिला का अपहरण, फिर गैंगरेप

कोरबा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा में 56 साल की महिला से गैंगरेप को अंजाम दिया गया है। महिला को दो बदमाश किडनैप कर बाइक पर बैठाकर जंगल ले गए, जहां डरा-धमकाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीणों को आते देखकर मौके से भाग निकले। पूरा मामला रजगामार पुलिस चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक विधवा महिला शुक्रवार की रात करीब 10.30 बजे घर से बाहर निकली थी। इसी दौरान सोहन और राम किशन खड़े मिले। दोनों युवकों ने अधेड़ महिला को अपने साथ चलने को कहा। विरोध जताने पर जबरन बाइक पर बैठा लिया। पीड़िता के मुताबिक वे महिला को अपने साथ छछान झोरखी जंगल के ऊपर सागौन बाड़ी ले गए, जहां दोनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान युवकों ने महिला को धमकी भी दी। वारदात के बाद महिला की मदद के लिए पहुंचे लोगों को उसने आपबीती बताई। वे पीड़िता को घर ले गए, जहां उसने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।

चंपई सरकार की ताला-चाबी हेमंत के पास ही है

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे बोले- वो कुछ नया नहीं कर पाएंगे

रांची, 17 फरवरी (एजेंसियां)। गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे का कहना है कि हेमंत सोरेन की जगह चंपाई सोरेन के आने से भी कोई बदलाव नहीं दिखेगा, क्योंकि सिस्टम वही है। चंपाई सरकार की ताला-चाबी हेमंत सोरेन के पास ही है। सोरेन परिवार ने मधु कोड़ा पर विश्वास नहीं किया था, जबकि वह गुरुजी के ही मार्गदर्शन में सरकार चला रहे थे। संभव है कि कुछ दिनों बाद सोरेन परिवार फिर मुख्यमंत्री बनना चाहेगा। हालांकि चंपाई सोरेन अपने दम पर नेता हैं, जबकि हेमंत सोरेन अनुकंपा के नेता हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में पिछले चार साल में जो सरकार चली, मैंने इससे ज्यादा भ्रष्ट गवर्नमेंट नहीं देखा। कभी भी इस तरह से खुलेआम सिंडिकेट करप्शन नहीं देखा। प्रायः अधिकारी जो जिले में पोस्टेड हैं, उन्होंने एक पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में काम किया। इस करप्शन के कारण हेमंत सोरेन को जेल जाना ही था। सीता सोरेन से होती है बातचीत, लोबिन के साथ कभी टच में नहीं रहा : उन्होंने कहा कि यह भी आरोप लगते रहे हैं कि सीता सोरेन और लोबिन हेंब्रम को झामुमो से अलग करने की कोशिश करता रहता हूं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। सीता सोरेन के पति स्व. दुर्गा सोरेन मेरे अच्छे दोस्त थे। 2009 में अगर भाजपा के साथ गठबंधन नहीं टूटता और दुर्गा सोरेन गोड्डा से हमारे विरुद्ध नहीं लड़ते, तो शायद मैं सांसद नहीं बनता।

चीन, अमेरिका, रूस संयुक्त राष्ट्र में गरजीं भारत की बेटी

रुचिरा सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों को धो डाला

वॉशिंगटन, 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारत समेत दुनिया के कई देशों की लंबी समय से चल रही मांग के बाद भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों पर कोई भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद बने संयुक्त राष्ट्र में अब भी 5 स्थायी सदस्यों अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन का ही दबदबा बना हुआ है। इतने साल बीत जाने के बाद दुनिया में भारत, जर्मनी, जापान जैसी कई नई ताकतें उभरकर आई हैं और फ्रांस तथा ब्रिटेन जैसे स्थायी देशों का पतन हुआ है। इन बदली हुई परिस्थितियों के बाद भी भारत की मांग को दशकों से अनसुना किया जा रहा है। एक बार फिर से भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से ही सभी 5 स्थायी देशों को जमकर फटकार लगाई है। भारत ने कहा कि 5 स्थायी देश कब तक 188 देशों की सामूहिक इच्छा की अवहेलना करते रहेंगे।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की मांग करते हुए अपने एक बयान में कहा कि कितने लंबे समय तक 5 सदस्य देशों की इच्छा 188 देशों की सामूहिक इच्छा की अवहेलना करती रहेगी। इसे निश्चित रूप से बदलना होगा। भारत ने कहा कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र में समान अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों के साथ ऐतिहासिक रूप से अन्याय किया गया है और इसे तत्काल सही करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार करके स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए और उसमें एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों को शामिल किया जाए।

संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का विरोध कर रहा है चीन

कंबोज ने कहा कि कमजोर देशों को समान मौका दिया जाना चाहिए ताकि जो भी निर्णय लिए जाएं वे सबके हित में हो सकें। उन्होंने कहा कि इन सुधारों को समानता को बढ़ावा देने के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार का समर्थन करता है। इसमें स्थायी और गैर स्थायी सदस्यों की संख्या शामिल है।' उन्होंने सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली में भी सुधार की जरूरत पर बल दिया ताकि किसी भी देश के साथ भेदभाव नहीं हो। बता दें कि भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का चीन सबसे कड़ा विरोध कर रहा है।

चीन चाहता है कि वह एशिया में अकेला ऐसा देश रहे जो सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य हो। इसी वजह से चीन लगातार भारत के प्रयासों को खुद भी और पाकिस्तान समेत अन्य देशों के जरिए रोक रहा है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक शांति और स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई थी। सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों से पांच स्थायी सदस्य और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। स्थायी सदस्यों अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और रूस के पास वीटो शक्ति है और वे किसी प्रस्ताव को आसानी से रोक देते हैं। इन देशों का संयुक्त राष्ट्र के कामकाज पर व्यापक प्रभाव है। भारत और कई अन्य देशों ने साफ कह दिया है कि प्रासंगिक बने रहने के लिए यूएनएससी को सुधारों से गुजरना होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वर्तमान संरचना में कई समस्याएं हैं। सबसे पहले, यह 70 साल पहले स्थापित किया गया था और 1965 से इसका विस्तार नहीं किया गया है। इससे वर्तमान समय में इसके प्रतिनिधित्व को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। एक और मुद्दा स्थायी सदस्यों के बीच शक्ति का असमान वितरण है, जिनमें से अधिकांश पश्चिमी दुनिया से हैं। लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी और पश्चिम एशियाई शक्तियों से प्रतिनिधित्व की यह कमी एक महत्वपूर्ण कमी के रूप में देखी जाती है। वास्तव में, साल 2013 में, सऊदी अरब ने संस्थागत सुधार के अभाव के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्यता लेने से इनकार कर दिया था।

भारत सक्रिय रूप से यूएनएससी के भीतर सुधार के लिए जोर दे रहा है। भारत जी4 समूह का हिस्सा है, जिसमें जर्मनी, जापान और ब्राजील भी शामिल हैं। इन चार देशों ने यूएनएससी के विस्तार को बढ़ावा देने और स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए एक गठबंधन बनाया है। वहीं जी 4 को रोकने के लिए चीन के इशारे पर पाकिस्तान ने अपना एक अलग गुट बनाया है और सुधारों का विरोध कर रहा है। इस बीच विशेषज्ञ यूएनएससी के भीतर महत्वपूर्ण सुधार की संभावना के बारे में संशय में हैं। मौजूदा व्यवस्था में महत्वपूर्ण विशेषाधिकारों का फायदा लेने वाली दुनिया की प्रमुख शक्तियां किसी भी बड़े बदलाव का विरोध कर रही हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन और जयशंकर की हुई मुलाकात

इन मुद्दों पर की बातचीत

म्यूनिख, 17 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर जर्मनी के म्यूनिख में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने लाल सागर में चुनौतीपूर्ण सुरक्षा हालात पर चर्चा की। साथ ही इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अमेरिका और भारत अस्थिर क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ब्लिंकन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि लाल सागर में समुद्री सुरक्षा के लिए संबंधित अमेरिकी और भारतीय दृष्टिकोण पारस्परिक रूप से मजबूत हैं और इस क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दोनों मंत्रियों ने मध्य पूर्व में स्थायी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चल रहे काम पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने शुक्रवार को जर्मन में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर मुलाकात की। इस दौरान इस बात पर भी जोर दिया कि लाल सागर एक प्रमुख वाणिज्यिक गलियारा है जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाता है। साथ ही ब्लिंकन ने इस क्षेत्र में नेविगेशन की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत के साथ बढ़ते सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने मध्य पूर्व में स्थायी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चल रहे काम पर भी चर्चा की। ब्लिंकन ने भी मुलाकात के बाद कहा, 'अमेरिका और भारत के बीच हमारी असाधारण साझेदारी है, जो हाल के वर्षों में पहले से कहीं अधिक मजबूत और मजबूत हुई है। यह हमारे लिए दुनिया के किसी भी रिश्ते के मुकाबले सबसे अधिक मजबूत संबंधों में से एक है।' इन नेताओं से भी की मुलाकात

इससे पहले, म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को जर्मनी और अर्जेंटीना के समकक्षों के साथ बैठक की। इस दौरान जर्मनी के विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ जयशंकर ने वैश्विक चुनौतियों और आगे के रास्ते पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी इंटर गवर्नमेंटल कंसल्टेशन की अगली बैठक की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने अर्जेंटीना की समकक्ष डायना मोंडिनो के साथ भी बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक और राजनीतिक सहयोग पर चर्चा हुई। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज शाम अर्जेंटीना की एफएम डायनामोंडिनो से मिलकर खुशी हुई।

पुतिन को इसकी सजा जरूर मिलेगी

एलेक्सई नवलनी की मौत पर पत्नी ने रोते हुए कही ये बात

मॉस्को, 17 फरवरी (एजेंसियां)। रूस में राष्ट्रपति पुतिन के विरोधी रहे एलेक्सई नवलनी की जेल में मौत की खबर पूरी दुनिया में सुर्खियों में है। अब नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनया ने कहा है कि अगर नवलनी की मौत की बात सच है तो पुतिन और उनके सहयोगियों को इसकी सजा जरूर मिलेगी। म्युनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान लगभग रोकर बोलते हुए नवलनी की पत्नी ने कहा कि नवलनी की मौत की खबर अभी रूस सरकार के सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है, ऐसे में इस पर पूरी तरह से यकीन नहीं किया जा सकता क्योंकि वे पहले भी कई बार झूठ बोल चुके हैं।

'पुतिन को जवाब देना होगा'

यूलिया नवलनया ने कहा कि 'हम पुतिन और उसकी सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते। वे हमेशा झूठ बोलते हैं, लेकिन अगर ये सच है तो पुतिन और उनकी सरकार, उनके दोस्तों ने हमारे देश, हमारे परिवार, मेरे पति के साथ जो भी किया है, उसका जवाब देना होगा और वो दिन भी जल्द आएगा।' नवलनी की पत्नी ने पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस की 'शैतानी सरकार' के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। एलेक्सई नवलनी रूसी राजनेता और विपक्षी पार्टी का चेहरा थे। बीते एक दशक से नवलनी रूस में राष्ट्रपति पुतिन के सबसे मुखर विरोधी रहे हैं। वे बीते लंबे समय से जेल में बंद थे। पिछले साल नवलनी को आर्कटिक सर्किल जेल में शिफ्ट कर दिया गया था, जो रूस की सबसे सख्त जेलों में गिनी जाती है। जेल विभाग ने बताया कि नवलनी को शुक्रवार को टहलते हुए तबीयत खराब महसूस हुई और तुरंत ही वे बेहोश हो गए। मेडिकल टीम ने उनकी हालत में सुधार की कोशिश की, लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो सके।

नवलनी रूस की राजनीति में ज्यादा पारदर्शिता की मांग करते थे। वे साल 2013 में मॉस्को के मेयर पद का चुनाव भी लड़े थे और दूसरे स्थान पर रहे थे। अगस्त 2020 में नवलनी को जहर दिया गया था, जिसमें नवलनी बाल-बाल बच गए थे।

भारत से पंगा लेने का कनाडा पर दिखने लगा असर

राजनयिकों की कमी से वीजा प्रोसेसिंग 42 फीसदी गिरा

ओटावा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और कनाडा के बीच पिछले साल राजनयिक तनाव देखने को मिला था। तनाव के बाद 41 कनाडाई राजनयिकों को भारत छोड़ने को कहा गया था। दोनों देश के तनाव का असर अब कनाडा पर देखने को मिला है। इमीग्रेशन, शरणार्थी और नागरिकता कनाडा (आईआरसीसी) पोर्टल के लेटेस्ट आंकड़े दिखाते हैं कि अक्टूबर-दिसंबर 2022 की तुलना में 2023 की अंतिम तिमाही में कनाडा की ओर से फाइनल की गई भारतीयों की संख्या में 42 फीसदी गिरावट हुई है।

अक्टूबर-दिसंबर 2023 में कनाडा ने सिर्फ 69,203 आवेदनों को अनुमति दी है। 2022 में इसी अवधि के दौरान 1.19 लाख आवेदन प्रोसेस हुए थे, जो एक बड़ी कमी को दर्शाता है। 2022 और 2023 के बीच कनाडाई अधिकारियों की ओर से अंतिम रूप से फाइनल किए गए कुल छात्रों की परमिट में 15 फीसदी की कमी थी। इंडियन एक्स्प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक कनाडाई उच्चायोग ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। कनाडा के लिए स्टडी परमिट अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कम से कम छह महीने लंबे कार्यक्रम के लिए जारी किया जाता है।

पहले ही दी गई थी वॉर्निंग

ज्यादातर परमिट कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में नामांकित छात्रों के पास होते हैं। इस संख्या में गिरावट आश्चर्यजनक नहीं है। क्योंकि आईआरसीसी ने 19 अक्टूबर 2023 को एक बयान में वीजा प्रोसेसिंग की समयसीमा पर प्रतिकूल प्रभाव की पहले ही चेतावनी दे दी थी। यह वह समय था जब कनाडा ने 62 राजनयिकों और उनके आश्रितों में से 43 को भारत से वापस लेने को कहा गया था। कम कर्मचारियों के कारण पड़ने वाला प्रभाव अब दिखने लगा है।

दोनों देशों में बढ़ा था तनाव

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई के शिक्षा सलाहकार विरल दोशी ने कहा, 'मुझे लगता है कि अध्ययन परमिट के लिए बदलाव का समय छह महीने तक बढ़ सकता है। हालांकि मेरे अनुभव के मुताबिक प्रोसेस होने वाले आवेदनों की संख्या में गिरावट हो सकती है। छात्र अभी भी कनाडाई अध्ययन परमिट के लिए आवेदन कर रहे हैं।' कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ना भारत पर आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था, जिसके बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया था।

म्यांमार के जुंटा शासन के पास सैनिकों का टोटा

विद्रोहियों से लड़ने के लिए पूर्व सैनिकों को बुलाया

नेपीडॉ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। म्यांमार के जुंटा कहे जाने वाले सैन्य शासक देशभर में भीषण प्रतिरोध का सामना कर रहे हैं। विद्रोही गुटों का एलायंस जुंटा के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व कर रहा है। विद्रोही गुटों के हाथों जुंटा ने कई सीमावर्ती कस्बों और महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों से नियंत्रण खो रहा है। म्यांमार में विद्रोही गुटों के सामने उसके सैनिक हथियार डालने को मजबूर हो रहे हैं। इस सबके बीच सैनिकों की भारी कमी का भी सामना जुंटा कर रहा है। ऐसे में म्यांमार की सैन्य जुंटा चाहती है कि सेवानिवृत्त सैनिक फिर से सेना में शामिल हो जाएं। जुंटा ने देश में रिजर्व फोर्सेस कानून को सक्रिय कर दिया है, जिससे वह पूर्व सैनिकों को लड़ने के लिए वापस भेज सकता है। इरावदी के अनुसार जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा है कि वे कानून पेश कर रहे हैं क्योंकि कई दिग्गज मौजूदा गृह युद्ध में विद्रोही ताकतों से लड़ना चाहते हैं। जनरल ह्लाइंग म्यांमार वॉर वेटरन संगठन के अध्यक्ष हैं। संगठन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, सितंबर 2021 तक देशभर में इसके लगभग 91,677 सदस्य और 161,372 सहायक सदस्य हैं। नए कानून के तहत, सभी पूर्व सैन्य कर्मियों को सेवानिवृत्त होने के बाद पांच साल तक सेवा करनी होगी। इनमें से सभी को वापस नहीं बुलाया जाएगा, केवल उन लोगों को वापस बुलाया जाएगा जो युद्ध के लिए उपयुक्त समझे जाएंगे। यह कानून शनिवार को जुंटा द्वारा आम जनता के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य करने के ठीक बाद आया है। 18-35 आयु वर्ग के सभी पुरुषों और 18-27 आयु वर्ग की महिलाओं को अब दो से पांच साल तक सेना में सेवा करनी होगी। म्यांमार में आंग सान सू की की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को जुंटा द्वारा तख्तापलट में गिराए जाने के बाद 2021 में गृहयुद्ध शुरू हुआ था।

न्याय व्यवस्था खतरे में है

वॉशिंगटन, 17 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को नागरिक धोखाधड़ी मामले में उन पर जुर्माना लगाने वाले जज पर तीखी टिप्पणी की। दरअसल नागरिक धोखाधड़ी के एक मामले में न्यूयॉर्क की अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप पर 35 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस फैसले को पूरी तरह से अवैध और गलत करार दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा किए पोस्ट में अमेरिका की न्याय व्यवस्था पर भी खतरा बताया।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा 'अमेरिका और न्यूयॉर्क की न्याय व्यवस्था खतरे में है और इस पर पक्षपाती और बंटवारे को बढ़ावा देने वाले जज और वकील हैं। ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल टिश जेम्स पर खास तौर पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि टिश जेम्स उन्हें लंबे समय से फंसाने की कोशिशें कर रहे हैं। ट्रंप ने लिखा कि उन्होंने बुरे वक्त में न्यूयॉर्क शहर की मदद की थी, लेकिन अब मुझे ही यहां से बाहर निकाला जा रहा है।'

किस मामले में ट्रंप को दोषी ठहराया गया

नागरिक धोखाधड़ी मामले में न्यूयॉर्क की अदालत ने 90 पन्नों के अपने फैसले में डोनाल्ड ट्रंप पर 35 करोड़ डॉलर का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। साथ ही ट्रंप के न्यूयॉर्क की कंपनी में बतौर निदेशक काम करने पर तीन साल की रोक लगा दी है। अदालत ने ट्रंप के दोनों बेटों डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप को भी दोषी माना है और उन पर भी 40-40 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है और दोनों दो साल तक कंपनी में निदेशक के रूप में काम नहीं कर पाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप को अपनी कंपनी की संपत्ति बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने और उसके आधार पर कर्ज लेने का आरोप सिद्ध हुआ है। हालांकि ट्रंप ने आरोपों से इनकार किया था और दावा किया था कि कुछ भी गलत नहीं हुआ है।

सीमा हैदर और पाकिस्तान से गुलाम आए आमने-सामने

दोनों में जमकर हुई जुबानी जंग

इस्लामाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सीमा हैदर की अपने पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर से जमकर लड़ाई हुई है। एक टीवी चैनल पर इंटरव्यू के दौरान दोनों आमने-सामने आए तो एक-दूसरे पर आरोपों की बौछार कर दी। गुलाम हैदर ने भारतीय सुप्रीम कोर्ट में बच्चों की वापसी के लिए अर्जी डालने की बात कही तो सीमा ने कहा कि दुनिया को कोई कानून एक मां से बच्चों को अलग नहीं कर सकता है। वह जरूरत पड़ने पर अपनी बात कोर्ट में रखेगी और फैसला जरूर उसके हक में आएगा। गुलाम ने सीमा को बच्चों की चोरी करने वाली को कहा तो सीमा ने हैदर पर मारपीट का आरोप लगाया। सीमा हैदर ने कहा, मुझको अदालत और खुदा दोनों पर भरोसा है कि बच्चे जल्दी ही मुझे मिल जाएंगे। आज जैसे मैं बच्चों के लिए तड़प रहा हूं, वैसे ही एक दिन तुम तड़पोगी लेकिन मैं तुम्हारे जैसा नहीं हूं। तुम कहोगी तो मैं बात करना चाहती हूं तो तुम्हारी बात करा दूंगा। मैं तुम्हें इन सब बातों के लिए माफ कर दूंगा। इस पर सीमा ने कहा कि बच्चे बात करना तो दूर तुम्हें पहचानेंगे भी नहीं तो गुलाम ने कहा कि तुम झूठ बोल रही हो। तुम झूठी हो, अगर कुछ छिपा नहीं रही हो तो फिर बच्चों को सामने लाकर बात कराओ, वो मुझे ना पहचानें तो कहना। चोर हमेशा छिपता है, सीमा चोरी कर रही है तो बच्चों को छिपा रही है। गुलाम ने कहा कि मेरे बच्चों के साथ मारपीट हो रही है और उन्हें घर में बंद करके रखा गया है। इस पर सीमा ने कहा कि भारत आने के बाद किसी ने बच्चों को हाथ भी नहीं लगाया है। सीमा ने गुलाम पर पलटवार करते हुए कहा कि तुम्हारे जैसा मक्कार मारपीट की बात ना ही करो तो बेहतर है। मुझे पता है कि तुमने कितनी बात मेरे साथ मारपीट की है। मैं वो सब भूली नहीं हूं। सीमा और हैदर ने प्रधानमंत्री मोदी और यूपी सीएम योगी का भी जिक्र किया।

गुलाम ने कहा कि मुझे उम्मीद है योगी और मोदी मेरी मदद करेंगे। इस पर सीमा ने कहा कि योगी और मोदी, दोनों नेता कभी भी तुम जैसे फ्रॉड आदमी की मदद नहीं करेंगे।

भारतीयों की यूएई में सबसे ज्यादा इज्जत

पाकिस्तानियों ने जमकर की तारीफ, अपनों को कोसा

अबू धाबी, 17 फरवरी (एजेंसियां)। यूएई और भारत के संबंध आज के समय बेहद अच्छे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यूएई में रहने वाले भारतीय हैं, जिन्होंने आज के समय भारत की एक ऐसी छवि बनाई है, जो अमीरात के लोगों को पसंद आ रही है। यही कारण है कि यहां पर रहने वाले प्रवासियों में सबसे बड़ी आबादी भारतीयों की है। यूएई में भारतीय छोटे-मोटे काम करने के साथ बड़े-बड़े बिजनेस और कंपनियों के सीईओ के पद पर भी हैं। इसके बाद आबादी के लिहाज से पाकिस्तानियों का नंबर आता है, लेकिन उन्हें वह इज्जत नहीं मिलती जो भारतीयों की है। यह बात यूएई में रहने वाले पाकिस्तानी भी मानते हैं।

पाकिस्तान के यूट्यूबर सुहैब चौधरी ने यूएई में पाकिस्तानियों से मुलाकात की और उनका इंटरव्यू लिया। इस इंटरव्यू में एक पाकिस्तानी ने कहा कि यूएई में भारतीय और पाकिस्तानी साथ-साथ रहते हैं। भारतीयों की काफी इज्जत है और भारतीय यहां पाकिस्तानियों से नफरत वाली भावना नहीं रखते। पाकिस्तान के रहने वाले गरीब नवाज से सुहैब ने बात की। नवाज ने कहा कि भारतीय अपनी पढ़ाई लिखाई और स्किल के लिए जाने जाते हैं। लेकिन पाकिस्तानियों में यह क्वालिटी नहीं है। गरीब नवाज ने पाकिस्तानियों से कहा कि बिना शिक्षा और स्किल के यूएई में नहीं आना चाहिए। क्योंकि यहां आकर उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कुछ करप्ट लोगों ने देश का नाम खराब कर दिया, जिस कारण लोग पाकिस्तानियों को नौकरी नहीं देना चाहते हैं। जबकि इंडियन, बांग्लादेशी या नेपाली के साथ ऐसा व्यवहार नहीं होता। भारत के लोगों के आगे होने को लेकर उन्होंने कहा कि भारतीय काफी पढ़े लिखे होते हैं और साथ ही वह अपने लोगों की मदद करते हैं। उनकी सरकार भी सपोर्ट करती है। गरीब नवाज ने एक होटल की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह पहले पाकिस्तानी का था, लेकिन भारतीयों के पास इतना पैसा होता है कि उन्होंने इसे खरीद लिया है।

यह बेहद खतरनाक

बुशरा बीबी को जहर दिए जाने की चर्चाओं पर बोले पीटीआई के पीएम पद के उम्मीदवार

इस्लामाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां)। तोशाखाना मामले में सजा काट रहीं इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की तबीयत खराब है। बुशरा बीबी की प्रवक्ता मशाल यूसुफजई ने आरोप लगाया है कि बुशरा बीबी को खाने में एसिड जैसी चीज मिलाकर दी जा रही है, उसकी वजह से उनके पीट में दर्द है और उनकी तबीयत खराब हो रही है। पीटीआई ने इन खबरों पर नाराजगी जताई है और चेतावनी दी है कि अगर बुशरा बीबी की जान को कोई खतरा हुआ तो इसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे और इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। बुशरा बीबी इमरान खान के आवास बनिगाला में ही हिरासत में कैद हैं।

पीटीआई पार्टी की तरफ से पीएम पद के उम्मीदवार उमर अयूब ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि 'बुशरा बीबी की बिगड़ती हालत की बात बेहद चिंताजनक है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

भारत बोला- हमारे हित अफगानिस्तान से जुड़े

कहा- यहां आतंक को पनाह नहीं मिलनी चाहिए सबको साथ लेकर चलने वाली सरकार की जरूरत

काबुल, 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिस्री ने शुक्रवार को कहा कि भारत के हित अफगानिस्तान से जुड़े हुए हैं। अफगानिस्तान का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों को पनाह और ट्रेनिंग देने के लिए नहीं होना चाहिए।

मिस्री किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में अफगानिस्तान को लेकर हुई सुरक्षा परिषद सचिवों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की छठी क्षेत्रीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में भारत के अलावा रूस, चीन, ईरान, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे देशों के एनएसए भी शामिल थे।

रूसी कब्जे वाले शहर से पीछे हटी यूक्रेनी सेना

आर्मी बोली- सैनिकों की जान बचाने के लिए उन्हें वापस बुलाया, यही सही फैसला

कीव, 17 फरवरी (एजेंसियां)। यूक्रेनी सेना रूसी कब्जे वाले एँव्दिइव्का शहर से पीछे हट गई है। यूक्रेनी सेना के जनरल ऑलेक्जेंडर टार्नवस्की ने कहा- यहां हालात बहुत ज्यादा बिगड़ गए हैं। दुश्मन देश की सेना हमारे सैनिकों से साथ अपने सैनिकों को भी मार रही है। सैनिक अपने साथियों को नहीं पहचान पा रहे हैं। ऐसे में यूक्रेनी सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा- एँव्दिइव्का शहर में हालात बहुत खराब हैं। हमें हमारे सैनिकों की चिंता है। हम नहीं चाहते की वो जान दे दें। सैनिकों को बचाने के लिए उन्हें वापस बुलाया गया है। यही सही फैसला है। इन सैनिकों को हम उन इलाकों में तैनात करेंगे जहां हालात काबू में हों और रूसी सैनिकों की हार हो रही हो। एक तरफ जेलेंस्की कहते हैं कि वो हार नहीं मानेंगे। दूसरी तरफ आर्मी ही सैनिकों को वापस बुला रही है। नवंबर 2023 में जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस में प्रेसिडेंट जो बाइडेन से मुलाकात की थी। बातचीत में कहा था- कई देश कह रहे हैं कि यूक्रेन घुटने टेक दे और रूसी कब्जे को कबूल कर ले।

वक्फ बोर्ड पर बालमुकुंद बोले जरूरत नहीं तो बंद करना चाहिए

गंदे बोल वाले यहां मंत्री थे; कुछ लोग दिनभर बस विरोध करते हैं

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर के हवामहल से विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा- कुछ चीजें ऐसी हैं, जो सरकार-मंत्रिमंडल से राय परामर्श की है। कुछ चीजें जो गलत हैं। उसको ठीक करना चाहिए। इनकी आवश्यकता नहीं है तो उन्हें बंद कर देना चाहिए। बालमुकुंद आचार्य ने वक्फ बोर्ड से जुड़े सवाल पर ये जवाब दिया। हवामहल विधायक एक फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। जहां उन्होंने मीडिया से बात की।

उन्होंने कहा-मेरा मानना यह है कि जब बंटवारा हुआ था, जिनको सनातन प्रेम था। उन्होंने भारत में रहने में विश्वास किया। जिनको विश्वास नहीं था, वो पाकिस्तान चले गए। भारत में सब सनातन पर विश्वास वाले लोग हैं। कुछ लोग माहौल खराब करना चाहते हैं। वो होगा नहीं। क्योंकि प्रदेश में सुशासन है। इसलिए अब यहां पर न तो पलायन होगा। न यहां पर माफिया राज चलेगा। न यहां पर पेपर माफिया का राज चलेगा। बालमुकुंद बोले- सरकार में कई प्रकार के घोटाले होते रहे। यहां प्रदेश के मंत्री ही यह कहते थे कि यह मर्दों का प्रदेश है। ऐसे में महिलाओं के साथ दुराचार-दुष्कर्म होता था। इस प्रकार के चरित्र और गंदे बोल वाले यहां मंत्री थे। पांच साल सरकार होटलों में रही। लोगों ने देख लिया कि इनका चाल चरित्र क्या है। इनकी सोच स्वभाव क्या है।

कुछ लोग दिनभर बस विरोध करते हैं

सूर्य नमस्कार को लेकर विधायक बोले- मैं राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को धन्यवाद देना चाहूंगा। जिन्होंने ऐतिहासिक काम किया है। बच्चों का शरीर स्वस्थ रहे। सूर्य नमस्कार पूरे शरीर के लिए एक्सरसाइज है। शरीर के साथ मस्तिष्क अच्छा रहे। अच्छे स्वास्थ्य के साथ पढ़ाई में आगे बढ़े। देश की उन्नति में अपनी भागीदारी दे। इसका विरोध करना गलत है। जो लोग कर रहे हैं। उनका स्वभाव है कि सही बात पर भी विरोध करना है। उनके पास कोई काम नहीं है। उन्हें दिन भर बैठकर बस विरोध ही करना है।

उन्होंने कहा-सूर्य नमस्कार तो पूरे शरीर के विकास के लिए एक्सरसाइज है। सूर्य नमस्कार को डेली करना चाहिए। हम तो दिन प्रतिदिन करते हैं। बहुत सारे परिवार सूर्य नमस्कार करते ही हैं। इसको सरकारी तौर पर स्कूलों में लागू करने का स्वागत करना चाहिए । सूर्य नमस्कार का विरोध करने वाले लोगों को जबाब देते हुए विधायक बोले- विरोध करने वालों ने 5 साल तक कुछ नहीं किया। 5 साल तक तुष्टिकरण की राजनीति की। 5 साल में पेपर घोटाले किए। 5 साल तक कई प्रकार के घोटाले किए। उन्होंने राजस्थान को मर्दों का प्रदेश कहा। ऐसे चाल चरित्र की सरकार प्रदेश में पिछले 5 सालों से थी। जिन्होंने वाकई में प्रदेश में कुछ नहीं किया। बालमुकुंद बोले-सूर्य नमस्कार का मतलब होता है। सूर्य का सम्मान करना। हम सूर्य चंद्रमा, जल वायु आकाश सबका सम्मान करते हैं। हमारे सनातन धर्म में पंचतत्व को सब कुछ मानते हैं। देने वाले को प्रणाम करना कोई गलत बात नहीं है। सूर्य नमस्कार में धर्म कहां बीच में आ रहा है। इससे आपत्ति है तो इसके बारे में अध्ययन कर लो। इसे करने में कही कोई दिक्कत नहीं है।

स्कूलों की स्थिति बुरी, बिल्डिंग जर्जर

बालमुकुंद आचार्य ने कहा- उन्होंने स्कूलों की बहुत बुरी स्थिति कर दी। मैं कई स्कूलों में होकर आया। बिल्डिंग जर्जर हो रही है। फर्नीचर नहीं है। कोई पाठ्यक्रम की सामग्री नहीं दी। उन्होंने केवल घोटाले किए। इसलिए स्कूलों के लिए मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने आदेश जारी किए। विधायकों और कार्यकर्ताओं को उनके क्षेत्र के स्कूलों का काम करवाकर उन स्कूलों में जो कमियां हैं, उसको दूर करना है। स्कूल में बच्चों के लिए जो भी सुख सुविधा प्राइवेट स्कूलों में होती है। वही फैसिलिटी सरकारी स्कूलों में भी लागू होनी चाहिए। प्रायोरिटी पर यह काम शुरू हो चुका है। बच्चों के एग्जाम से पहले कुछ व्यवस्थाएं सही हो जाएगी।

राजस्थान में भीषण सड़क हादसा, 4 डॉक्टर सहित पांच लोगों की मौके पर मौत

बीकानेर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में चार डॉक्टर सहित पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 18 महीने की बच्ची भी शामिल है। मरने वाले दो दंपत्ति थे। वे गुजरात के रहने वाले थे। मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) प्यारेलाल शिवरान ने बताया कि हादसा नोखा थाना क्षेत्र में अमृतसर-जामनगर राजमार्ग पर उस समय हुआ जब एक वाहन (स्कॉर्पियो) आगे चल रहे वाहन में जा टकराया। हादसे में स्कॉर्पियो में सवार पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान गुजरात के डॉ. प्रतीक, उनकी पत्नी हेतल, गुजरात में ही नर्सिंग अधिकारी पूजा व उनके पति कर्ण के रूप में हुई है। इसके अलावा, हादसे में प्रतीक-हेतल की डेढ़ साल की बेटी की मौके पर ही मौत हो गई।

इंटरनेट-स्मार्ट फोन के बिना भी यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे

डिजिटल इंडिया के सीईओ बोले-सिर्फ एक नंबर डायल करना पड़ेगा

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। अब देश में बिना स्मार्ट फोन, इंटरनेट के जरिए भी यूपीआई से पैसे ट्रांसफर किए जा सकेंगे। केवल अपने फोन से एक कॉल करके व्यक्ति जिसे चाहे उसे मनी ट्रांसफर करने समेत दूसरी सुविधाएं (फास्टैग, मोबाइल रिचार्ज के अलावा अन्य बिल) ले सकेंगे। ये बात जयपुर में हुए आईटी एक्सपो में मीडिया से बात करते हुए डिजिटल इंडिया के सीईओ अमिताभ नाग ने कही।

दरअसल, देश में अब भी एक वर्ग ऐसा है, जिनके पास स्मार्ट फोन नहीं है। कई जगह इंटरनेट की सुविधा नहीं होने पर भी लोग यूपीआई की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पाते। सीईओ अमिताभ नाग ने बताया कि हमारा उद्देश्य डिजिटल और लिटरेसी गैप को पाटना है। वर्तमान में वॉइस कमांड के जरिए यूपीआई से भुगतान की फैसिलिटी देश में शुरू हो गई है। ये दो भाषाओं (हिंदी-अंग्रेजी) में चल रही है। इसे आगे हम 5 रीजनल भाषा में भी जल्द शुरू करने वाले हैं। अब हम उन लोगों के लिए यूपीआई पेमेंट ट्रांसफर की सुविधा शुरू कर रहे है, जिनके पास स्मार्ट फोन नहीं है। जहां इंटरनेट नहीं है। वहां भी पैसे ट्रांसफर किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया- इसके लिए यूजर को अपने मोबाइल फोन (स्मार्ट फोन हो या साधारण की-पेड वाला फोन) से एक नंबर डायल करना होगा। उस नंबर को डायल करने के बाद आपसे सर्वर उस नंबर या व्यक्ति के बारे में पूछेगा जिसे आपको यूपीआई के जरिए पैसा ट्रांसफर करना है। अगर आपके पास नंबर सेव नहीं है तो आप उस व्यक्ति का मोबाइल नंबर बोलकर या टाइप करके बताना होगा। नंबर मिलने के बाद सिस्टम उसे यूपीआई अकाउंट से जांचेगा। बताएगा कि ये नंबर किस व्यक्ति का है। उस व्यक्ति का नाम बोलने और आपसे कंफर्म करने के बाद सिस्टम वह राशि पूछेगा। राशि बताने के बाद सिस्टम आपके खाते से संबंधित व्यक्ति को राशि ट्रांसफर कर देगा।

एलपीजी की बुकिंग जैसी सुविधा

सीईओ ने बताया-अगर आपके मोबाइल में व्यक्ति का नाम पहले से सेव है तो ये प्रक्रिया और भी आसान हो जाएगी। इसमें यूजर को नंबर डायल करने के बाद उस व्यक्ति का नाम बोलकर पैसे ट्रांसफर की प्रक्रिया करनी होगी। उन्होंने बताया कि ये पूरी प्रक्रिया उसी तरह होगी जैसे वर्तमान में एलपीजी गैस बुकिंग के लिए होती है। उसमें भी उपभोक्ता को एक नंबर पर डायल करने के बाद सिलेंडर रिफिल समेत अन्य सुविधा का लाभ मिलता है।

ट्रेन में पड़े थे 2 लावारिस लग्जरी बैग

पुलिस ने खोलकर देखा तो फटी रह गई आंखें, पीछे हट गए सब

डूंगरपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। डूंगरपुर जीआरपी ने जयपुर-असारवा ट्रेन से लाखों रुपये का ड्रग्स बरामद किया है. पुलिस को इस ट्रेन में दो लग्जरी बैग लावारिस हालत में मिले थे. पुलिस ने संदिग्ध हालत में पड़े देखकर बैग्स की तलाश ली. पुलिस ने बैग्स को जैसे ही खोला तो वह चौंक पड़ी. इन बैग्स में लाखों रुपये का ड्रग्स गांजा भरा हुआ था. इस पर पुलिस ने दोनों बैग को अपने कब्जे में ले लिया. बैग्स में मिले गांजे का वजन 12 किलो 170 ग्राम है. इसका बाजार मूल्य करीब 15 लाख रुपये बताया जा रहा है. जीआरपी अब इन बैग्स के मालिक की तलाश में जुटी है। जीआरपी पुलिस के अनुसार 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत अवैध बजरी खनन, मादक पदार्थ, शराब और हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. इसके तहत जीआरपी ट्रेनों की भी नियमित चैकिंग कर रही है. इसी कड़ी में हाल ही में जयपुर-असारवा ट्रेन के सामान्य श्रेणी के कोच में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था. इस दौरान जीआरपी के जवानों को दो लग्जरी बैग मिले. ये बैग ट्रेन में लावारिस हालत में पड़े थे। पुलिस ने उनके बारे में यात्रियों से पूछताछ की लेकिन किसी ने उनके लिए हामी नहीं भरी. इस पर जीआरपी के जवानों को बैग्स को लेकर शक हो गया. उन्होंने उनको खोलकर देखा. बैग्स को खोलने पर उनमें ड्रग्स भरा हुआ मिला. इन बैग्स में गांजा भरा हुआ था. उसका तोल करवाया गया तो वह 12 किलो 170 ग्राम निकला. इसका बाजार मूल्य करीब 15 लाख रुपये बताया जा रहा है. उसके बाद जीआरपी ने इन बैग्स को अपने कब्जे में ले लिया।

जीआरपी के जवानों ने तत्काल अपने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी. बहरहाल इन बैग्स मालिक का पता नहीं चल पाया है. अब पुलिस इस जब्त गांजे को आज डूंगरपुर एनडीपीएस कोर्ट में पेश करके इसकी जांच शुरू करेगी. जीआरपी पुलिस चित्तौड़ और उदयपुर रेलवे स्टेशन से सीसीटीवी फुटेज खंगालेगी और आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास करेगी. उल्लेखनीय है कि इस इलाके में ड्रग्स पहले भी मिलता रहा है. लेकिन यह संभवतया पहली बार है कि सुरक्षा एजेंसियों को यह लग्जरी बैगों में भरा हुआ मिला है।

7वीं क्लास की स्टूडेंट से रेप करने का आरोपी गिरफ्तार

फर्नीचर की दुकान पर करता था काम, पहले दोस्ती का बना रहा था दबाव

अजमेर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। 7 क्लास की स्टूडेंट से रेप करने के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर आगे की जांच की जाएगी। आरोपी ने पीड़िता को घूमाने के बहाने अपने जीजा के घर ले जाकर रेप किया था।

आदर्श नगर थाना प्रभारी चेनाराम बेडा ने बताया कि टीम ने कार्रवाई करते हुए सुभाषनगर निवासी हर्षित खेर (21) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक फर्नीचर की दुकान पर काम करता था, जिसने पीड़िता को पहले दोस्ती करने के लिए दबाव बनाया था। इसके बाद बहला-फुसलाकर घुमाने के बहाने ले जाकर रेप किया। पीड़िता की मां ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि उसकी 14 साल की नाबालिग बेटी है। प्राइवेट स्कूल में वह 7th क्लास में पढ़ती है। वह बुधवार को काम से बाहर गई थी। रास्ते में हर्षित नाम का लड़का मिला और बहला-फुसलाकर घूमने के बहाने अपने साथ ले गया। लड़का धोखे से बेटी को अपने जीजा के घर ले गया और रेप किया। इसके बाद उसे एक स्कूल के बाहर छोड़कर चला गया। बाद में बेटी ने घर जाकर आपबीती बताई थी।

पुष्कर में युवा कांग्रेस की बैठक

21 फरवरी को जयपुर में सीएम आवास घेराव की तैयारी

अजमेर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर की पुष्कर विधानसभा युवा कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक कंचन नगर दौराई में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष व अजमेर संभाग प्रभारी अरबाब खान, अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष पुष्कर इलियास खान ने की। विशिष्ट अतिथि प्रदेश महासचिव व पुष्कर विधानसभा प्रभारी शीतल जोनवाल, अजमेर देहात जिला अध्यक्ष भूपेन्द्र पाल पंवार और पुष्कर से युवा नेता एडवोकेट अरशद खान इंसाफ रहे।

बैठक में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर रोजगार दो और न्याय दो अभियान के तहत पूरी विधानसभा में 10 हजार युवा बेरोजगारों का रजिस्ट्रेशन करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।उपस्थित युवा बेरोजगारों का रोजगार दो-न्याय दो अभियान के तहत रजिस्ट्रेशन कर अभियान का शुभारंभ किया गया। बैठक में राजस्थान युवा कांग्रेस के आगामी कार्यक्रम जय जवान अभियान केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई अग्निवीर योजना के खिलाफ अजमेर देहात जिला युवा कांग्रेस की बाइक रैली, जो कि ब्यावर में 18 फरवरी रविवार को प्रस्तावित है। इसमें पुष्कर विधानसभा से ज्यादा से ज्यादा युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उपस्थित युवा कार्यकर्ताओं को लक्ष्य दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ताओं ने डोनेट फॉर न्याय, डोनेट फॉर देश, बूथ जोड़ो यूथ जोड़ो एवं बेरोजगार सम्मेलन की आगामी रुप रेखा तैयार कर पुष्कर विधानसभा के सभी बूथ टीम बनाकर कार्य करने हेतु जिम्मेदारी दी गई।

ट्रैक्टर-टेंपो की टक्कर में तीन की मौत

धौलपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सड़क पर सब्जियां भर रहे टेंपो को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में टेंपो सवार तीन लोगों की मौत हो गई। थी। तीनों एक ही गांव के रहने वाले थे।

हादसा धौलपुर के शंकरपुरा गांव में आज सुबह हुआ। पुलिस ने तीनों के शव धौलपुर जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए हैं। वहीं, आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर फरार है। दिहौली थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि हादसे में टेंपो ड्राइवर अजोध्या (38) पुत्र कुंडल लोधा के साथ हरिओम (22) पुत्र जगदीश लोधा निवासी मरैना और जसवंत (30) पुत्र बाबूलाल लोधा की मौत हो गई। जसवंत और हरिओम कैला देवी दर्शन के लिए जा रहे थे।

जयपुर समेत 13 जिलों में दो दिन बारिश-ओले का अलर्ट

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में दो दिन बारिश और ओले गिरने की आशंका है। मौसम केंद्र जयपुर ने 19 और 20 फरवरी को जयपुर समेत 13 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

विभाग ने किसानों से जो कटी फसल खेतों में या खुले स्थानों पर रखी है, उनको सुरक्षित स्टॉरेज में रखने की अपील की है। राज्य में आज दर्ज तापमान में 10 शहर ऐसे रहे जहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। इसमें चूरू, पाली, करौली, सिरोही, बारां, धौलपुर, सीकर, पिलानी, अलवर, भीलवाड़ा शामिल हैं। सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। करौली में 6.1 और अलवर में 6.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा।

होटल-बजरी कारोबारी पर छापेमारी, 35 लाख कैश मिले

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में बजरी और होटल कारोबारी मेघराज सिंह के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी देर रात 11 बजे खत्म हो गई। जयपुर समेत 50 जगहों पर टीम की रेड पूरी हो गई है। सभी टीमें जयपुर ईडी मुख्यालय के लिए रवाना हो गईं। इस दौरान ईडी के अधिकारियों ने डिजिटल सबूत, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क और 35 लाख कैश सीज किया है। तीन दिन चली इस रेड में मेघराज सिंह से ईडी का संपर्क नहीं हो पाया। मेघराज के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन वो नहीं मिला। बता दें कि गुरुवार को मेघराज सिंह के जयपुर, नागौर और उदयपुर के ठिकानों पर ईडी ने रेड मारी थी।

ईडी के सूत्रों की माने तो सोमवार तक टीमें जब्त दस्तावेजों पर काम कर लेगी। इसके बाद ईडी की ओर से मेघराज सिंह और उनके एसोशिएट पार्टनर को मुख्यालय पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इस दौरान अगर मेघराज सिंह ईडी मुख्लाय में पेश नहीं हुआ। ईडी एक्शन करने की तैयारी में है। वहीं, ईडी ने एमआरएस ग्रुप के सभी बैंक खाते सील कर दिए हैं। इससे कम्पनी किसी भी प्रकार का ट्रांजैक्शन नहीं कर सकेगी। 200 फीट के पास जयपुर ऑफिस में ईडी को सर्च के दौरान लॉकर से 5 लाख रुपए मिले हैं।

गहलोत-पायलट खींचतान की फिर गूंज

स्पीकर का हाईकोर्ट में जवाब-81 कांग्रेस विधायकों ने मर्जी से नहीं दिए थे इस्तीफे; जांच होनी चाहिए

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच पुरानी खींचतान का मामला हाईकोर्ट में फिर ताजा हो गया है। बीजेपी नेता राजेंद्र राठौड़ की पीआईएल पर चल रही सुनवाई के तहत मौजूदा विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी की ओर से हाईकोर्ट में जवाब पेश किया गया।

मौजूदा स्पीकर ने जवाब में कहा कि पूर्व मंत्री शांति धारीवाल, बीडी कल्ला, टीकाराम जूली, ममता भूपेश सहित अन्य ने अपने इस्तीफे वापस लेने की अर्जियों में कहा कि उनके इस्तीफे मर्जी से नहीं थे। 25 सितंबर 2022 को कांग्रेस विधायक दल की पैरेलल बैठक करके गहलोत गुट के 81 विधायकों ने पायलट को सीएम बनाने की कोशिश के खिलाफ उस समय के विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को इस्तीफे सौंप दिए थे।

मौजूदा स्पीकर ने जवाब में लिखा है कि इस्तीफों पर हस्ताक्षर भी खुद की मर्जी से नहीं किए थे। कई मंत्री-विधायकों ने यह भी कहा कि उन्होंने स्पीकर के समक्ष व्यक्तिगत उपस्थित होकर इस्तीफे नहीं दिए थे। कोर्ट में पेश जवाब में यह भी कहा कि इस्तीफे देने, फिर वापस लेने की घटना बहुत बड़ी है। जांच होनी चाहिए, लेकिन तत्कालीन स्पीकर ने प्रसंज्ञान नहीं लिया।

मौजूदा स्पीकर के जवाब को रिकॉर्ड पर लिया

राजेंद्र राठौड़ सुनवाई के लिए अपने विधिक सलाहकार एडवोकेट हेमंत नाहटा के साथ हाईकोर्ट में पेश हुए थे। मौजूदा स्पीकर की ओर से सीनियर एडवोकेट आरएन माथुर कोर्ट में उपस्थित हुए और प्रतीक माथुर ने जवाब पेश किया। विधायकों के इस्तीफे और उन्हें वापस लेने के प्रार्थना पत्र की कॉपी भी पेश की गई। इनमें खुलासा हुआ कि उन्होंने इस्तीफा स्वैच्छिक तौर पर नहीं दिए थे, जबकि विधानसभा अध्यक्ष से इस्तीफे अविलम्ब मंजूर करने का आग्रह किया गया था।

तत्कालीन स्पीकर ने भी जवाब में माना था इस्तीफे मर्जी से नहीं दिए थे

गहलोत और पायलट गुट के बीच खींचतान के चलते तत्कालीन स्पीकर सीपी जोशी को गहलोत गुट के विधायकों ने इस्तीफे दिए थे। 25 सितंबर 2022 की घटना के बाद कांग्रेस हाईकमान ने शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस दिए थे। इस मामले में सुलह हो जाने के बाद गहलोत गुट के विधायकों ने इस्तीफे वापस लिए थे। 30 दिसंबर 2022 से 10 जनवरी 2023 तक इन विधायकों ने इस्तीफे वापस लेने के लिए अर्जियां लगाई थीं। 13 जनवरी 2023 को तत्कालीन स्पीकर ने इस्तीफे नामंजूर कर दिए थे।

राठौड़ की याचिका के बाद सीपी जोशी ने हाईकोर्ट में जवाब पेश किया था

गहलोत गुट के विधायकों के इस्तीफों पर उस समय के स्पीकर सीपी जोशी ने 113 दिन तक फैसला नहीं किया और बाद में इन्हें नामंजूर किया। राठौड़ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। राठौड़ की याचिका के बाद हाईकोर्ट में तत्कालीन स्पीकर ने जवाब पेश करते हुए माना था कि ये इस्तीफे मर्जी से नहीं दिए थे। राठौड़ ने कहा कि तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत का विधायकों पर दबाव था। इस्तीफा वापसी की अर्जियों में कांग्रेस की महिला विधायक मनीषा पंवार, मंजू देवी, ममता भूपेश, कृष्णा पूनिया, प्रीति शक्तावत, इंदिरा मीणा, शोभारानी कुशवाहा ने खुद के लिए पुल्लिंग शब्द का उपयोग करते हुए लिखा कि इस्तीफा वापस लेता हूं। इससे साबित है कि इस्तीफे योजनाबद्ध तरीके से कांग्रेस आलाकमान को प्रभावित करने के लिए पूर्व सीएम अशोक गहलोत के दबाव में दिलवाए गए थे। राठौड़ ने कहा कि टीकाराम जूली, शांति धारीवाल, महेश जोशी, अशोक चांदना, उदयलाल आंजना ने भी कहा कि उनके इस्तीफों पर खुद की मर्जी से हस्ताक्षर नहीं थे। विधायकों का 110 दिन बाद यह कहना कि त्याग पत्र स्वैच्छिक नहीं थे, तो सवाल है कि किसके दबाव में इस्तीफे दिए थे। 25 सितंबर 2022 से 81 विधायकों ने वेतन-भत्तों के जो 18 करोड़ प्राप्त किए उन्हें भी रिकवर करवाने का आदेश देने का आग्रह हाईकोर्ट से किया गया है।

पुराने जख्म कुरेदने से खेमेबंदी बढ़ेगी

25 सितंबर की घटना पर गहलोत और पायलट खेमों के बीच अब भी कई बार वार पलटवार होता रहता है। विधानसभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस की सत्ता चली गई है, पार्टी विपक्ष में है, इसलिए अब सत्ता संघर्ष बचा नहीं है।अब तक राजनीतिक हालात काफी बदल चुके हैं।

राजस्थान पर्यटकों की पहली पसंद है और प्रत्येक पर्यटक है हमारा अतिथि : प्रमुख शासन सचिव

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। प्रमुख शासन सचिव,पर्यटन गायत्री राठौड़ का कहना है कि पर्यटन का सिरमौर राजस्थान पर्यटकों की पहली पसंद है। यहां आने वाला प्रत्येक पर्यटक हमारा अतिथि है। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की मंशा अनुसार हमारा प्रयास है कि राज्य में आने वाला प्रत्येक पर्यटक यहां यादगार पल बिताकर जाए। इसी भावना के अनुरूप प्रदेश में पर्यटकों व विशेषकर महिला पर्यटकों के साथ सम्मानजनक व संवेदनशील व्यवहार करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया है।

जागरूकता अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा जिसमें जयपुर समेत जोधपुर, जैसलमेर, उदयपुर, बीकानेर, अजमेर, भरतपुर सहित प्रमुख जिलों के पर्यटन स्थलों पर दुकानदारों, पर्यटक गाइड्स और आमजन को पर्यटकों से संवेदनशील व्यवहार करने का संदेश दिया गया। राठौड़ ने बताया कि अभियान के दौरान पर्यटकों को फीडबैक फॉर्म देकर उनकी समस्याओं को जानकर उसे पर कार्यवाही भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह फीडबैक फॉर्म ऑफलाइन होने के साथ ही ऑनलाइन भी है। इस फीडबैक फॉर्म में एक क्यूआर कोड है जिसे स्कैन करने पर एक गूगल फॉर्म खुलेगा, जिस पर पर्यटक अपनी शिकायतों के साथ साथ सुझाव दे सकते हैं। पर्यटकों द्वारा इस फीडबैक फॉर्म के जरिए पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता का फीडबैक भी दिया जा सकता है। निदेशक पर्यटन विभाग डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को उपनिदेशक पर्यटन सहायता बल नारायण कुमार बाजिया के नेतृत्व में आमेर में लपकागिरी करते हुए महबूब खान नाम के एक व्यक्ति को पड़कर कार्यवाही के लिए आमेर पुलिस थाने को सुपुर्द किया गया है। उन्होंने बताया कि आमेर किला मार्च पर पर्यटक गाइड को चेक करने पर पर्यटक गाइड रतनलाल सैनी के पर्यटक गाइड सम्बंधि लाइसेंस की अवधि मार्च 2023 में समाप्त होना पाया गया।

जयशंकर भूपालपल्ली और कोमुरमभीम आसिफाबाद जिलों में नए भरोसा केंद्र खुले

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस की महिला सुरक्षा विंग तेलंगाना के सभी जिलों में भरोसा केंद्रों की अपनी प्रमुख पहल को बढ़ा रही है। राजन्ना सिरसिला, नारायणपेट और कामारेड्डी जिलों में तीन नए भरोसा केंद्र खोलने के अगले ही दिन; तेलंगाना राज्य पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा ने आज कोमुरमभीम आसिफाबाद और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों में दो और नए केंद्र खोले हैं। एक अन्य जिला, निर्मल में 18 फरवरी को भरोसा केंद्र खोलने की योजना है। हाल ही में नए भरोसा केंद्रों के उद्घाटन के साथ, राज्य भर के 26 जिले अब भरोसा केंद्रों के माध्यम से बढ़ी हुई पहुंच के दायरे में आ गए हैं। यह पूरे राज्य में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के पीड़ितों की सहायता के लिए राज्य की प्रतिबद्धता के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

श्रीमती शिखा गोयल आईपीएस, एडीजी महिला सुरक्षा विंग के मार्गदर्शन में जिला स्तर पर उद्घाटन समारोह आयोजित किये गये। पुलिस अधिकारियों और नव भर्ती भरोसा स्टाफ सदस्यों की उत्साही भागीदारी से चिह्नित समारोह की कोमुरमभीम आसिफाबाद और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों में उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता एसपी किरण खरे (जयशंकर भूपालपल्ली) के सुरेश कुमार (कोमरमभीम आसिफाबाद) की। उद्घाटन भाषणों ने यह स्पष्ट कर दिया कि तेलंगाना पुलिस महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से बचे लोगों को व्यापक सहायता प्रदान करने के लिए जमीनी स्तर पर दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। वर्तमान में किराए के परिसर में संचालित होने वाले इन केंद्रों को अंततः अत्याधुनिक इमारतों में स्थापित किया जाएगा, इस उद्देश्य के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) फंडिंग की मांग की जाएगी। भरोसा द्वारा संचालित - महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए सोसायटी की तेलंगाना की महिला सुरक्षा विंग की एडीजीपी शिखा गोयल सदस्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं, ये केंद्र पीड़ितों को विशेष सहायता प्रदान करते हैं। प्रत्येक केंद्र में परामर्शदाताओं, मनोवैज्ञानिकों, कानूनी विशेषज्ञों और चिकित्सा कर्मियों सहित पेशेवरों की एक टीम मौजूद है, जो व्यापक देखभाल सुनिश्चित करती है। इसके अलावा, इस दृष्टिकोण में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के समकालीन रूपों को संबोधित करना शामिल है, प्रत्येक केंद्र में समग्र सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित महिला पुलिस अधिकारी और चिकित्सा पेशेवर हैं।

उद्घाटन समारोह के दौरान, वक्ताओं ने पुलिसिंग और कानूनी ढांचे के भीतर पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, भरोसा केंद्रों द्वारा प्रदान किए गए समग्र समर्थन पर जोर दिया।

भरोसा टीम के सदस्य कानूनी ढांचे, मनो-सामाजिक समर्थन और सहानुभूति पर गहन प्रशिक्षण गतिविधियों से गुजरते हैं। अपनी स्थापना के बाद से, इन केंद्रों ने यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पास्को) से संबंधित 4782 मामलों और 1163 बलात्कार मामलों में सहायता की है, जो न्याय और पुनर्वास की सुविधा में उनकी अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित करता है।

एनएमडीसी मुख्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 17 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, हैदराबाद में आज गैर-लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि महेश एस. नायर, महाप्रबंधक (कार्मिक) ने अपने संबोधन में इस हिंदी कार्यशाला के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपना दैनिक कामकाज राजभाषा हिंदी में करने की अपील की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में उप महाप्रबंधक रूद्रनाथ मिश्र, मो. कमालुद्दीन ने प्रतिभागियों को दैनिक बोलचाल में सरलता के साथ आसान हिंदी बोलने तथा अपने दैनिक कामकाज यथा रजिस्टरों, लॉग बुक आदि में हिंदी में प्रविष्टि करने के विषय में जानकारी दी। उप महाप्रबंधक ने अपने दैनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के आसान उपयोग के विषय में जानकारी दी। राजेश कुमार गोंड, देबाशीष घोष, डॉ. रजिन्दर कौर, एवं एस.के. सनोडिया ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।

सेक्टर अधिकारियों को ईवीएम के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए : तिवारी

आसिफाबाद 17 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर समाहर्ता दीपक तिवारी ने कहा कि संसदीय चुनाव के मद्देनजर सेक्टर पदाधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। शनिवार को, उन्होंने जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) दसारी वेणु के साथ आदिलाबाद लोकसभा चुनाव के लिए जिले के सिरपुर और आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्रों के सेक्टर अधिकारियों के लिए आयोजित ईवीएम पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि सेक्टर पदाधिकारियों को ईवीएम के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। आगामी संसदीय चुनाव को सुचारू रूप से चलाने में सेक्टर अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सेक्टर अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले मतदान केंद्रों का भ्रमण कर पूर्ण विवरण के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा भारत निर्वाचन आयोग के नियमानुसार कार्य करें।

उन्होंने कहा कि चुनाव में 17 सी डायरी, पीठासीन अधिकारी को डायरी की जानकारी होनी चाहिए। मास्टर ट्रेनर सेक्टर पदाधिकारियों को चुनाव से संबंधित हर पहलू को गहनता से समझायें। इस कार्यक्रम में सेक्टर अधिकारी, मास्टर ट्रेनर, निर्वाचन विभाग अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

राज्य सरकारी सलाहकार राव ने किया मेडाराम का दौरा

वारंगल, 17 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल राव ने शनिवार को मेडाराम सम्मक्का-सरक्का अम्मावर का दौरा किया। इस अवसर पर मुलुगु जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी, एसपी डॉ. पी. गट्टम्मा उपस्थित थे।

उन्होंने गट्टम्मा मंदिर के दर्शन किए और वहां से सीधे मेडाराम पहुंचे, अप्सराओं के दर्शन किए और और तराजू पर सोना तौलकर माताओं को अर्पित किया। जिला कलक्टर से मेडाराम महाजतरा व्यवस्था की जानकारी ली गई। उन्होंने कलेक्टर से कहा कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। बाद में उन्होंने पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. धनसारी अनसूया से मुलाकात की। इस कार्यक्रम में उनके साथ आरटीसी के पूर्व जोनल चेयरमैन एस जगनमोहन राव, श्रम सलाहकार बोर्ड के पूर्व सदस्य जी नागभूषणम, के प्रवीण, रेड क्रॉस सोसाइटी राज्य गवर्निंग काउंसिल के सदस्य ईवी श्रीनिवास राव, कोथापल्ली प्रसाद राव, बोड्डीरेड्डी सतीश रेड्डी ने भाग लिया।

सीपी से मिलें सहकारी समिति के निदेशक

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त डॉ. तरूण जोशी का राचकोंडा सहकारी समिति के निदेशकों द्वारा स्वागत किया गया। जब राचकोंडा सहकारी समिति के बारे में विभिन्न मुद्दों पर आयुक्त को अनुरोध प्रस्तुत किया गया, तो सीपी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कर्मचारियों के कल्याण के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का वादा किया। राचाकोंडा सहकारी समिति के कोषाध्यक्ष के. बल राज, निदेशक डी. जंगैया और संगी वलाराजू आदि उपस्थित रहे।

संजय जाजू ने तेलंगाना में मीडिया इकाइयों के कामकाज की समीक्षा की

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने तेलंगाना में मीडिया इकाइयों के बीच तालमेल के माध्यम से प्राप्त सकारात्मक परिणामों पर प्रकाश डाला। इससे भारत सरकार की पहलों, नीतियों और कार्यक्रमों का बेहतर संचार और व्यापक प्रचार हुआ। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्यभार संभालने के बाद संजय जाजू ने तेलंगाना राज्य की अपनी यात्रा के दौरान आज पीआईबी हैदराबाद, सीजीओ टावर्स में तेलंगाना में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों की गतिविधियों और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में सभी मीडिया इकाइयों के प्रमुख भी उपस्थित थे। संजय जाजू ने गोकुलनगर, बाजारघाट नामपल्ली डिवीजन में विकसित भारत संकल्प यात्रा (शहरी)-द्वितीय चरण में भी भाग लिया। उन्होंने सूचना और प्रसारण मंत्रालय की एक आईईसी सामग्री का अनावरण किया, जिसमें केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई। सचिव ने कार्यक्रम में केंद्र सरकार के विभिन्न स्टालों का भी दौरा किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत की। तेलंगाना में इस समय विकसित भारत संकल्प यात्रा का दूसरा चरण चल रहा है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य नागरिकों को उनके लिए सुलभ कल्याणकारी योजनाओं के व्यापक स्पेक्ट्रम के बारे में जागरूक और सशक्त बनाना है। इस पहल ने जनता से काफी रुचि और सक्रिय भागीदारी प्राप्त की है, जो सामाजिक कल्याण और समावेशिता को बढ़ावा देने में इसके महत्व को उजागर करती है।

महिलाएं स्वरोजगार अपनाएं और आर्थिक रूप से आगे बढ़ें : जिला एसपी

आसिफाबाद, 17 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एसपी के सुरेश कुमार तिरयानी मंडल के माणिक्यपुर, गडाला पल्ली में वसुधा चैरिटी संगठन के सहयोग से मुफ्त सिलाई प्रशिक्षण कक्षाओं के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर एसपी ने कहा कि निःशुल्क सिलाई मशीन प्रशिक्षण केन्द्र से महिलाओं को स्वरोजगार प्राप्त करने में मदद मिलेगी तथा महिलाओं एवं युवतियों को इस कार्यक्रम का लाभ उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक आजादी हासिल करनी चाहिए।

महिलाएं आर्थिक रूप से विकसित होंगी तो उनके बच्चों का भविष्य काफी बेहतर होगा। शिक्षा से ही विकास होगा और उन्हें अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजना चाहिए। उनका उज्ज्वल भविष्य उनके माता-पिता के निर्णय पर निर्भर करता है।

सिलाई मशीन का प्रशिक्षण पूरा करने वाली 31 महिलाओं को प्रमाण पत्र सौंपे गए।

इस कार्यक्रम में एडिशनल एसपी अचेश्वर राव, आसिफाबाद डीएसपी सदैया, वसुधा चैरिटी समन्वयक उमा, रेबेना सीआई चिट्टी बाबू, तिरयानी एसआई रमेश, गदालापल्ली पूर्व सरपंच गुणवंत राव, जिला सरमेदी मोतीराम, ग्रामीणों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

मेयर गुंडू सुधारानी ने की बजट निर्माण की समीक्षा

वारंगल, 17 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गुंडू सुधारानी ने शुक्रवार को बलदिया मुख्यालय स्थित मेयर कक्ष में विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ बजट निर्माण की समीक्षा की। इस अवसर पर, आयुक्त अनीस उर रशीद ने मेयर को विभिन्न पहलुओं में खर्च और आवंटित किए जा रहे वित्तीय पहलुओं के बारे में बताया।

इस मौके पर मेयर ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा बजट को लेकर यदि कोई बदलाव किया गया है तो वे अपर आयुक्त को सुझाव दें, ताकि बजट को व्यापक तरीके से डिजाइन किया जा सके। इस कार्यक्रम में एससी प्रवीण चंद्रा, सीएमएचओ राजेश, डिप्टी कमिश्नर रविंदर, कृष्णा रेड्डी, एचओ रमेश, ईई श्रीनिवास राव, बीएल श्रीनिवास, संजय कुमार, आरओ और अन्य ने भाग लिया।

सफाई कर्मचारियों के कल्याण की योजनाएं बेहतर तरीके से लागू हो : वेंकटेशम

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ की बैठक

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एम. वेंकटेशम ने जिला प्रशासन को सफाई कर्मचारियों के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को ठीक से लागू करने और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए सभी उपाय करने का आदेश दिए। शनिवार को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एम वेंकटेशम ने जिला अतिरिक्त कलेक्टर भूपाल रेड्डी, जिला अधिकारियों, जीएचएमसी अधिकारियों आदि के साथ श्रमिकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा कार्यान्वित योजनाओं की प्रगति पर एक बैठक की। इस मौके पर बोलते हुए राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष ने अधिकारियों को सफाई कर्मचारियों के पुनर्वास के लिए सरकारी योजनाओं को लागू करने के उपाय करने का आदेश दिया। उन्होंने जिले में सफाई कर्मियों की विभिन्न समस्याओं की जानकारी ली। नगर निगम आयुक्तों ने बताया कि वे जिले के नगर निगमों और नगर पालिकाओं में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को वेतन पर्ची, पीएफ, ईएसआई और बीमा प्रदान कर रहे हैं। यह सुझाव दिया गया है कि स्वच्छता कार्यकर्ताओं को उन क्षेत्रों में वर्ष में कम से कम दो बार चिकित्सा शिविर आयोजित करने चाहिए जहां वे रहते हैं क्योंकि अस्वच्छ क्षेत्रों में स्वच्छता कार्य के कारण उनके लिए स्वास्थ्य समस्याएं होने की संभावना है।

उन्होंने सभी सरकारी कार्यालयों एवं पुलिस स्टेशनों में सफाई कर्मियों के लिए रोजगार सृजन हेतु विशेष पहल करने एवं उन्हें सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन उपलब्ध कराने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि महिला कर्मियों के लिए एक विशेष समिति बनायी जाये और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाये जाये। सफाई कर्मियों को प्रधानमंत्री बीमा योजना योजना के बारे में जागरूक किया जाए।

बैठक में जिला अतिरिक्त कलेक्टर भूपाल रेड्डी, साइबराबाद डीसीपी (अपराध) नरसिमलु, जिला परिषद सीईओ कृष्णा रेड्डी, जिला समाज कल्याण विभाग अधिकारी रामाराव, जिला एससी निगम अधिकारी प्रवीण रेड्डी, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी नवीन रेड्डी, जिला आदिवासी कल्याण विभाग अधिकारी रमेश्वरी देवी, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अधिकारी डॉ. वेंकटेश्वर राव, नगर निगम आयुक्त, एलडीएम कुसुमा, सफाई कर्मचारी, संबंधित अधिकारी और अन्य उपस्थित थे।

पेयजल कमी की समस्या रोकने के लिए कदम उठाएं : जिला तिवारी

आसिफाबाद, 17 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अपर कलेक्टर दीपक तिवारी ने कहा कि चूंकि गर्मी का मौसम आ रहा है, इसलिए जिले में पेयजल की कमी की समस्या को रोकने के लिए पहले से ही कड़े कदम उठाए जाने चाहिए।

शनिवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत कलेक्टोरेट भवन के सभाकक्ष में जिला पंचायत, मंडल पंचायत के अधिकारियों, मिशन भगीरथ ईई, डीई, एई के साथ समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर जिले के अपर समाहर्ता ने कहा कि आने वाले गर्मी के मौसम में लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र कदम उठायें ताकि जिले में पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो। मिशन भागीरथ योजना के तहत हर घर में नल कनेक्शन के माध्यम से पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा और इस क्रम में अधिकारियों को पाइपलाइनों की मरम्मत और अन्य समस्याओं की निगरानी करने और यदि कोई मरम्मत हो तो उसे शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया है। और पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उपाय करें। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

कौलस में मनाया गया रथ सप्तमी उत्सव

मदनूर, 17 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल मंडल के कौलस गांव में वृषभलिंग शिवाचार्य संस्थान मठ में तीन दिन का वसंत पंचमी और रथसप्तमी उत्सव मनाया गया। शनिवार तड़के स्वामी जी के नेतृत्व में रथ उत्सव और अग्निकुंड कार्यक्रम हुआ। भक्तों ने मठ संस्थानम से माधव मंदिर तक रथ शोभा यात्रा निकाला। शिवभक्तों की वेशभूषा में भजन, कीर्तन, नृत्य, कन्नड़, मराठी, तेलुगु पारंपरिक गीतों के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। इसके बाद, अग्निकुंड के पास एक विशेष पूजा की गई और सैकड़ों भक्तों ने अग्निकुंड में चलकर अपनी भक्ति दिखाई। इस उत्सव में तेलंगाना के साथ साथ महाराष्ट्र, कर्नाटक के भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

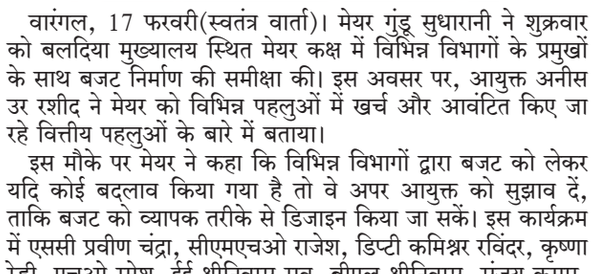

रेजडी केजड़ी सेवा समिति की सभा हैदरगुड़ा में आयोजित की गई । अशोक बंसल एवं सुबोध संघी ने 20 एवं 21 अप्रैल 2024 को कुलदेवी के अवतरण महोत्सव से संबंधित विषय पर मंथन किया और तभी को विस्तार से जानकारी दी। सभा में प्रभात संघी, पंकज संघी, विवेक संघी, राजेंद्र संघी, प्रभात संघी, विवेक संघी, पवन संघी, गोपी संघी आदि उपस्थित रहे।

हनुमाकोंडा जिला कलेक्टर सिकता पटनायक ने राज्य डिप्टी कलेक्टर एसोसिएशन की डायरी का अनावरण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर महेंद्र, डिप्टी कलेक्टर वाईवी गणेश, एल रमेश, श्रीनिवास, उमारानी और अन्य ने भाग लिया।

धमाईगुडा स्थित श्री श्रीयादे माता मंदिर में कवाड़िया परिवार द्वारा आयोजित एक शाम माताजी के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए गिरधारीलाल, महेन्द्र नाथ एंड पार्टी। अवसर पर दर्शन, भजनों, व भोजन-प्रसादी का लाभ लेते हुए आयोजक गणपतलाल, लालचन्द, मांगीलाल, दिनेशकुमार कवाड़िया, सोहनलाल, भरतकुमार कालबाल, भरतकुमार बेरा, समाज बन्धु व भक्तगण।

विश्व मंगल गौशाला में 24 फरवरी को एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम का आमंत्रण देते हुए दुर्गा रेड्डी, लुंबाराम सीरवी, उदय भास्कर वेंकट रेड्डी, ताराराम सीरवी, महेंद्र सिंह, नेमीचंद गोयल, गोराराम सीरवी, सुरेश देवासी, शांतिलाल सुथार, धर्माराम चलचलसुगंध ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

गुजरात में 2 ...

शिरवानी ने बताया कि इसके बाद भी परेशानी खत्म नहीं हुई थी। 2015 से मैं आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाने और अफसरों के चक्कर लगाता रहा। लेकिन, पुलिस अफसरों की कंपनी मालिकों से मिलीभगत के चलते मामला दर्ज ही नहीं हो सका।

6 दिसंबर 2015 और 4 फरवरी 2016 के बीच मैंने संबंधित पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया था। उनके चुप रहने के बाद मैंने गुजरात हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने 10 अक्टूबर 2019 को इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। लेकिन, आरोपी तब सुप्रीम कोर्ट से स्टे ऑर्डर ले आए थे।

'शीर्ष अधिकारियों को ...

उच्च न्यायालय ने 2019 में बर्खास्तगी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि इस याचिका में दम नहीं है।

छत्रपाल को बरेली की जिला अदालत में स्थायी आधार पर अर्दली के रूप में चतुर्थ श्रेणी के पद पर नियुक्त किया गया था। बाद में उनका तबादला जिला अदालत की शाखा नजरत में किया गया। लेकिन, उन्हें वेतन एक अर्दली का ही दिया जा रहा था। नजरत शाखा अदालतों की ओर से जारी किए समन, नोटिस, वारंट आदि जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं के वितरण और उन्हें पूरा करने के लिए जिम्मेदार है।

गीतकार गुलजार और ...

ज्ञानपीठ चयन समिति ने एक बयान में कहा, 'यह पुरस्कार (2023 के लिए) दो भाषाओं के प्रतिष्ठित लेखकों को देने का निर्णय लिया गया है. इसके लिए संस्कृत साहित्यकार जगद्गुरु रामभद्राचार्य और प्रसिद्ध उर्दू साहित्यकार गुलजार को चयनित किया गया है।'

क्या है ज्ञानपीठ पुरस्कार?

बता दें कि ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय साहित्य का सर्वोच्च पुरस्कार है. 1961 में इस पुरस्कार की स्थापना की गई थी और 1965 में पहली बार मलयालम कवि जी. शंकर कुरुप को उनकी कृति ओडक्कुझल के लिए ये पुरस्कार दिया गया था. इस पुरस्कार को सिर्फ भारत के नागरिक को ही दिया जाता है, जो आठवीं अनुसूची में बताई गई 22 भाषाओं में से किसी भी भाषा में लिखता हो. पुरस्कार में 11 लाख रुपये की धनराशि, प्रशस्तिपत्र और वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा दी जाती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

राजकोट टेस्ट में भारत 322 रन से आगे

तीसरे दिन का खेल खत्म, स्कोर 196/2; यशस्वी का शतक, शुभमन फिफ्टी लगाकर नॉटआउट

राजकोट, 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट का तीसरा दिन खेला गया। टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड की पहली पारी 319 रन पर सिमट गई। फिलहाल भारत की दूसरी पारी जारी है। यह मैच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जा रहा है। दूसरी पारी में भारत ने दो विकेट गंवाकर 196 रन बना लिए हैं।

तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त हो चुका है। भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट गंवकर 196 रन बना लिए हैं। फिलहाल कुलदीप यादव तीन रन और शुभमन गिल 65 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत को दो झटके रोहित (19) और रजत पाटीदार (0) के रूप में लगे।

वहीं, यशस्वी जायसवाल कमर में दर्द की वजह से 133 गेंद में 104 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। वह अब तक अपनी पारी में नौ चौके और पांच छक्के लगा चुके हैं। वह आगे बल्लेबाजी के लिए आएंगे या नहीं इस पर बीसीसीआई ने अभी कोई पुष्टि नहीं की है।

इंग्लैंड की ओर से जो रूट और टॉम हार्टले को एक-एक विकेट मिला है। दूसरी पारी में भारत की कुल बढ़त अब तक 322 रन की हो चुकी है। पहली पारी में टीम इंडिया ने 445 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड की पहली पारी 319 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर टीम इंडिया को दूसरी पारी में 126 रन की लीड मिली थी।

भारत को 191 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। रजत पाटीदार खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें टॉम हार्टले ने रेहान अहमद के हाथों कैच कराया। रजत ठीक वही शॉट खेलकर आउट हुए, जैसे पिछली पारी में हुए थे। हार्टले की ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट बॉल पर शॉर्ट आर्म जैब करने के प्रयास में मिड विकेट में कैच थमा बैठे। पिछली पारी में भी हार्टले ने उन्हें ऐसे ही आउट किया था। फिलहाल नाइट वाचमैन कुलदीप यादव और शुभमन गिल क्रीज पर हैं।

यशस्वी कमर में दर्द की वजह से रिटायर्ड हर्ट हो गए हैं। वह 133 गेंद में 104 रन बना चुके थे। अब वह बाद में बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। यशस्वी काफी दर्द में थे और बार बार फीजियो को मैदान पर आना पड़ रहा था। यशस्वी के पवेलियन लौटते वक्त स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया। भारतीय ड्रेसिंग रूम में भी सभी खड़े होकर ताली बजाई। यहां तक कि इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैकुलम ने भी यशस्वी के लिए खड़े होकर ताली बजाई। स्टोक्स ने भी यशस्वी को बधाई दी। भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट गंवाकर 189 रन बना लिए हैं। टीम इंडिया की बढ़त 315 रन की हो गई है। शुभमन गिल 61 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनका साथ निभाने रजत पाटीदार आए हैं।

भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट गंवाकर 184 रन बना लिए हैं। यशस्वी 104 रन और शुभमन 56 रन बनाकर क्रीज पर हैं। शुभमन ने टेस्ट करियर का पांचवां अर्धशतक जड़ा। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 150+ रन की साझेदारी हो चुकी है। भारत की बढ़त 310 रन की हो चुकी है। भारत को एकमात्र झटका रोहित शर्मा के रूप में लगा था। यशस्वी काफी दर्द में दिख रहे हैं। उनकी कमर में दर्द है। फीजियो मैदान में आए, लेकिन यशस्वी पवेलियन नहीं लौटे।

यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट करियर का तीसरा शतक जड़ा। यह इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में उनका दूसरा शतक है। दूसरे यानी पिछले टेस्ट में उन्होंने दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने 122 गेंद पर शतक लगाया। यशस्वी टी20 मोड में बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनके शतक की बदौलत भारत ने एक विकेट पर 168 रन बना लिए हैं। फिलहाल शुभमन 44 रन और यशस्वी 100 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों की अब तक 138 रन की साझेदारी हो चुकी है। वहीं, भारत की बढ़त 294 रन की हो चुकी है। भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट गंवाकर 138 रन बना लिए हैं। फिलहाल यशस्वी जायसवाल 101 गेंद में 88 रन और शुभमन गिल 26 रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत की बढ़त 260 से ज्यादा रन की हो गई है। यशस्वी आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं।

जय शाह की खिलाड़ियों को चेतावनी

लेटर में लिखा- रणजी छोड़ने के गंभीर परिणाम होंगे

डोमेस्टिक क्रिकेट सिलेक्शन का अहम मापदंड

मुंबई. 17 फरवरी (एजेंसियां)। कभारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने रणजी ट्रॉफी 2024 नहीं खेल रहे खिलाड़ियों को चेतावनी दी है। शाह ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट और इंडिया-ए के उन खिलाड़ियों को लेटर लिखा है, जो स्टेट टीम से खेलने के बजाय आईपीएल की तैयारी में लगे हैं।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, शाह ने लेटर में लिखा कि नेशनल टीम में सिलेक्शन के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट अभी महत्वपूर्ण मापदंड बना हुआ है। इसमें हिस्सा नहीं लेने के गंभीर प्रभाव होंगे। चेतावनी जारी करने की वजह डोमेस्टिक रेड-बॉल क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देने वाले खिलाड़ियों की चिंताजनक प्रवृत्ति है।

डोमेस्टिक क्रिकेट हमेशा वह आधार रहा है जिस पर भारतीय क्रिकेट खड़ा

शाह ने लिखा- 'हाल ही में एक कुछ ऐसी चीजे सामने आई है, जो चिंता की वजह है। कुछ खिलाड़ियों ने डोमेस्टिक क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। यह एक ऐसा बदलाव है जिसकी उम्मीद नहीं थी। डोमेस्टिक क्रिकेट हमेशा वह आधार रहा है जिस पर भारतीय क्रिकेट खड़ा है।

डोमेस्टिक क्रिकेट भारतीय क्रिकेट की रीढ़ है और टीम इंडिया के लिए फीडर लाइन के रूप में कार्य करता है। भारतीय क्रिकेट के लिए हमारा दृष्टिकोण शुरू से ही क्लियर रहा है। टीम इंडिया के लिए खेलने के इच्छुक हर प्लेयर को डोमेस्टिक क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा। डोमेस्टिक क्रिकेट में परफॉर्मेंस सिलेक्शन के लिए एक महत्वपूर्ण पैमाना बना हुआ है और डोमेस्टिक क्रिकेट में हिस्सा न लेने के गंभीर प्रभाव होंगे।

ईशान, अय्यर और चाहर नहीं खेल रहे रणजी मैच

यह लेटर तब आया है जब कुछ खिलाड़ियों ने फिट रहने और अगले आईपीएल सीजन की तैयारी के लिए मौजूदा रणजी ट्रॉफी में खेलने को नजरअंदाज कर दिया। इसमें राजस्थान के तेज गेंदबाज दीपक चाहर, झारखंड के विकेटकीपर ईशान किशन और मुंबई के राइट हैंड बैटर श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, जो शुरू हुए रणजी ट्रॉफी मैचों के अंतिम राउंड में हिस्सा नहीं ले रहे हैं।

रणजी न खेलने से खुश नहीं बोर्ड: रिपोर्ट

हाल ही में आई कुछ रिपोर्ट में कहा गया था कि बीसीसीआई जनवरी से पहले ही खिलाड़ियों के आईपीएल मूड में आने से नाराज है। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से लिखा गया था कि आने वाले कुछ दिनों में सभी खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी और बीसीसीआई के अन्य डोमेस्टिक टूर्नामेंट में अपनी स्टेट टीम के लिए खेलने के लिए बोर्ड द्वारा सूचित किया जाएगा। जब तक वे नेशनल ड्यूटी पर नहीं हैं। केवल उन खिलाड़ियों को छूट दी जाएगी, जो अनफिट हैं और एनसीए में रिहैब कर रहे हैं।

द्रविड ने कहा था- वापसी के लिए क्रिकेट खेलना होगा

ईशान किशन की वापसी पर भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड कह चुके हैं कि यदि उन्हें टीम में वापसी करनी है, तो क्रिकेट खेलना होगा। बता दें कि किशन ने दिसंबर-2023 में साउथ अफ्रीका दौरे से अपना नाम वापस ले लिया था। तब से वे सिलेक्शन के लिए उप्लब्ध नहीं हैं।

पंड्या ब्रदर्स के साथ वड़ोदरा में प्रैक्टिस कर रहे किशन

ईशान किशन का कुछ दिन पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर हुआ था, जिसमें वह वड़ोदरा में पंड्या ब्रदर्स के साथ प्रैक्टिस कर रहे थे।

सबसे बड़े टैलेंट-सर्च में एथलीट्स को किराया तक नहीं मिला

कोई कर्ज लेकर आया, तो किसी ने चंदा जुटाया; नीरज चोपड़ा इसी टूर्नामेंट की खोज

अहमदाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां)। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सबसे बड़े टैलंट सर्च में आए खिलाड़ियों को जिला एथलेटिक्स फेडरेशन के अधिकारियों की लापरवाहियों का खामियाजा उठाना पड़ रहा है। यहां अहमदाबाद में चल रही चैंपियनशिप में हिस्सा लेने आए आधे से अधिक खिलाड़ियों को किराया तक नहीं मिला है। ऐसे में खिलाड़ियों को अपने खर्चे पर चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए आना पड़ रहा है। कोई कर्ज लेकर आ रहा है, तो कोई अपने सपने पूरे करने के लिए चंदा जुटाकर आया है।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया 19वीं नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर मीट का आयोजन टैलेंट सर्च के लिए करता है। दिग्गज जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा इसी टूर्नामेंट की खोज हैं।

21 साल पुराने इस टूर्नामेंट में इस बार 616 जिलों से 5000 से ज्यादा एथलीट भाग ले रहे हैं।

खिलाड़ियों को क्यों नहीं मिल रहा टीए

अंडर-14 और अंडर-16 की इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के खर्चे कर वहन करती है। फेडरेशन सीधे जिला संघ के बैंक खातों में यह राशि भेजती है, लेकिन पिछले कुछ साल से आधे से अधिक खिलाड़ियों को यह राशि नहीं मिल पा रही है। क्योंकि आधे से अधिक जिला संघों ने फेडरेशन की वेबसाइट में अपनी पंजियन नहीं कराया है और फेडरेशन के पास इन खिलाड़ियों की जानकारी नहीं है।

अहमदाबाद 616 जिले के एथलीट भाग ले रहे हैं। सभी ने ऑनलाइन अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था, लेकिन 616 में से सिर्फ 320 जिलों ने ही बैंक अकाउंट नंबर दिया है। इनमें बिहार के 39 में से सिर्फ 10 जिलों ने ही अकाउंट नंबर दिए हैं।

क्या कहते हैं खिलाड़ी...?

कोच पटना में छोड़कर चले गए, पैसा आज तक नहीं मिला

बिहार के अररिया के आए मोहम्मद जावेद अली ने बताया कि पिछले साल का भी किराया भत्ता और डेली अलाउंस अब तक नहीं मिला है। पिछले साल एनआईडीजेएम पटना में हुआ था। तब हमारे कोच ने बताया कि पटना में जाने के बाद पता चलेगा कि किराया मिलेगा या नहीं। पटना जाने के बाद वह हमें छोड़ कर चले गए। हमें किराया का पैसा आज तक नहीं मिला।

इस साल भी हम लोग अपना पैसा लगाकर आए हैं। इस पर टीम के कोच विवेक कुमार कहते हैं कि मैं पहली बार टीम लेकर आया हूं। हमें जिला एसोसिएशन से हमें कुछ भी नहीं दिया गया है। बच्चे खुद ही किराया लगाकर आए हैं।

दरभंगा से आए सईदी हसन मेहदी ने बताया कि पिछले साल पटना में हुए चैंपियनशिप में खुद ही पैसा लगाकर गए थे। वहीं इस साल भी हम लोग अपने पैसे लगाकर आए हैं। हालांकि यहां आने के बाद यहां पर रहने और खाने-पीने की अच्छी सुविधा दी गई है। दरंभगा में खुद ही प्रैक्टिस करते हैं। वहां पर ग्राउंड में बुनियादी सुविधा तक नहीं है।

रास्ते में लोगों से पैसे मांगकर अहमदाबाद पहुंचे

बेगुसराय जिले से आए नीतीश कुमार ने बताया कि अहमदाबाद आने के लिए किराए में 1600 रुपया लगे हैं। 800 रुपए हमें लोगों ने दिए हैं। बाकी के 800 रुपए कोच सर ने इधर-उधर से इंतजाम किया। पिछले साल हमारे जिले से गए कई लड़कों को अब तक पिछले साल का ही किराया नहीं मिला है।

इस चैंपियनशिप में बिहार के बक्सर जिले से आए चंदन कुमार बताते हैं कि उन्होंने अपने पैसे लगाकर यहां तक आना पड़ा है। उनकी टीम के कई खिलाड़ी तो ऐसे हैं।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप 2024

भारतीय महिला टीम पहली बार फाइनल में

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बैडमिंटन में भारत की बेटियों ने इतिहास रच दिया. भारतीय महिला टीम शनिवार को बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गई. यह पहली बार है जब कोई भारतीय टीम इस इवेंट के फाइनल तक पहुंची है. इससे पहले न तो कोई पुरुष टीम ऐसा कर पाई थी और न ही महिला टीम के हिस्से यह सफलता आई थी. सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने दो बार की पूर्व चैम्पियन जापान की टीम को 3-2 से हराकर अपना सफर आगे बढ़ाया. इस सेमीफाइनल मुकाबले में सबसे पहले भारत की ओर से वर्ल्ड नंबर-23 रैंकिंग वाली तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने डबल्स जीता. फिर वर्ल्ड नंबर-53 रैंकिंग वाली अस्मिता चालिहा ने भारत को सिंगल्स में जीत दिलाई. आखिरी में अनमोल खरब ने निर्णायक सिंगल्स जीतकर भारत को खिताबी भिड़ंत तक पहुंचा दिया.

जापान की टीम इस मुकाबले में अपनी कुछ बड़ी खिलाड़ियों के बिना खेल रही थी. इसके बावजूद उन्होंने अच्छी चुनौती दी. पहले सिंगल्स में पीवी सिंधु को अया ओहोरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद पहले डबल्स में तृषा और गायत्री की जोड़ी ने नामी मात्सुयामा और चिहारू शिडा की जोड़ी को हराकर भारत को 1-1 से बराबरी कराई.

यहां से दूसरे सिंगल्स में अस्मिता ने पूर्व विश्व चैम्पियन नोजोमी ओकुहारा को हराकर उलटफेर किया और भारत को 2-1 से आगे कर दिया. इसके बाद दूसरे डबल्स में पीवी सिंधु ने अश्विनी पोनप्पा के साथ मिलकर रेना मियायूरा और अयाको साकुरामोटो की जोड़ी का सामना किया. लेकिन भारतीय जोड़ी को हार मिली और जापान की टीम 2-2 से बराबरी पर आ गई.

अब निर्णायक सिंगल्स में अनमोल पर भारत का दारोमदार था. इस बड़े मुकाबले में उन्होंने नातसुकी निडायरा को हराया और भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचा दिया. भारतीय टीम अब फाइनल मुकाबले में थाईलैंड से भिड़ेगी.

क्या ईशान किशन आईपीएल से होंगे बाहर?

फिर नजरअंदाज किया बीसीसीआई का आदेश

मुंबई. 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की मुश्किलें बढ़ती हुईं नजर आ रही हैं। दरअसल रणजी ट्रॉफी 2024 के अंतिम दौर के मैचों में भी ईशान किशन झारखंड की तरफ से रणजी ट्रॉफी खेलने नहीं गए। वहीं वह काफी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। जिसके बाद से उन्होंने ना तो बीसीसीआई को भारतीय टीम के लिए अपनी उपलब्धता साबित की है और ना ही वह इसपर कोई जवाब दे रहे हैं। वहीं हाल ही में रिपोर्ट के हवाले से पता था कि बीसीसीआई एक नया नियम भी लेकर आ सकती है, जिसमें यह कहा गया था कि आईपीएल में खेलने के लिए खिलाड़ियों को कम से कम 3 से 4 मैच रणजी ट्रॉफी में खेलना अनिवार्य है। पर ईशान किशन ने इसे नजरअंजाद करते हुए बड़ौदा में हार्दिक पंड्या के साथ आईपीएल की तैयारियां कर रहे हैं। जिसके बाद यह माना जा रहा कि ईशान किशन के इस रवैये से नाखुश बीसीसीआई उनपर कड़ा फैसला ले सकती है।

टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन झारखंड की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। मगर वह रणजी ट्रॉफी 2024 के लास्ट राउंड में भी झारखंड की तरफ से खेलने नहीं गए। न ही उन्होंने झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन को इस बार में कोई सूचना दी थी। वहीं हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि ईशान किशन गुजरात के बड़ौदा में पंड्या ब्रदर्स के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्होंने आईपीएल 2024 की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं।

बीसीसीआई के कहने के बावजूद ईशान किशन रणजी ट्रॉफी 2024 में नहीं खेल रहे हैं। खबरें ऐसी आई थीं कि जय शाह ने कहा था कि केंद्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों को भारतीय टीम में वापसी करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी होगा। वहीं आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए भी घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य होगा। मगर ईशान किशन ने इसको नजरअंदाज करते हुए ना तो झारखंड की तरफ से रणजी टॉफी 2024 खेलने पहुंचे और ना ही उन्होंने झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन को इसको लेकर कोई सूचना दी थी। ईशान किशन को जनवरी में साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया था लेकिन उन्होंने मानसिक थकान के कारण टेस्ट सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया था। जिसके बाद ईशान किशन को अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज में भी नहीं चुना गया था और इंग्लैंड के खिलाफ भी ईशान किशन को टीम में शामिल नहीं किया गया था।

शार्दुल ठाकुर ने 6 विकेट लेकर सेलेक्टर्स को दिया जवाब, इंग्लैंड सीरीज के लिए नहीं मिली थी जगह

मुंबई. 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे शार्दुल ठाकुर इस समय रणजी ट्रॉफी 2024 में धमाल मचा रहे हैं। मुंबई की तरफ से खेलते हुए असम के खिलाफ शार्दुल ठाकुर ने 10 ओवर में 21 रन 6 विकेट हासिल लिए। शार्दुल की इस घातक गेंदबाजी के सामने असम के छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। जिसकी वजह से असम की पहली पारी महज 84 रन पर ही सिमट गई।

असम के 84 रन के जवाब में मुंबई ने पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 217 रन बना लिए हैं। बता दें कि शार्दुल ठाकुर को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। सेलेक्टर्स का यह फैसला हैरान करने वाला था। दरअसल शार्दुल टीम इंडिया की टेस्ट टीम के साथ लंबे समय से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे थे। उसके बाद भी उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। शार्दुल ठाकुर ने असम के खिलाफ तूफानी गेंदबाजी करते हुए महज 10.1 ओवर में 21 रन देकर 6 विकेट हासिल किए थे। शार्दुल ने परवेज मुसरफ, एससी घाडीगांवकर, डेनिश दास, कुणाल सरमा, सुनीत लाचित और दिबाकर जोहोरी को दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं करने दिया था। जिसकी मदद से मुंबई की टीम ने असम को सिर्फ 84 रन पर ढेर कर दिया था।

शार्दुल ठाकुर को इस बार चेन्नई सुपर किंग्स ने 4 करोड़ की मोटी रकम के साथ टीम में शामिल किया है। शार्दुल ठाकुर इससे पहले धोनी की कप्तानी में 2018 से 2021 के बीच में खेल चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शार्दुल ठाकुर ने इस दौरान 48 मैचों में 55 विकेट हासिल किए थे। फिर इसके बाद 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स ने शार्दुल ठाकुर को रिलीज कर दिया था। जिसके बाद वह 2022 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेले और 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से खेले थे। वहीं एक बार फिर शार्दुल अपनी पुरानी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ खेलते हुए नजर आएंगे।

स्टार ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया था। शार्दुल ने आखिरी बार सफेद कपड़ो में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए नजर आए थे। जिसके बाद से वह भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। साउथ अफ्रीका दौरे से लौटने के बाद उम्मीद थी कि शार्दुल ठाकुर को इंग्लैंड के खिलाफ टीम में शामिल किया जाएगा लेकिन सेलेक्टर्स ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। जिसके बाद अब असम के खिलाफ 6 विकेट लेकर उन्होंने सेलेक्टर्स को बता दिया है कि घायल शेर एक बार फिर मैदान पर वापसी के लिए तैयार है

टीम इंडिया के 'स्पीड मास्टर' ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। वरुण आरोन ने 2008 में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। जिसके बाद से उन्होंने 65 मैचों में 168 विकेट हासिल किए थे। रणजी ट्रॉफी 2024 में वरुण आरोन झारखंड की तरफ से खेलते हैं और राजस्थान के खिलाफ उनका आखिरी फर्स्ट क्लास मैच होगा। जिसके बाद वह इस टूर्मामेंट को अलविदा कह देंगे। बता दें कि वरुण आरोन को उसकी स्पीड के लिए जाना जाता है। 150 की गति से उसकी घातक गेंदबाजी से बड़े से बड़ा बल्लेबाज खौफ खाया करता है। वरुण आरोन ने भारत के लिए 2011 में टेस्ट डेब्यू किया था।

वरुण आरोन को उनकी गति के लिए जाना जाता था। जब उन्होंने भारत के लिए डेब्यू किया था उस समय वह 150 की गति से गेंदबाजी किया करते थे। हालांकि उन्हें भारत की तरफ से ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला। मगर जब भी वह गेंदबाजी करने आया करते थे। तब उनसे हर बल्लेबाज खौफ खाया करता था। भारत के लिए 9 टेस्ट और 9 वनडे खेलने वाले वरुण आरोन को इंजरी की समस्या से जूझना पड़ा था। जिसकी वजह से वह भारत के लिए ज्यादा मैच नहीं खेल पाए थे। बता दें कि फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास को लेकर वरुण आरोन ने कहा कि रेड बॉल क्रिकेट को लेकर मेरी बॉडी मेरा साथ नहीं दे रही है। जिसकी वजह से मैं इस फॉर्मेट को अलविदा कह रहा हूं।

वरुण आरोन ने टेस्ट डेब्यू पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था। जिसके बाद से उन्होंने भारत के लिए 9 टेस्ट मैच खेले।

एनाबेल सदरलैंड ने लगाया दोहरा शतक

पर्थ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया विमेंस और साउथ अफ्रीका विमेंस के बीच एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन एनाबेल सदरलैंड के दोहरे शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया पर्थ में हावी हो गया।

मैच के दूसरे दिन साउथ अफ्रीका के पहली पारी में 76 रन के जवाब में 251/5 स्कोर के आगे पहली पारी को आगे बढ़ाया। ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट पर 575 रन बनाए और साउथ अफ्रीका पर 499 रन की लीड बनाई।

स्टंप्स तक साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 67 रन बना लिए हैं। तजमिन ब्रिट्स और डेलमी टकर नाबाद हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी एनाबेल सदरलैंड ने दोहरा शतक लगाया। उन्होंने 256 बॉल में 210 रन की पारी खेली। सदरलैंड के नाम विमेंस टेस्ट में फास्टेस्ट डबल सेंचुरी का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। सदरलैंड विमेंस टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक जमाने वाली 9वीं बैटर बनी।

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 251/5 स्कोर के आगे खेलना शुरू किया। एनाबेल सदरलैंड ने 210 रन और एश्ले गार्डनर ने 65 रन की पारी खेली।

विधानसभा में तेलंगाना सिंचाई क्षेत्र पर श्वेत पत्र पेश

कालेश्वरम परियोजना अब बेकार : उत्तम
सिंचाई मंत्री ने विधानसभा में पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया है कि कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) खराब डिजाइन, गुणवत्ता और भ्रष्टाचार के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है और परियोजना वर्तमान में बेकार है और इसे पानी से नहीं भरा जा सकता है। उत्तम कुमार रेड्डी ने तेलंगाना सिंचाई परियोजनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी किया और बाद में शनिवार को विधानसभा में इस विषय पर एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। सदन को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा अपनाई गई विनाशकारी सिंचाई नीतियों ने राज्य को बड़े जोखिम में डाल दिया और गलत नीतियों, भारी कर्ज और भ्रष्टाचार के कारण तेलंगाना राज्य पर भारी बोझ पड़ा। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने कालेश्वरम परियोजना के लिए मुख्य अभियंता और मुख्य डिजाइनर के रूप में काम किया था और विशेषज्ञों के सुझावों को ध्यान में रखे बिना परियोजना को क्रियान्वित किया था। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, "यह बहुत शर्मनाक है कि बीआरएस विधायक अपनी विफलता के लिए तेलंगाना के लोगों से बिना शर्त माफी मांगने के बजाय सरकार के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं।" "गोदावरी पर बने बैराजों, पंप हाउसों के क्षतिग्रस्त होने के कारण पूरा तेलंगाना सिंचाई क्षेत्र चरमरा गया। पिछली सरकार द्वारा सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च करने के बाद राज्य की अर्थव्यवस्था भी अनिश्चित स्थिति में थी। राज्य का खजाना पूरी तरह से बर्बाद हो गया था।" उन्होंने खुलासा किया, ''कर्ज के बोझ से उजाड़ हो गई है और इसे अगले 10 साल की अवधि में 1.35 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज चुकाना होगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के तहत सिंचाई विभाग में इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं हुआ और मेडिगड्डा बैराज, जो सौ साल तक चलने वाला था, टूटने की कगार पर पहुंच गया है। उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना के गठन (2014 - 2023) के बाद, बीआरएस सरकार ने 10 वर्षों में 1,81,067 करोड़ रुपये की लागत से केवल 15.81 लाख एकड़ भूमि बनाई थी। अनुमान के मुताबिक, चल रही परियोजनाओं के पूरा होने पर कुल 127.58 लाख एकड़ की सिंचाई सुविधा तैयार की जाएगी। शेष सभी परियोजनाओं को पूरा करने और 53.98 लाख एकड़ अतिरिक्त अयाकट बनाने के लिए 97,774 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी। अगले पांच वर्षों में ब्याज सहित ऋण बोझ की कुल चुकौती 77,369 करोड़ रुपये है और शेष परियोजनाओं को पूरा करने के लिए धन की कुल आवश्यकता 1,75,143 करोड़ रुपये है। मंत्री ने कहा कि प्रति एकड़ सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 3.4 लाख रुपये की आवश्यकता है। उत्तम ने खुलासा किया कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने कहा है कि अन्नाराम और सुंदिला बैराज भी खतरे के क्षेत्र में हैं और एक कालेश्वरम परियोजना द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली की खपत पूरे तेलंगाना राज्य के सभी क्षेत्रों में उपयोग की जाने वाली बिजली से अधिक है।मंत्री ने कहा, "वर्तमान में, सिंचाई परियोजनाओं का काम विभिन्न चरणों में प्रगति पर है और इन्हें बिना किसी भ्रष्टाचार की गुंजाइश के पूरा किया जाएगा।"

गलती स्वीकार न करने पर सीएम रेवंत का जवाबी हमला

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने सिंचाई क्षेत्र पर विधानसभा में श्वेत पत्र जारी किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस पर संक्षिप्त चर्चा की। विपक्ष ने सिंचाई क्षेत्र पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। पिछली सरकार ने गोदावरी परियोजनाओं पर सेवानिवृत्त इंजीनियरों की एक समिति बनाई थी। कमेटी की रिपोर्ट सदन के सामने रखी जा रही है। यहीं पर तुम्मीदिहट्टी के अलावा अन्यत्र परियोजना को फिर से डिजाइन करने की नींव रखी गई थी। बेहतर होता कि पिछली सरकार अपनी गलतियों को स्वीकार करती और तेलंगाना समुदाय से माफी मांगती। अगर वे अपनी गलती मानें और सलाह दें तो कुछ हद तक समाज इसकी सराहना करेगा। वे गलती स्वीकार किए बिना जवाबी हमला कर रहे हैं। मंत्री पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देते हैं तो कहते हैं कि इसमें गलतियों की भरमार है। रेवंत ने कहा,'' वे अपनी गलतियों को छिपाने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं।

पूर्व मंत्री हमेशा आलोचना ही करते हैं : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने खुलासा किया है कि कांग्रेस पार्टी ने वादे के मुताबिक विधानसभा में जाति जनगणना पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके अपनी ईमानदारी दिखाई है। इसके लिए सहयोग करने वाली पार्टियों को धन्यवाद्। इस सरकार का लक्ष्य है कि कमजोर वर्ग के लोगों का आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक विकास हो। मंत्री ने विधानसभा के मीडिया प्वाइंट में ये बात कही।

उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार के नेता ईमानदारी की कमी के कारण हमारे खिलाफ बोल रहे हैं। शुक्रवार को विधानसभा में जातीय जनगणना पर चर्चा के दौरान पूर्व बीसी मंत्री गंगुला कमलाकर ने सदन को कई बार गुमराह करने की कोशिश की। कांग्रेस द्वारा दी गई छह गारंटियों और आश्वासनों के बारे में बात करना दुखद है। पिछली सरकार ने अपने दस साल के शासनकाल में सभी लोगों का सर्वेक्षण कराया था। रिपोर्ट जारी क्यों नहीं की गई? जो आज इतनी बातें कर रहे हैं, क्या उन्हें नहीं लगता कि पार्टी की बैठकों में उनसे उस रिपोर्ट का खुलासा करने के लिए कहा जाना चाहिए? यहां तक कि जो लोग ऐसी स्थिति में हैं वे भी हमारी आलोचना कर रहे हैं।

मंत्री ने बताया।कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने खुद विधानसभा में कहा कि यह सरकार लोगों और नेताओं से सलाह और सुझाव लेने के लिए तैयार है। वे कोई अच्छा कार्यक्रम नहीं बताते जो समाज के लिए उपयोगी हो। हमने जातीय जनगणना को देश के लिए आदर्श बनाने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सरकार को सभी के सहयोग की जरूरत है। सरकार को उम्मीद है कि वह सभी की सलाह और सुझावों के साथ आगे बढ़ेगी।

पिछली सरकार पर कीचड़ उछालने के लिए है श्वेत पत्र : हरीश राव

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सिंचाई क्षेत्र पर विधानसभा में श्वेत पत्र जारी किया है। भारास विधायक और पूर्व मंत्री हरीश राव ने मंत्री द्वारा उठाए गए मुद्दों के बारे में चर्चा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत श्वेत पत्र में कुछ बिंदु सच्चाई से बहुत दूर हैं। पिछली सरकार पर कीचड़ उछालने के कारण यह रिपोर्ट लायी गयी थी। मैं साबित कर दूंगा कि इसमें झूठ है। मंत्री उत्तम ने कहा कि संयुक्त राज्य में मिडमनेरू और एलमपल्ली परियोजना पूरी हो चुकी है। हालाँकि, 2014 में जब मैंने मंत्री पद की शपथ ली, तब तक मिडमनेरु परियोजना के लिए केवल 106 करोड़ रुपये का काम हुआ था। जब भारास सरकार आई तो हमने 775 करोड़ रुपये खर्च किये और तीन साल बाद इस परियोजना को पूरा किया।

व्यय बनाम शासनादेश के मुद्दे का उल्लेख श्वेत पत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर किया गया है। यदि 2014 में 57.79 लाख एकड़ भूमि सिंचित हुई, तो रु. 54,234 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। इसी रिपोर्ट में अन्यत्र कहा गया है कि 1956-2014 के बीच संयुक्त आंध्र प्रदेश के तेलंगाना में 54,234 करोड़ रुपये की लागत से 41.76 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई की गई। एक रिपोर्ट में एक ही विषय पर अलग-अलग जानकारी होती है। लागत में कोई बदलाव नहीं है। सिंचित अयाकट्ट के क्षेत्र में अंतर है।

मंत्री ने रायलसीमा के उत्थान के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि लिफ्ट सिंचाई परियोजना की टेंडर प्रक्रिया पूरी होने तक तत्कालीन सरकार (भारास) ने केंद्र में शिकायत दर्ज नहीं करायी। इस विषय में मैं पहले भी पूर्ण साक्ष्य सहित विवरण दे चुका हूँ। लेकिन वे फिर झूठ बोल रहे हैं। यह प्रोजेक्ट 5/5/2020 को लाइव हुआ। इस बायो के सामने आने से पहले प्रेस में छपे लेखों के आधार पर हमने 29/1/2020 को केंद्र सरकार के पास शिकायत दर्ज की। 5 मई को, हमने एक सप्ताह के भीतर एक बार फिर केंद्र और केआरएमबी में शिकायत दर्ज की। अगर वो पत्र चाहिए तो हम सदन में पेश करेंगे। हम बार-बार कह रहे हैं कि हमने कोई शिकायत दर्ज नहीं की है जो सच्चाई से बहुत दूर है।' यह कोई तरीका नहीं है।

ग्रामीणों ने कृषि क्षेत्र में बदलाव के लिए केसीआर की सराहना की

आदिलाबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इकोडा मंडल के मुखरा-के गांव के निवासियों ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। सरपंच जी. मीनाक्षी के नेतृत्व में, निवासियों ने खेतों में चंद्रशेखर राव के आदमकद फ्लेक्स पोस्टर का दुग्धाभिषेक किया और नवीन योजनाओं का विस्तार करके उनके जीवन को रोशन करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने दलितों को 3 एकड़ खेती योग्य भूमि, रायथु बंधु, कृषि क्षेत्र के लिए मुफ्त बिजली आपूर्ति का प्रावधान, दलित बंधु और अपनी तरह की कई अन्य पहल की शुरुआत की, जिसने किसानों के जीवन को बदल दिया। उन्होंने कृषि को एक लाभदायक क्षेत्र बनाने और नव निर्मित तेलंगाना को देश में एक मॉडल राज्य में बदलने के लिए बीआरएस सुप्रीमो को धन्यवाद दिया।

सीएम ने केसीआर को जन्मदिन की बधाई दीं

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री कल्वाकुंतला चंद्रशेखर राव को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं।

सीएम ने विधानसभा में घोषणा की, "केसीआर को जन्मदिन की शुभकामनाएं, जिन्होंने 40 वर्षों तक राज्य और केंद्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई," उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि केसीआर तेलंगाना के पुनर्निर्माण में विपक्ष के नेता की भूमिका कुशलतापूर्वक निभाएं। इससे पहले, राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन ने भी बीआरएस प्रमुख को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राज्यपाल कार्यालय के प्रतिनिधि के माध्यम से एक पत्र और एक गुलदस्ता भेजा। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने सीएम केसीआर की ओर से पत्र और गुलदस्ता प्राप्त किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.